नौंवीं वार्षिक रिपोर्ट
2004-2005
NINETH ANNUAL REPORT
2004-2005

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
टेक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली–110016

Government of India
Department of Science and Technology
Technology Bhavan, New Delhi - 110016

वर्ष

The Year

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने वर्ष 2004-2005 के दौरान औद्योगिक इकाइयों व अन्यों के साथ 11 करार किए जिनकी परियोजनाओं की कुल लागत 435.43 करोड़ रुपए थी जिसमें टीडीबी द्वारा वचनबद्ध राशि 129.68 करोड़ रुपए शामिल है जो पिछले वर्ष की टीडीबी द्वारा वचनबद्ध राशि से दो गुणा है। टीडीबी द्वारा सहायता पाने वाले स्वास्थ्य और मेडिकल, इंजीनियरी, सूचना प्रौद्योगिकी, दूर-संचार, कृषि और ऊर्जा तथा अपशिष्ट उपयोग, सभी क्षेत्र शामिल हैं। ये परियोजनायें 16 से अधिक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में फैली हैं।

टीडीबी इस बात को स्वीकार करता है कि प्रौद्योगिकीय नूतनता और लाभप्रद वाणिज्यिकरण महत्वपूर्ण संघटक हैं, टीडीबी ने 'इनकूबेटरों' में 'स्टार्ट अप्स' के लिए 'सीड सपोर्ट सिस्टम्स' में भाग लेने का निर्णय लेकर एक विकासोन्मुखी पहल आरंभ की। वित्तीय सहायता से, जिसका उपयोग इनकूबेटीज द्वारा किया जाएगा, स्तरोन्नयन चाहने वाली प्रौद्योगिकीयों व सम्बद्ध कार्य के लिए प्रारम्भिक स्तर की सहायता प्राप्त होगी और अन्ततः 'इनकूबेशन निधि' कायम करने में सुविधा होगी। इससे वाणिज्यिक उद्यमों के लिए मार्ग प्रशस्त होने के अलावा टेक्नो-उद्यमियों के लिए एक मंच उपलब्ध होगा।

टीडीबी ने, ए पी आई डी सी उद्यम पूंजी के साथ एक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर करके नई पहलों के संबंध में प्रयास किया है जिससे टीडीबी को जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में इक्विटी में सह-निवेश करने के लिए और 'एक्सेन्ट इंडिया फंड' में भागीदारी के लिए यू टी आई वेन्चर निधियों के साथ एक और करार करने में मदद मिलेगी।

वर्ष के दौरान टीडीबी ने जिन महत्वपूर्ण उत्पादों और सेवाओं के लिए सहायता दी उनमें 'सारस' ने शनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज, बंगलौर द्वारा डिजाइन व विकसित किया गया, प्रथम स्वदेशी नागरिक विमान, जिसने अपनी पहली औपचारिक उड़ान भरी है।

The Technology Development Board (TDB) concluded 11 agreements with industrial concerns and others, in the year 2004-05, which involved a total project outlay of Rs. 435.43 crore. This included a commitment of Rs. 129.68 crore by TDB, which is twice the amount of commitment by TDB in the previous year. TDB's support covers all sectors namely, Health and Medical, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilisation, Telecommunication and Information Technology. The projects are spread over 16 States/Union Territories.

TDB recognizes that technological innovation and profitable commercialization are critical components. TDB took a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support System for Start-ups in Incubators. The financial assistance, to be used by incubatees, would cater to early stage support for technologies requiring up-scaling and related work and eventually facilitate building up an Incubation Fund. This would provide a platform for technopreneurs apart from giving leads for commercial ventures.

TDB has attempted new initiatives by signing an agreement with APIDC Venture Capital that would enable TDB to co-invest in equity in biotechnology sector and signing another agreement with UTI Venture Funds for participation in the Ascent India Fund.

The significant products and services assisted by TDB during the year include "SARAS", first indigenous civilian aircraft, designed and developed by the National Aerospace Laboratories, Bangalore, making its formal inaugural flight.

जो था
That Was

मेक कन्ट्रोल्स एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बतूर द्वारा अभिकल्पित, विकसित और वाणिज्यिकृत विभिन्न किस्मों के वायुयानों के लिए ग्राउण्ड सपोर्ट पद्धतियों हेतु विशेष प्रयोजन विद्युतीय रोटेटिंग मशीनें और निम्न प्रेशर हाईवाल्यूम आयल फ्री स्क्रूव कम्प्रेसर्स ।

राजरत्न ग्लोबल वायर लिमिटेड, इन्दौर द्वारा विकसित और विनिर्मित वाहन टायरों के लिए टायर बीड वायर्स ।

यशराज बायोटेक्नोलॉजी, लिमिटेड, मुम्बई द्वारा देशज स्रोत से एन्टीजन्स और प्रोटिनों का पृथक्करण और उत्पादन ।

रविन्द्रनाथ जी ई मेडिकल एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा स्थापित कार्डिअक सम्बद्ध सर्विसिज ।

एस्सार फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा फुलहारी के उपचार के लिए पेप्टाइड आधारित लोशन बाजार में प्रस्तुत ।

मेसर्स एन-लोग कम्पयुनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा कोर-डेक्ट डब्ल्यु एल एल पद्धति को उन्नयन करके ग्राम अनुप्रयोग हेतु 1440 किओस्क की स्थापना ।

मेम्ब्रेन फिल्टर्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, द्वारा विनिर्मित पेय जल शोधित्र (प्यूरीफायर्स) ।

भारत के राष्ट्रपति डा0 ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता की जिसका आयोजन 30 जून, 2004 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया गया था । भारत के राष्ट्रपति ने दस लाख रुपए का राष्ट्रीय पुरस्कार इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड को प्रदान किया । उन्होंने, दोनों लघु उद्योग इकाइयों, सहजानन्द लेजर टेक्नोलॉजी, अहमदाबाद और मेकप्रो हैवी इंजीनियरी लिमिटेड, नई दिल्ली को भी दो लाख रुपए और एक ट्राफी प्रदान की ।

Special purpose electrical rotating machines and low pressure high volume oil free screw compressors for ground support systems for different types of aircraft, designed, developed and commercialized by Mak Controls & Systems Private Limited, Coimbatore.

Tyre bead wires for vehicle tyres developed and manufactured by Rajratan Global Wire Limited, Indore.

Separation and production of antigens and proteins from native source by Yashraj Biotechnology Limited, Mumbai.

Cardiac related services established by Ravindranath GE Medical Associates Private Limited, Hyderabad.

Peptide based lotion for treatment of vitiligo introduced in the market by Issar Pharmaceuticals Private Limited, Hyderabad.

Setting up 1440 kiosks for rural application by M/s n-Logue Communications Private Limited, Chennai, by up-gradation of corDECT WLL system.

Drinking water purifiers manufactured by Membrane Filters (India) Private Limited, Pune.

The President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, presided over as the Chief Guest at the National Awards function of the Technology Day held on 30th June 2004 at Pragati Maidan, New Delhi. The President of India presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to Indian Oil Corporation Limited. He also presented Rs. 2 lakhs and a trophy to the both SSI units, Sahajanand Laser Technology, Ahmedabad and Mecpro Heavy Engineering Limited, New Delhi.

डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, *भारत के राष्ट्रपति*, **डॉ० एन.आर. राजे, निदेशक** *(आर एंड डी)*, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam, *President of India*, presenting the National Award to **Dr. N.R. Raje**, *Director (R&D)* of *Indian Oil Corporation Limited*

पूर्वावलोकन

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास और वाणिज्यिक अनुप्रयोग अथवा आयातित प्रौद्योगिकी के व्यापक देशज अनुप्रयोग हेतु अनुकूलन का प्रयास करने वाली औद्योगिक इकाइयों व अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

टीडीबी की वित्तीय सहायता ऋण अथवा इक्विटी के रूप में होती है; विशिष्ट मामलों में यह अनुदान के रूप में हो सकती है। ऋण सहायता, अनुमोदित परियोजना लागत का 50 प्रतिशत तक होती है और इस पर 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज लगता है। विकल्प के तौर पर टीडीबी, कम्पनी में इक्विटी पूंजी के रूप में अंशदान कर सकता है जो अनुमोदित परियोजना लागत का 25 प्रतिशत तक हो सकता है। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई की शुरूआत, प्रारंभ करने अथवा विकास चरणों के दौरान उपलब्ध कराई जाती है।

An Overview

The Technology Development Board (TDB) provides financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology to wider domestic application.

TDB's financial assistance is in the form of loan or equity; in exceptional cases, it may be grants. The loan assistance is up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent rate of interest per annum. In the alternative, TDB may subscribe by way of equity capital in a company, up to 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of an industrial concern.

भारत के राष्ट्रपति, **डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम**, लघु इकाई के लिए **श्री अरविन्द पटेल**, *सहजानन्द लेजर टेक्नोलॉजी* को ट्रॉफी प्रदान करते हुए।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam, President of India, presenting the trophy for the SSI unit to **Shri Arvind Patel** of *Sahajanand Laser Technology*

टीडीबी, अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रकों में और पूरे वर्ष के दौरान परियोजना सहायतार्थ आवेदन-पत्र स्वीकार करता है। टीडीबी, कोई प्रशासनिक, प्रोसेसिंग अथवा प्रतिबद्धता प्रभार उदग्रहण नहीं करता है। टीडीबी से वित्तीय सहायता चाहने वाली औद्योगिक इकाईयों को निर्धारित फार्मेट में आवेदन करना होता है। परियोजना निधियन मार्गनिर्देशों की एक प्रतिलिपि, आवेदन-पत्र के फार्मेट सहित, टीडीबी से निःशुल्क प्राप्त की जा सकती है।

वर्ष 2004-05 के दौरान टीडीबी ने 9 औद्योगिक इकाइयों और दो उद्यम पूंजी कम्पनियों के साथ 11 अनुबन्धों पर हस्ताक्षर किए। 9 औद्योगिक इकाइयों के लिए टीडीबी, 75.43 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत के विरुद्ध 24.68 करोड़ रुपए का ऋण प्रदान करने के लिए सहमत हुआ। इसके अलावा, टीडीबी ने 360 करोड़ रुपए की सहायता हेतु दो उद्यम निधियों के लिए 105 करोड़ रुपए की राशि की वचनबद्धता की। टीडीबी ने एपीआईडीसी वेन्चर केपिटल लिमिटेड, हैदराबाद के साथ एक सह-निवेश अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए, जिससे टीडीबी, कम्पनियों द्वारा विनिर्धारित

TDB accepts applications for financial assistance from all sectors of the economy and throughout the year. TDB does not levy administrative, processing or commitment charges. The industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB has to apply in the prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB.

During the year 2004-05, TDB signed 11 agreements with 9 industrial concerns and 2 venture capital companies. For the 9 industrial concerns, TDB agreed to provide loan of Rs. 24.68 crore as against the total project cost of Rs. 75.43 crore. Further, TDB committed Rs. 105 crore for the two venture funds for leveraging Rs. 360 crore. TDB signed a co-investment agreement with APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad, that would enable TDB to co-invest in equity along with them in the companies identified by them in biotechnology sector. The size of the fund

भारत के राष्ट्रपति, **डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम**, *लघु इकाई के लिए* **श्री राजन सखार्य**, *मेकप्रो हैवी इंजीनियरी लिमिटेड, नई दिल्ली को ट्रॉफी प्रदान करते हुए।*
Dr. A.P.J. Abdul Kalam, *President of India*, presenting the trophy for the SSI unit to **Shri Rajan Skharya** of *Mecpro Heavy Engineering Limited*, New Delhi

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रक में उनके साथ इक्विटी में सह-निवेश करने में, समर्थ होगा। निधि का आकार 60 करोड़ रुपए का होगा। टीडीबी ने, पांच वर्ष के दौरान बोर्ड की 75 करोड़ रुपए की भागीदारी के लिए यूटीआई वेन्चर फन्डस मैनेजमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (यू वी एफ) के साथ मार्च, 2005 में एक और करार पर हस्ताक्षर किए। बोर्ड ने महसूस किया कि यूवीएफ के एक्सेन्ट इण्डिया फण्ड को लाभ प्रदान करने के लिए टीडीबी की भागीदारी के जरिए लाभ होगा। प्रस्तावित एक्सेन्ट इण्डिया फण्ड का आकार 300 करोड़ रुपए होगा।

बोर्ड ने जनवरी, 2005 में यह निर्णय लिया कि बोर्ड विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के एनईबी द्वारा प्रशासित इनकूबेटर्स/साइंस एंड टेक्नोलॉजी एन्ट्रीप्रीन्यूर्स पार्क्स (स्टेप) में स्टार्ट-अप के लिए एक प्रायोगिक उपाय के रूप में 'सीड सपोर्ट सिस्टम' में भाग लेगा। बोर्ड में इस प्रयोजनार्थ, अनुदान के रूप में तीन वर्ष की अवधि के दौरान 5 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता मंजूर की। वित्तीय सहायता, स्तरोन्नयन व सम्बद्ध कार्य चाहने वाली प्रौद्योगिकियों हेतु प्रारम्भिक स्तर सहायता प्रदान करने के लिए की जाएगी। वित्तीय सहायता

would be of Rs. 60 crore. TDB signed another agreement in March 2005 with UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UVF) for TDB's participation of Rs. 75 crore over 5 years. The Board felt that it would be advantageous through TDB's participation to leverage the Ascent India Fund of UVF. The size of the proposed Ascent India Fund would be Rs. 300 crore

The Board decided in January 2005 that TDB would participate in the Seed Support System for Start-ups in Incubators / Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) administered by NEB of the Department of Science and Technology on an experimental measure. The Board sanctioned financial assistance of Rs. 5 crore over a period of three years as grant for this purpose. The financial assistance would cater to early stage support for technologies requiring up-scaling and related work. The financial assistance would be used by the

का उपयोग केवल इनकूबेटिड उद्यमी द्वारा किया जाएगा और उसका उपयोग सुविधा निर्माण हेतु स्टेप/टीबीआई द्वारा नहीं किया जाएगा । सीड सहायता से स्टेप/टीबीआई को लगभग पांच वर्ष की अवधि के दौरान एक इनकूबेशन निधि कायम करने में मदद मिलेगी । सीड सहायता को टीडीबी और स्टेप/टीबीआई के बीच विकासोन्मुखी पहल के रूप में समझा जाएगा ।

वर्ष 2004-05 के दौरान टीडीबी ने चल रहीं तथा नई परियोजनाओं के लिए 57.91 करोड़ रुपए की राशि संवितरित की । इसमें 42.81 करोड़ रुपए ऋण के रूप में, 0.10 करोड़ रुपए अनुदान के रूप में और 15 करोड़ रुपए उद्यम पूंजी के रूप में सम्मिलित हैं ।

भारत सरकार ने, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत, सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की स्थापना की । टीडीबी ने, 31 मार्च, 2005 तक 2298.89 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत के 141 अनुबन्धों पर हस्ताक्षर किए । इसमें, 661.44 करोड़ रुपए की वचनबद्धता शामिल है जिसके लिये टीडीबी ने 526.41 करोड़ रुपए की राशि संवितरित की । एक रुचिकर बात यह है कि टीडीबी के प्रत्येक एक रुपए के मुकाबले अन्यों से दो रुपए से अधिक की प्राप्ति हुई ।

इस अधिनियम से प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए एक निधि कायम करने में मदद मिलती है जिसे टीडीबी द्वारा प्रशासित किया जाता है । निधि में, अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम 1986 के प्रावधानों, 1995 में यथा संशोधित, के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों से सरकार द्वारा एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त होता है । निधि की राशि के निवेश से प्राप्त आय और निधि में से मंजूर राशि में से की गई वसूलियां निधि में जमा कर दी जाती है । वित्त अधिनियम, 1999 से आय कर प्रयोजनार्थ निधि में किए गए दान में से पूर्ण कटौतियां करने में मदद मिली है ।

आर एंड डी उप कर संग्रह में से कुल 915.99 करोड़ रुपए में से सरकार ने टीडीबी को 9 वर्ष की अवधि (1996-2005) के दौरान 435.44 करोड़ रुपए की संचयी राशि उपलब्ध कराई । यह एक वर्ष में औसतन 48.38 करोड़ रुपए बैठती है ।

incubated entrepreneur only and would not be used by the STEP/TBI for facility creation. The seed support would also facilitate the STEPs / TBIs to build up an Incubation Fund over a period of say 5 years. The seed support would be treated as a growth oriented initiative between TDB and STEP/TBI.

During the year 2004-05, TDB disbursed a sum of Rs. 57.91 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 42.81 crore as loan, Rs. 0.10 crore as grant and Rs. 15 crore to the venture fund.

The Government of India constituted the Technology Development Board in September 1996, under the provisions of the Technology Development Board Act, 1995. TDB has signed 141 agreements with the total project cost of Rs. 2298.89 crore till 31st March 2005. This includes TDB's commitment of Rs. 661.44 crore against which TDB had disbursed Rs. 526.41 crore. An interesting feature is that every rupee from TDB has leveraged more than two rupees from others.

The Act enables creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

Of the total of Rs. 915.99 crore from R&D cess collection, the Government has made available to TDB a cumulative sum of Rs.435.44 crore over the period of 9 years (1996-2005). This works out to an average of Rs. 48.38 crore a year.

वित्तिय सहायता की विधियाँ

निम्नलिखित तालिका में, 31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार टीडीबी द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता की विधियां दर्शाई गई हैं :

Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB as on 31st March 2005.

वित्तीय सहायता की विधियाँ
Modes of Financial Assistance

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

साधन	Instruments	टीडीबी द्वारा मंजूर Sanctioned by TDB	टीडीबी द्वारा संवितरित Disbursement by TDB
ऋण	Loans	450.78	409.50
इक्विटी	Equity	24.36 *	24.36 *
अनुदान	Grant	56.30	56.30
उद्यम निधि में भागीदारी	Participation in Venture funds	130.00	36.25
जोड़	**Total**	**661.44**	**526.41**

* मार्च 2004 में संचयी परिवर्तनशील अधिमान शेयरों में बदला गया निक्को निगम को 18.46 करोड़ रुपए का ऋण शामिल है (इस प्रकार ऋण कम हो गया)।

वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन, पूर्वबन्दी और रद्दकरण की वजह से, 31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार, टीडीबी द्वारा मंजूर राशि संशोधित कर दी गई है।

* Includes conversion of loan of Rs. 18.46 crore to Nicco Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan).

The sanctioned amount by TDB has been revised as on 31st March 2005 due to revision in the quantum of financial assistance , foreclosure and cancellations.

क्षेत्रक-वार विवरण - 1997-2005

Sector-wise Coverage 1997-2005

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

	क्षेत्रक Sector	करारों की संख्या No. of agreements	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर Sanctioned by TDB
1	स्वास्थ्य और मेडिकल Health & Medical	37	497.18	151.29
2	इंजीनियरी Engineering	32	283.55	90.14
3	रसायन Chemicals	16	112.89	36.18
4	कृषि Agriculture	15	77.98	24.52
5	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोग Energy & Waste utilization	6	98.34	43.98
6	दूर–संचार Tele-communication	5	35.98	11.86
7	सड़क परिवहन Road Transport	10	527.04	81.20
8	वायु परिवहन Air Transport	2	142.10	67.80
9	सूचना प्रौद्योगिकी Information Technology	14	60.00	23.97
10	अन्य वन्चर (उद्यम) निधियों सहित Others Including Venture funds	4	463.83	130.50
	जोड़ Total	**141**	**2298.89**	**661.44**

(बिना कोई राशि जारी किए गए टीडीबी द्वारा रद्द किए गए 7 करार शामिल नहीं हैं)
(Excludes 7 agreements cancelled by TDB without any release.)

क्षेत्रक-वार कवरेज

टीडीबी की वित्तीय सहायता के अंतर्गत अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रक सम्मिलित हैं। पृष्ठ 9 पर दी गई तालिका में टीडीबी द्वारा वर्ष 1997-2005 के दौरान वित्तीय रूप से सहाय्यित क्षेत्रक-वार परियोजनाएं दर्शाई गई हैं (टीडीबी का गठन सितम्बर, 1996 में किया गया था और 1996-97 में किसी परियोजना का वित्तपोषण नहीं किया गया)।

टीडीबी द्वारा वित्तीय भागीदारी में एक क्षेत्रक से दूसरे क्षेत्रक में काफी विविधता रही है। स्वास्थ्य और मेडिकल क्षेत्रक का हिस्सा महत्वपूर्ण बना रहा।

उद्यम निधियों में भागीदारी से टीडीबी को बड़े पैमाने पर संभाव्य क्षेत्रों में अपने कार्यकलापों का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

रोजगार अवसर

टीडीबी ने नए उद्यमों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से और साथ ही विद्यमान उद्यमों द्वारा कार्यान्वित नई परियोजनाओं के माध्यम से भी नए रोजगार अवसर पैदा करने में मदद प्रदान की है।

अनुबन्धों का राज्य-वार विभाजन

वर्ष 1997-2005 के बीच हस्ताक्षरित अनुबन्धों का राज्य-वार विभाजन (कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय पर आधारित) नीचे दर्शाया गया है:

Sector-wise Coverage

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The table given on page 9 shows sector-wise projects financially assisted by TDB during the years 1997-2005 (TDB was constituted in September 1996 and there was no project financing in 1996-97).

Financial participation by TDB varied considerably from one sector to another. Health and Medical sector continued to have a significant share.

The participation in venture funds would enable TDB to enlarge its activities in potential areas with good scalability.

Job Opportunities

TDB has helped in creating new job opportunities through the implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by existing enterprises.

State-wise Distribution of Agreements

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1997-2005 is given below.

अनुबन्धों का राज्य-वार विभाजन
State-wise Distribution of Agreements

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

क्र.सं. No	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र State, Union Territory		अनुबन्धों की संख्या Number of agreements	उद्यमों/एजेंसियों की संख्या Number of enterprises/ agency	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर Loan/Grant /Equity sanctioned by TDB
1	आंध्र प्रदेश	Andhra Pradesh	40	27	539.99	177.14
2	चंडीगढ़	Chandigarh	1	1	2.40	1.20
3	दिल्ली	Delhi	9	8	85.12	32.80
4	गुजरात	Gujarat	8	5	65.84	15.89
5	हरियाणा	Haryana	2	2	7.40	2.10
6	हिमाचल प्रदेश	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.90
7	कर्नाटक	Karnataka	12	12	230.99	45.84
					अनुदान +Gr	55.80
8	केरल	Kerala	1	1	2.50	1.15
9	मध्य प्रदेश	Madhya Pradesh	4	2	133.24	34.95
10	महाराष्ट्र	Maharashtra	23	22	450.96	69.60
11	पांडिचेरी	Pondicherry	1	1	5.83	1.90
12	पंजाब	Punjab		5	4	52.208.56
					ईक्यू +Eq	5.90
13	राजस्थान	Rajasthan	1	1	35.77	3.00
14	तमिलनाडु	Tamil Nadu	21	20	138.40	39.04
15	उत्तर प्रदेश	Uttar Pradesh	3	2	13.04	3.92
16	पश्चिम बंगाल	West Bengal	5	3	65.14	11.79
					ईक्यू* +Eq*	18.46
	अन्य	Others				
	- उद्यम निधियों सहित	- Including Venture funds	4	4	463.83	130.50
	कुल जोड़	**Grand Total**	**141**	**116**	**2298.89**	**661.44**

टिप्पणी: बिना कोई राशि जारी किए टीडीबी द्वारा रद्द किए गए 7 अनुबन्ध शामिल नहीं हैं।

Note: Excludes 7 agreements cancelled by TDB without any release

* निक्को को संवितरित 18.46 करोड़ रुपए का ऋण (1999-2000 में 12.46 करोड़ रुपए और 2001-02 में 6 करोड़ रुपए) मार्च, 2004 में संचयी परिवर्तनशील अधिमान शेयरों में बदल दिया गया।

* Loan of Rs.18.46 crore (Rs. 12.46 crore in 1999-2000 and Rs. 6 crore in 2001-2002) disbursed to Nicco has been converted into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004.

प्रौद्योगिकी प्रदाता

उद्योग में इन-हाउस आर एण्ड डी इकाइयों ने प्रौद्योगिकों को वाणिज्यिकृत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। टीडीबी द्वारा वचनबद्ध कुल राशि का लगभग 47 प्रतिशत भाग परियोजनाओं के लिए है जबकि इन-हाउस आर एण्ड डी इकाइयों ने वाणिज्यिकरण के लिए प्रौद्योगिकियां उपलब्ध कराई।

वर्ष 2004-05 में उत्पाद तथा सेवाएं

टीडीबी की वित्तीय सहायता से वर्ष 2004-05 के दौरान जारी उत्पाद/ सम्पूर्ण परियोजनाएं नीचे दर्शाई गई हैं :

सारस - देश का प्रथम स्वदेशी नागरिक विमान 'सारस', ने, जिसे नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया था, जो वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी एस आई आर) की एक संघटक इकाई है, अपनी पहली परीक्षण उड़ान 29 मई 2004 को बंगलौर में भरी। वायुयान ने अपनी औपचारिक पहली उड़ान 22 अगस्त, 2004 को भरी।

विभिन्न प्रकार के वायुयानों के लिए ग्राउण्ड सपोर्ट सिस्टम्स हेतु निम्न दबाव हाई वाल्यूम आयल फ्री स्क्रू कम्प्रेशर्स और 100 से 900 एच जेड 6 से 180 केवीए जेनेरेटर्स की विशेष प्रयोजन इलेक्ट्रीकल रोटेटिंग मशीनें, मेक कन्ट्रोल्स एण्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बतूर द्वारा फरवरी, 2005 में डिजाइन, विकसित और वाणिज्यिकृत की गई।

Technology Providers

The in-house R&D units in the industry have made a significant contribution in commercialising technologies. About forty seven per cent of the total amount committed by TDB is for projects where in-house R&D units provided technologies for commercialisation.

Products and services in 2004-05

The products released / projects completed during the year 2004-05 with the financial assistance from TDB are indicated below.

SARAS – The country's first indigenous civilian aircraft, 'SARAS', designed and developed by the National Aerospace Laboratories, a constituent unit of the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), recorded its maiden test flight in Bangalore on 29th May 2004. The aircraft made its formal inaugural flight on 22nd August 2004.

Special purpose electrical rotating machines of 100 to 900 Hz 6 to 180 KVA generators and low pressure high volume oil free screw compressors for ground support systems for different types of aircraft, designed, developed and commercialized by Mak Controls & Systems Private Limited, Coimbatore, in February 2005.

टायर बीड वायर्स: राजरत्न ग्लोबल वायर लिमिटेड, इन्दौर ने, वाहन टायरों के लिए टायर बीड वायरों के विनिर्माण के लिए पीथमपुर में सुविधाएं कायम की और अगस्त, 2004 में वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ किया ।

देशज स्रोत से एन्टीजन्स और प्रोटीनों का उत्पादन: यशराज बायोटेक्नोलाजी लिमिटेड, मुम्बई में देशज स्रोतों से एन्टीजन्स और प्रोटिनों को अलग करने के लिए मार्च, 2005 में परियोजना को पूरा किया ।

कार्डिअक सम्बद्ध सेवाएं: रविन्द्रनाथ जी ई मेडिकल एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने ग्लोबल हास्पीटल में जनवरी, 2004 में कार्डिअक सम्बद्ध सेवाएं कायम की ।

पेपटाइड बेस्ड लोशन: एस्सार फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, ने फुलहारी के उपचार के लिए अपना 'मेलगिन' नामक पेपटाइड-बेस्ड लोशन अगस्त, 2004 में आरंभ किया ।

कोरडेक्ट डब्लयू एल एल पद्धति का उन्नयन: मेसर्स एन-लोग कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई ने ग्राम अनुप्रयोग हेतु कोरडेक्ट डब्ल्यु एल एल पद्धति का उन्नयन किया और नवम्बर, 2004 तक 1440 किओस्कों की स्थापना की ।

निस्सारी उपचार: दि उगार सुगर वर्क्स लिमिटेड, सांगली, ने बायोमिथानेटेड-पश्चात डिस्टीलियरी निस्सारी उपचार के संबंध में सुविधा को सफलतापूर्वक चलाने की रिपोर्ट की ।

पेय जल शोधक: मेम्ब्रेन फिल्टर्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, पुणे ने मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन टेक्नोलाजी पर आधारित पेय जल शोधकों का मार्च, 2005 में विनिर्माण किया ।

मुल्य-वर्धित केला आधारित उत्पाद: ड्रोवन एग्रो -इको-बायो वेन्चर्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई ने अपना प्रसंस्करित मूल्य वर्धित केला आधारित उत्पाद, नामतः फिग, जाम और सौस, अचार व जूस प्रारम्भ किया ।

Tyre bead wires: Rajratan Global Wire Limited, Indore, established the facilities at Pithampur for the manufacture of tyre bead wires for vehicle tyres and commenced commercial production in August 2004.

Production of antigens and proteins from native source: Yashraj Biotechnology Limited, Mumbai, completed the project in March 2005 for separation of antigens and proteins from native source.

Cardiac related services: Ravindranath GE Medical Associates Private Limited, Hyderabad, established the cardiac related services at the Global Hospital in January 2004.

Peptide based lotion: Issar Pharmaceuticals Private Limited, Hyderabad, launched its peptide-based lotion Melgain for the treatment of vitiligo in August 2004.

Upgrading corDECT WLL system: M/s n-Logue Communications Private Limited, Chennai, up-graded corDECT WLL system for rural application and set up 1440 kiosks till November 2004.

Effluent treatment: The Ugar Sugar Works Limited, Sangli, reported successful commissioning of the facility for post - biomethanated distillery effluent treatment.

Drinking water purifiers: Membrane Filters (India) Private Limited, Pune, manufactured drinking water purifiers based on membrane filtration technology in March 2005.

Value added banana based products: Dorven Agro-Eco-Bio Ventures Private Limited, Chennai, launched its processed value added banana based products, namely fig, jam and sauce, pickles and juice.

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कार प्रस्तुतिकरण

भारत के राष्ट्रपति डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम, 30 जून, 2004 को नई दिल्ली में आयोजित प्रौद्योगिक दिवस 2004 के राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि थे । भारत के राष्ट्रपति ने दस लाख रुपए और एक ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार इण्डियन आयल कोरपोरेशन लिमिटेड को, स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और उसे वाणिज्यिकृत करने के लिए दिया, नामतः एक फ्लुइडाइज्ड बेड रिएक्टर रीजेनेरेटिड पद्धति में 'इन्डमेक्स' उत्प्रेरक का प्रयोग करके अवशिष्ट व अन्य हैवी हाइड्रो कार्बनों को एल पी जी व हाई-ओकटेन गेसोलिन में बदलना । उन्होने दो लाख रुपए और एक ट्राफी भी एसएसआई इकाइयों, सह-जानाबाद लेजर टेक्नोलाजी, अहमदाबाद को, कच्चे हीरों की लेजर प्लानिंग और मैपिंग के सफल वाणिज्यिकरण के लिए तथा मेकप्रो हैवी इंजीनियरी लिमिटेड, नई दिल्ली को वेन्ट एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम तथा लो टेम्परेचर मिस्सेला सेपरेशन सिस्टम के सफल वाणिज्यिकरण के लिए प्रदान की ।

परस्पर - सक्रिय विधि

अन्य संगठनों के सहायोग से टीडीबी ने, अहमदाबाद, बंगलौर, गुडगांव, हैदराबाद, जयपुर, नई दिल्ली, पुणे, राजकोट, रूद्रपुर, तिरूवनन्तपुरम और विजयवाड़ा में प्रदर्शनियों में भाग लिया/परस्पर-सक्रिय बैठकें आयोजित की । टीडीबी का उद्देश्य इन मंचों के माध्यम से टीडीबी से वित्तीय सहायता की उपलब्धता के बारे में उद्योगों और आर एंड डी संगठनों के बीच जागरूकता पैदा करना है ।

बोर्ड ने, उद्योग मंत्रालय और अनुसंधान मंत्रालय, फ्रेंच गणराज्य की सरकार के प्राधिकार के तहत, एजेंसी नेशनल डी वेलोराइजेशन डी ला रीसर्चे (ए एन वी ए आर) के साथ एक

Technology Day and Presentation of National Awards

The President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, was the Chief Guest at the National Awards function of the Technology Day 2004 held in New Delhi on 30th June 2004. The President of India presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to Indian Oil Corporation Limited for the development and commercialisation of indigenous technology, namely, conversion of residue and other heavy hydrocarbons into LPG and high-octane gasoline using INDMAX catalyst in a fluidised bed reactor regenerated system. He also presented Rs. 2 lakhs and a trophy to the SSI units, Sahajanand Laser Technology, Ahmedabad for the successful commercialisation of Laser Planning and Mapping of rough diamonds and Mecpro Heavy Engineering Limited, New Delhi, for the successful commercialisation of Vent Air Purification System and Low Temperature Miscella Separation System.

Interactive Mode

In collaboration with other organizations, TDB organized interactive meetings/participated in exhibitions in Ahmedabad, Bangalore, Gurgaon, Hyderabad, Jaipur, New Delhi, Pune, Rajkot, Rudrapur, Thiruvananthapuram and Vijayawada. TDB aims at creating awareness amongst the industries and R&D organizations on the availability of financial assistance from TDB through these platforms.

The Board approved a proposal in January 2005, for TDB signing a MOU with the Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), Paris,

नौंवीं वार्षिक रिपोर्ट
2004-2005
NINETH ANNUAL REPORT
2004-2005

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
टेक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली–110016

Government of India
Department of Science and Technology
Technology Bhavan, New Delhi - 110016

वर्ष

The Year

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने वर्ष 2004-2005 के दौरान औद्योगिक इकाइयों व अन्यों के साथ 11 करार किए जिनकी परियोजनाओं की कुल लागत 435.43 करोड़ रुपए थी जिसमें टीडीबी द्वारा वचनबद्ध राशि 129.68 करोड़ रुपए शामिल है जो पिछले वर्ष की टीडीबी द्वारा वचनबद्ध राशि से दो गुणा है। टीडीबी द्वारा सहायता पाने वाले स्वास्थ्य और मेडिकल, इंजीनियरी, सूचना प्रौद्योगिकी, दूर-संचार, कृषि और ऊर्जा तथा अपशिष्ट उपयोग, सभी क्षेत्र शामिल हैं। ये परियोजनायें 16 से अधिक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में फैली हैं।

टीडीबी इस बात को स्वीकार करता है कि प्रौद्योगिकीय नूतनता और लाभप्रद वाणिज्यिकरण महत्वपूर्ण संघटक हैं, टीडीबी ने 'इनकूबेटरों' में 'स्टार्ट अप्स' के लिए 'सीड सपोर्ट सिस्टम्स' में भाग लेने का निर्णय लेकर एक विकासोन्मुखी पहल आरंभ की। वित्तीय सहायता से, जिसका उपयोग इनकूबेटीज द्वारा किया जाएगा, स्तरोन्नयन चाहने वाली प्रौद्योगिकीयों व सम्बद्ध कार्य के लिए प्रारम्भिक स्तर की सहायता प्राप्त होगी और अन्ततः 'इनकूबेशन निधि' कायम करने में सुविधा होगी। इससे वाणिज्यिक उद्यमों के लिए मार्ग प्रशस्त होने के अलावा टेक्नो-उद्यमियों के लिए एक मंच उपलब्ध होगा।

टीडीबी ने, ए पी आई डी सी उद्यम पूंजी के साथ एक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर करके नई पहलों के संबंध में प्रयास किया है जिससे टीडीबी को जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में इक्विटी में सह-निवेश करने के लिए और 'एक्सेन्ट इंडिया फंड' में भागीदारी के लिए यू टी आई वेन्चर निधियों के साथ एक और करार करने में मदद मिलेगी।

वर्ष के दौरान टीडीबी ने जिन महत्वपूर्ण उत्पादों और सेवाओं के लिए सहायता दी उनमें 'सारस' नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज, बंगलौर द्वारा डिजाइन व विकसित किया गया, प्रथम स्वदेशी नागरिक विमान, जिसने अपनी पहली औपचारिक उड़ान भरी है।

The Technology Development Board (TDB) concluded 11 agreements with industrial concerns and others, in the year 2004-05, which involved a total project outlay of Rs. 435.43 crore. This included a commitment of Rs. 129.68 crore by TDB, which is twice the amount of commitment by TDB in the previous year. TDB's support covers all sectors namely, Health and Medical, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilisation, Telecommunication and Information Technology. The projects are spread over 16 States/Union Territories.

TDB recognizes that technological innovation and profitable commercialization are critical components. TDB took a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support System for Start-ups in Incubators. The financial assistance, to be used by incubatees, would cater to early stage support for technologies requiring up-scaling and related work and eventually facilitate building up an Incubation Fund. This would provide a platform for technopreneurs apart from giving leads for commercial ventures.

TDB has attempted new initiatives by signing an agreement with APIDC Venture Capital that would enable TDB to co-invest in equity in biotechnology sector and signing another agreement with UTI Venture Funds for participation in the Ascent India Fund.

The significant products and services assisted by TDB during the year include "SARAS", first indigenous civilian aircraft, designed and developed by the National Aerospace Laboratories, Bangalore, making its formal inaugural flight.

जो था
That Was

मेक कन्ट्रोल्स एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बतूर द्वारा अभिकल्पित, विकसित और वाणिज्यिकृत विभिन्न किस्मों के वायुयानों के लिए ग्राउण्ड सपोर्ट पद्धतियों हेतु विशेष प्रयोजन विद्युतीय रोटेटिंग मशीनें और निम्न प्रेशर हाईवाल्यूम आयल फ्री स्क्रू कम्प्रेसर्स ।

राजरत्न ग्लोबल वायर लिमिटेड, इन्दौर द्वारा विकसित और विनिर्मित वाहन टायरों के लिए टायर बीड वायर्स ।

यशराज बायोटेक्नोलॉजी, लिमिटेड, मुम्बई द्वारा देशज स्रोत से एन्टीजन्स और प्रोटिनों का पृथक्करण और उत्पादन ।

रविन्द्रनाथ जी ई मेडिकल एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा स्थापित कार्डिअक सम्बद्ध सर्विसिज ।

एस्सार फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा फुलहारी के उपचार के लिए पैपटाइड आधारित लोशन बाजार में प्रस्तुत ।

मेसर्स एन-लोग कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा कोर-डेक्ट डब्ल्यु एल एल पद्धति को उन्नयन करके ग्राम अनुप्रयोग हेतु 1440 किओस्क की स्थापना ।

मेम्ब्रेन फिल्टर्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, द्वारा विनिर्मित पेय जल शोधित्र (प्यूरीफायर्स) ।

भारत के राष्ट्रपति डा0 ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता की जिसका आयोजन 30 जून, 2004 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया गया था । भारत के राष्ट्रपति ने दस लाख रुपए का राष्ट्रीय पुरस्कार इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड को प्रदान किया । उन्होंने, दोनों लघु उद्योग इकाइयों, सहजानन्द लेजर टेक्नोलॉजी, अहमदाबाद और मेकप्रो हैवी इंजीनियरी लिमिटेड, नई दिल्ली को भी दो लाख रुपए और एक ट्राफी प्रदान की ।

Special purpose electrical rotating machines and low pressure high volume oil free screw compressors for ground support systems for different types of aircraft, designed, developed and commercialized by Mak Controls & Systems Private Limited, Coimbatore.

Tyre bead wires for vehicle tyres developed and manufactured by Rajratan Global Wire Limited, Indore.

Separation and production of antigens and proteins from native source by Yashraj Biotechnology Limited, Mumbai.

Cardiac related services established by Ravindranath GE Medical Associates Private Limited, Hyderabad.

Peptide based lotion for treatment of vitiligo introduced in the market by Issar Pharmaceuticals Private Limited, Hyderabad.

Setting up 1440 kiosks for rural application by M/s n-Logue Communications Private Limited, Chennai, by up-gradation of corDECT WLL system.

Drinking water purifiers manufactured by Membrane Filters (India) Private Limited, Pune.

The President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, presided over as the Chief Guest at the National Awards function of the Technology Day held on 30th June 2004 at Pragati Maidan, New Delhi. The President of India presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to Indian Oil Corporation Limited. He also presented Rs. 2 lakhs and a trophy to the both SSI units, Sahajanand Laser Technology, Ahmedabad and Mecpro Heavy Engineering Limited, New Delhi.

डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, *भारत के राष्ट्रपति*, डॉ० एन.आर. राजे, निदेशक (*आर एंड डी*), इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam, *President of India*, presenting the National Award to **Dr. N.R. Raje**, *Director (R&D)* of *Indian Oil Corporation Limited*

पूर्वावलोकन

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास और वाणिज्यिक अनुप्रयोग अथवा आयातित प्रौद्योगिकी के व्यापक देशज अनुप्रयोग हेतु अनुकूलन का प्रयास करने वाली औद्योगिक इकाइयों व अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

टीडीबी की वित्तीय सहायता ऋण अथवा इक्विटी के रूप में होती है; विशिष्ट मामलों में यह अनुदान के रूप में हो सकती है। ऋण सहायता, अनुमोदित परियोजना लागत का 50 प्रतिशत तक होती है और इस पर 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज लगता है। विकल्प के तौर पर टीडीबी, कम्पनी में इक्विटी पूंजी के रूप में अंशदान कर सकता है जो अनुमोदित परियोजना लागत का 25 प्रतिशत तक हो सकता है। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई की शुरूआत, प्रारंभ करने अथवा विकास चरणों के दौरान उपलब्ध कराई जाती है।

An Overview

The Technology Development Board (TDB) provides financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology to wider domestic application.

TDB's financial assistance is in the form of loan or equity; in exceptional cases, it may be grants. The loan assistance is up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent rate of interest per annum. In the alternative, TDB may subscribe by way of equity capital in a company, up to 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of an industrial concern.

भारत के राष्ट्रपति, **डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम**, लघु इकाई के लिए **श्री अरविन्द पटेल**, *सहजानन्द लेजर टेक्नोलॉजी* को ट्रॉफी प्रदान करते हुए।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam, President of India, presenting the trophy for the SSI unit to **Shri Arvind Patel** of *Sahajanand Laser Technology*

टीडीबी, अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रकों में और पूरे वर्ष के दौरान परियोजना सहायतार्थ आवेदन-पत्र स्वीकार करता है। टीडीबी, कोई प्रशासनिक, प्रोसेसिंग अथवा प्रतिबद्धता प्रभार उदग्रहण नहीं करता है। टीडीबी से वित्तीय सहायता चाहने वाली औद्योगिक इकाईयों को निर्धारित फार्मेट में आवेदन करना होता है। परियोजना वित्तियन मार्गनिर्देशों की एक प्रतिलिपि, आवेदन-पत्र के फार्मेट सहित, टीडीबी से निःशुल्क प्राप्त की जा सकती है।

वर्ष 2004-05 के दौरान टीडीबी ने 9 औद्योगिक इकाइयों और दो उद्यम पूंजी कम्पनियों के साथ 11 अनुबन्धों पर हस्ताक्षर किए। 9 औद्योगिक इकाइयों के लिए टीडीबी, 75.43 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत के विरुद्ध 24.68 करोड़ रुपए का ऋण प्रदान करने के लिए सहमत हुआ। इसके अलावा, टीडीबी ने 360 करोड़ रुपए की सहायता हेतु दो उद्यम निधियों के लिए 105 करोड़ रुपए की राशि की वचनबद्धता की। टीडीबी ने एपीआईडीसी वेन्चर केपिटल लिमिटेड, हैदराबाद के साथ एक सह-निवेश अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए, जिससे टीडीबी, कम्पनियों द्वारा विनिर्धारित

TDB accepts applications for financial assistance from all sectors of the economy and throughout the year. TDB does not levy administrative, processing or commitment charges. The industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB has to apply in the prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB.

During the year 2004-05, TDB signed 11 agreements with 9 industrial concerns and 2 venture capital companies. For the 9 industrial concerns, TDB agreed to provide loan of Rs. 24.68 crore as against the total project cost of Rs. 75.43 crore. Further, TDB committed Rs. 105 crore for the two venture funds for leveraging Rs. 360 crore. TDB signed a co-investment agreement with APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad, that would enable TDB to co-invest in equity along with them in the companies identified by them in biotechnology sector. The size of the fund

भारत के राष्ट्रपति **डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम**, लघु इकाई के लिए **श्री राजन सखार्य**, *मेकप्रो हैवी इंजीनियरी लिमिटेड*, नई दिल्ली को ट्रॉफी प्रदान करते हुए।

Dr. A.P.J. Abdul Kalam, *President of India*, presenting the trophy for the SSI unit to **Shri Rajan Skharya** of *Mecpro Heavy Engineering Limited*, New Delhi

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रक में उनके साथ इक्विटी में सह-निवेश करने में, समर्थ होगा। निधि का आकार 60 करोड़ रुपए का होगा। टीडीबी ने, पांच वर्ष के दौरान बोर्ड की 75 करोड़ रुपए की भागीदारी के लिए यूटीआई वेन्चर फन्डस मैनेजमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (यू वी एफ) के साथ मार्च, 2005 में एक और करार पर हस्ताक्षर किए। बोर्ड ने महसूस किया कि यूवीएफ के एक्सेन्ट इण्डिया फण्ड को लाभ प्रदान करने के लिए टीडीबी की भागीदारी के जरिए लाभ होगा। प्रस्तावित एक्सेन्ट इण्डिया फण्ड का आकार 300 करोड़ रुपए होगा।

बोर्ड ने जनवरी, 2005 में यह निर्णय लिया कि बोर्ड विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के एनईबी द्वारा प्रशासित इनक्यूबेटर्स/साइंस एंड टेक्नोलॉजी एन्ट्रीप्रीन्यूर्स पार्क्स (स्टेप) में स्टार्ट-अप के लिए एक प्रायोगिक उपाय के रूप में 'सीड सपोर्ट सिस्टम' में भाग लेगा। बोर्ड में इस प्रयोजनार्थ, अनुदान के रूप में तीन वर्ष की अवधि के दौरान 5 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता मंजूर की। वित्तीय सहायता, स्तरोन्नयन व सम्बद्ध कार्य चाहने वाली प्रौद्योगिकियों हेतु प्रारम्भिक स्तर सहायता प्रदान करने के लिए की जाएगी। वित्तीय सहायता

would be of Rs. 60 crore. TDB signed another agreement in March 2005 with UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UVF) for TDB's participation of Rs. 75 crore over 5 years. The Board felt that it would be advantageous through TDB's participation to leverage the Ascent India Fund of UVF. The size of the proposed Ascent India Fund would be Rs. 300 crore

The Board decided in January 2005 that TDB would participate in the Seed Support System for Start-ups in Incubators / Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) administered by NEB of the Department of Science and Technology on an experimental measure. The Board sanctioned financial assistance of Rs. 5 crore over a period of three years as grant for this purpose. The financial assistance would cater to early stage support for technologies requiring up-scaling and related work. The financial assistance would be used by the

का उपयोग केवल इनकूबेटिड उद्यमी द्वारा किया जाएगा और उसका उपयोग सुविधा निर्माण हेतु स्टेप/टीबीआई द्वारा नहीं किया जाएगा । सीड सहायता से स्टेप/टीबीआई को लगभग पांच वर्ष की अवधि के दौरान एक इनकूबेशन निधि कायम करने में मदद मिलेगी । सीड सहायता को टीडीबी और स्टेप/टीबीआई के बीच विकासोन्मुखी पहल के रूप में समझा जाएगा ।

वर्ष 2004-05 के दौरान टीडीबी ने चल रहीं तथा नई परियोजनाओं के लिए 57.91 करोड़ रुपए की राशि संवितरित की । इसमें 42.81 करोड़ रुपए ऋण के रूप में, 0.10 करोड़ रुपए अनुदान के रूप में और 15 करोड़ रुपए उद्यम पूंजी के रूप मे सम्मिलित हैं ।

भारत सरकार ने, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत, सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की स्थापना की । टीडीबी ने, 31 मार्च, 2005 तक 2298.89 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत के 141 अनुबन्धों पर हस्ताक्षर किए । इसमें, 661.44 करोड़ रुपए की वचनबद्धता शामिल है जिसके लिये टीडीबी ने 526.41 करोड़ रुपए की राशि संवितरित की । एक रुचिकर बात यह है कि टीडीबी के प्रत्येक एक रुपए के मुकाबले अन्यों से दो रुपए से अधिक की प्राप्ति हुई ।

इस अधिनियम से प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए एक निधि कायम करने में मदद मिलती है जिसे टीडीबी द्वारा प्रशासित किया जाता है । निधि में, अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम 1986 के प्रावधानों, 1995 में यथा संशोधित, के अंतर्गत औद्योगिक इकाइयों से सरकार द्वारा एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त होता है । निधि की राशि के निवेश से प्राप्त आय और निधि में से मंजूर राशि में से की गई वसूलियां निधि में जमा कर दी जाती है । वित्त अधिनियम, 1999 से आय कर प्रयोजनार्थ निधि में किए गए दान में से पूर्ण कटौतियां करने में मदद मिली है ।

आर एंड डी उप कर संग्रह में से कुल 915.99 करोड़ रुपए में से सरकार ने टीडीबी को 9 वर्ष की अवधि (1996-2005) के दौरान 435.44 करोड़ रुपए की संचयी राशि उपलब्ध कराई । यह एक वर्ष में औसतन 48.38 करोड़ रुपए बैठती है ।

incubated entrepreneur only and would not be used by the STEP/TBI for facility creation. The seed support would also facilitate the STEPs / TBIs to build up an Incubation Fund over a period of say 5 years. The seed support would be treated as a growth oriented initiative between TDB and STEP/TBI.

During the year 2004-05, TDB disbursed a sum of Rs. 57.91 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 42.81 crore as loan, Rs. 0.10 crore as grant and Rs. 15 crore to the venture fund.

The Government of India constituted the Technology Development Board in September 1996, under the provisions of the Technology Development Board Act, 1995. TDB has signed 141 agreements with the total project cost of Rs. 2298.89 crore till 31st March 2005. This includes TDB's commitment of Rs. 661.44 crore against which TDB had disbursed Rs. 526.41 crore. An interesting feature is that every rupee from TDB has leveraged more than two rupees from others.

The Act enables creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

Of the total of Rs. 915.99 crore from R&D cess collection, the Government has made available to TDB a cumulative sum of Rs.435.44 crore over the period of 9 years (1996-2005). This works out to an average of Rs. 48.38 crore a year.

वित्तिय सहायता की विधियाँ

निम्नलिखित तालिका में, 31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार टीडीबी द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता की विधियां दर्शाई गई हैं :

Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB as on 31st March 2005.

वित्तीय सहायता की विधियाँ
Modes of Financial Assistance

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

साधन	Instruments	टीडीबी द्वारा मंजूर Sanctioned by TDB	टीडीबी द्वारा संवितरित Disbursement by TDB
ऋण	Loans	450.78	409.50
इक्विटी	Equity	24.36 *	24.36 *
अनुदान	Grant	56.30	56.30
उद्यम निधि में भागीदारी	Participation in Venture funds	130.00	36.25
जोड़	**Total**	**661.44**	**526.41**

* मार्च 2004 में संचयी परिवर्तनशील अधिमान शेयरों में बदला गया निक्को निगम को 18.46 करोड़ रुपए का ऋण शामिल है (इस प्रकार ऋण कम हो गया)।

वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन, पूर्वबन्दी और रद्दकरण की वजह से, 31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार, टीडीबी द्वारा मंजूर राशि संशोधित कर दी गई है।

* Includes conversion of loan of Rs. 18.46 crore to Nicco Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan).

The sanctioned amount by TDB has been revised as on 31st March 2005 due to revision in the quantum of financial assistance , foreclosure and cancellations.

क्षेत्रक-वार विवरण - 1997-2005

Sector-wise Coverage 1997-2005

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

	क्षेत्रक Sector	करारों की संख्या No. of agreements	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर Sanctioned by TDB
1	स्वास्थ्य और मेडिकल Health & Medical	37	497.18	151.29
2	इंजीनियरी Engineering	32	283.55	90.14
3	रसायन Chemicals	16	112.89	36.18
4	कृषि Agriculture	15	77.98	24.52
5	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोग Energy & Waste utilization	6	98.34	43.98
6	दूर–संचार Tele-communication	5	35.98	11.86
7	सड़क परिवहन Road Transport	10	527.04	81.20
8	वायु परिवहन Air Transport	2	142.10	67.80
9	सूचना प्रौद्योगिकी Information Technology	14	60.00	23.97
10	अन्य वन्चर (उद्यम) निधियों सहित Others Including Venture funds	4	463.83	130.50
	जोड़ Total	**141**	**2298.89**	**661.44**

(बिना कोई राशि जारी किए गए टीडीबी द्वारा रद्द किए गए 7 करार शामिल नहीं हैं)
(Excludes 7 agreements cancelled by TDB without any release.)

क्षेत्रक-वार कवरेज

टीडीबी की वित्तीय सहायता के अंतर्गत अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रक सम्मिलित हैं। पृष्ठ 9 पर दी गई तालिका में टीडीबी द्वारा वर्ष 1997-2005 के दौरान वित्तीय रूप से सहायित क्षेत्रक-वार परियोजनाएं दर्शाई गई हैं (टीडीबी का गठन सितम्बर, 1996 में किया गया था और 1996-97 में किसी परियोजना का वित्तपोषण नहीं किया गया)।

टीडीबी द्वारा वित्तीय भागीदारी में एक क्षेत्रक से दूसरे क्षेत्रक में काफी विविधता रही है। स्वास्थ्य और मेडिकल क्षेत्रक का हिस्सा महत्वपूर्ण बना रहा।

उद्यम निधियों में भागीदारी से टीडीबी को बड़े पैमाने पर संभाव्य क्षेत्रों में अपने कार्यकलापों का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

रोजगार अवसर

टीडीबी ने नए उद्यमों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से और साथ ही विद्यमान उद्यमों द्वारा कार्यान्वित नई परियोजनाओं के माध्यम से भी नए रोजगार अवसर पैदा करने में मदद प्रदान की है।

अनुबन्धों का राज्य-वार विभाजन

वर्ष 1997-2005 के बीच हस्ताक्षरित अनुबन्धों का राज्य-वार विभाजन (कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय पर आधारित) नीचे दर्शाया गया है:

Sector-wise Coverage

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The table given on page 9 shows sector-wise projects financially assisted by TDB during the years 1997-2005 (TDB was constituted in September 1996 and there was no project financing in 1996-97).

Financial participation by TDB varied considerably from one sector to another. Health and Medical sector continued to have a significant share.

The participation in venture funds would enable TDB to enlarge its activities in potential areas with good scalability.

Job Opportunities

TDB has helped in creating new job opportunities through the implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by existing enterprises.

State-wise Distribution of Agreements

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1997-2005 is given below.

अनुबन्धों का राज्य-वार विभाजन
State-wise Distribution of Agreements

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

क्र.सं. No	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र State, Union Territory		अनुबन्धों की संख्या Number of agreements	उद्यमों/एजेंसियों की संख्या Number of enterprises/ agency	कुल लागत Total cost	टीडीवी द्वारा मंजूर Loan/Grant /Equity sanctioned by TDB
1	आंध्र प्रदेश	Andhra Pradesh	40	27	539.99	177.14
2	चंडीगढ़	Chandigarh	1	1	2.40	1.20
3	दिल्ली	Delhi	9	8	85.12	32.80
4	गुजरात	Gujarat	8	5	65.84	15.89
5	हरियाणा	Haryana	2	2	7.40	2.10
6	हिमाचल प्रदेश	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.90
7	कर्नाटक	Karnataka	12	12	230.99	45.84
					अनुदान +Gr	55.80
8	केरल	Kerala	1	1	2.50	1.15
9	मध्य प्रदेश	Madhya Pradesh	4	2	133.24	34.95
10	महाराष्ट्र	Maharashtra	23	22	450.96	69.60
11	पांडिचेरी	Pondicherry	1	1	5.83	1.90
12	पंजाब	Punjab		5	4	52.208.56
					ईक्यू +Eq	5.90
13	राजस्थान	Rajasthan	1	1	35.77	3.00
14	तमिलनाडु	Tamil Nadu	21	20	138.40	39.04
15	उत्तर प्रदेश	Uttar Pradesh	3	2	13.04	3.92
16	पश्चिम बंगाल	West Bengal	5	3	65.14	11.79
					ईक्यू* +Eq*	18.46
	अन्य	Others				
	- उद्यम निधियों सहित	- Including Venture funds	4	4	463.83	130.50
	कुल जोड़	**Grand Total**	**141**	**116**	**2298.89**	**661.44**

टिप्पणी: बिना कोई राशि जारी किए टीडीवी द्वारा रद्द किए गए 7 अनुबन्ध शामिल नहीं हैं।

Note: Excludes 7 agreements cancelled by TDB without any release

* निक्को को संवितरित 18.46 करोड़ रुपए का ऋण (1999-2000 में 12.46 करोड़ रुपए और 2001-02 में 6 करोड़ रुपए) मार्च, 2004 में संचयी परिवर्तनशील अधिमान शेयरों में बदल दिया गया।

* Loan of Rs.18.46 crore (Rs. 12.46 crore in 1999-2000 and Rs. 6 crore in 2001-2002) disbursed to Nicco has been converted into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004.

प्रौद्योगिकी प्रदाता

उद्योग में इन-हाउस आर एण्ड डी इकाइयों ने प्रौद्योगिकों को वाणिज्यिकृत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। टीडीबी द्वारा वचनबद्ध कुल राशि का लगभग 47 प्रतिशत भाग परियोजनाओं के लिए है जबकि इन-हाउस आर एण्ड डी इकाइयों ने वाणिज्यिकरण के लिए प्रौद्योगिकियां उपलब्ध कराई।

वर्ष 2004-05 में उत्पाद तथा सेवाएं

टीडीबी की वित्तीय सहायता से वर्ष 2004-05 के दौरान जारी उत्पाद/ सम्पूर्ण परियोजनाएं नीचे दर्शाई गई हैं :

सारस - देश का प्रथम स्वदेशी नागरिक विमान 'सारस', ने, जिसे नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया था, जो वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी एस आई आर) की एक संघटक इकाई है, अपनी पहली परीक्षण उड़ान 29 मई 2004 को बंगलौर में भरी। वायुयान ने अपनी औपचारिक पहली उड़ान 22 अगस्त, 2004 को भरी।

विभिन्न प्रकार के वायुयानों के लिए ग्राउण्ड सपोर्ट सिस्टम्स हेतु निम्न दबाव हाई वाल्यूम आयल फ्री स्क्रू कम्प्रेशर्स और 100 से 900 एच जेड 6 से 180 केवीए जेनेरेटर्स की विशेष प्रयोजन इलेक्ट्रीकल रोटेटिंग मशीनें, मेक कन्ट्रोल्स एण्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बतूर द्वारा फरवरी, 2005 में डिजाइन, विकसित और वाणिज्यिकृत की गई।

Technology Providers

The in-house R&D units in the industry have made a significant contribution in commercialising technologies. About forty seven per cent of the total amount committed by TDB is for projects where in-house R&D units provided technologies for commercialisation.

Products and services in 2004-05

The products released / projects completed during the year 2004-05 with the financial assistance from TDB are indicated below.

SARAS – The country's first indigenous civilian aircraft, 'SARAS', designed and developed by the National Aerospace Laboratories, a constituent unit of the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), recorded its maiden test flight in Bangalore on 29th May 2004. The aircraft made its formal inaugural flight on 22nd August 2004.

Special purpose electrical rotating machines of 100 to 900 Hz 6 to 180 KVA generators and low pressure high volume oil free screw compressors for ground support systems for different types of aircraft, designed, developed and commercialized by Mak Controls & Systems Private Limited, Coimbatore, in February 2005.

टायर बीड वायर्स: राजरत्न ग्लोबल वायर लिमिटेड, इन्दौर ने, वाहन टायरों के लिए टायर बीड वायरों के विनिर्माण के लिए पीथमपुर में सुविधाएं कायम की और अगस्त, 2004 में वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ किया ।

देशज स्रोत से एन्टीजन्स और प्रोटीनों का उत्पादन: यशराज बायोटेक्नोलाजी लिमिटेड, मुम्बई में देशज स्रोतों से एन्टीजन्स और प्रोटिनों को अलग करने के लिए मार्च, 2005 में परियोजना को पूरा किया ।

कार्डिअक सम्बद्ध सेवाएं: रविन्द्रनाथ जी ई मेडिकल एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, ने ग्लोबल हास्पीटल में जनवरी, 2004 में कार्डिअक सम्बद्ध सेवाएं कायम की ।

पेपटाइड बेस्ड लोशन: एस्सार फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, ने फुलहारी के उपचार के लिए अपना 'मेलगिन' नामक पेपटाइड-बेस्ड लोशन अगस्त, 2004 में आरंभ किया ।

कोरडेक्ट डब्लयू एल एल पद्धति का उन्नयन: मेसर्स एन-लोग कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई ने ग्राम अनुप्रयोग हेतु कोरडेक्ट डब्ल्यू एल एल पद्धति का उन्नयन किया और नवम्बर, 2004 तक 1440 किओस्कों की स्थापना की ।

निस्सारी उपचार: दि उगार सुगर वर्क्स लिमिटेड, सांगली, ने बायोमिथानेटेड-पश्चात डिस्टीलियरी निस्सारी उपचार के संबंध में सुविधा को सफलतापूर्वक चलाने की रिपोर्ट की ।

पेय जल शोधक: मेम्ब्रेन फिल्टर्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, पुणे ने मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन टेक्नोलाजी पर आधारित पेय जल शोधकों का मार्च, 2005 में विनिर्माण किया ।

मुल्य-वर्धित केला आधारित उत्पाद: ड्रोवन एग्रो -इको-बायो वेन्चर्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई ने अपना प्रसंस्करित मूल्य वर्धित केला आधारित उत्पाद, नामतः फिग, जाम और सोस, अचार व जूस प्रारम्भ किया ।

Tyre bead wires: Rajratan Global Wire Limited, Indore, established the facilities at Pithampur for the manufacture of tyre bead wires for vehicle tyres and commenced commercial production in August 2004.

Production of antigens and proteins from native source: Yashraj Biotechnology Limited, Mumbai, completed the project in March 2005 for separation of antigens and proteins from native source.

Cardiac related services: Ravindranath GE Medical Associates Private Limited, Hyderabad, established the cardiac related services at the Global Hospital in January 2004.

Peptide based lotion: Issar Pharmaceuticals Private Limited, Hyderabad, launched its peptide-based lotion Melgain for the treatment of vitiligo in August 2004.

Upgrading corDECT WLL system: M/s n-Logue Communications Private Limited, Chennai, up-graded corDECT WLL system for rural application and set up 1440 kiosks till November 2004.

Effluent treatment: The Ugar Sugar Works Limited, Sangli, reported successful commissioning of the facility for post - biomethanated distillery effluent treatment.

Drinking water purifiers: Membrane Filters (India) Private Limited, Pune, manufactured drinking water purifiers based on membrane filtration technology in March 2005.

Value added banana based products: Dorven Agro-Eco-Bio Ventures Private Limited, Chennai, launched its processed value added banana based products, namely fig, jam and sauce, pickles and juice.

प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कार प्रस्तुतिकरण

भारत के राष्ट्रपति डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम, 30 जून, 2004 को नई दिल्ली में आयोजित प्रौद्योगिक दिवस 2004 के राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि थे । भारत के राष्ट्रपति ने दस लाख रुपए और एक ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार इण्डियन आयल कोरपोरेशन लिमिटेड को, स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और उसे वाणिज्यिकृत करने के लिए दिया, नामतः एक फ्लुइडाइज्ड बेड रिएक्टर रीजेनेरेटिड पद्धति में 'इन्डमेक्स' उत्प्रेरक का प्रयोग करके अवशिष्ट व अन्य हैवी हाइड्रो कार्बनों को एल पी जी व हाई-ओकटेन गेसोलिन में बदलना । उन्होने दो लाख रुपए और एक ट्राफी भी एसएसआई इकाइयों, सह-जानाबाद लेजर टेक्नोलाजी, अहमदाबाद को, कच्चे हीरों की लेजर प्लानिंग और मैपिंग के सफल वाणिज्यिकरण के लिए तथा मेकप्रो हैवी इंजीनियरी लिमिटेड, नई दिल्ली को वेन्ट एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम तथा लो टेम्परेचर मिस्सेला सेपरेशन सिस्टम के सफल वाणिज्यिकरण के लिए प्रदान की ।

परस्पर - सक्रिय विधि

अन्य संगठनों के सहायोग से टीडीबी ने, अहमदाबाद, बंगलौर, गुडगांव, हैदराबाद, जयपुर, नई दिल्ली, पुणे, राजकोट, रूद्रपुर, तिरूवनन्तपुरम और विजयवाड़ा में प्रदर्शनियों में भाग लिया/परस्पर-सक्रिय बैठकें आयोजित की । टीडीबी का उद्देश्य इन मंचों के माध्यम से टीडीबी से वित्तीय सहायता की उपलब्धता के बारे में उद्योगों और आर एंड डी संगठनों के बीच जागरूकता पैदा करना है ।

बोर्ड ने, उद्योग मंत्रालय और अनुसंधान मंत्रालय, फ्रेंच गणराज्य की सरकार के प्राधिकार के तहत, एजेंसी नेशनल डी वेलोराइजेशन डी ला रीसर्चे (ए एन वी ए आर) के साथ एक

Technology Day and Presentation of National Awards

The President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, was the Chief Guest at the National Awards function of the Technology Day 2004 held in New Delhi on 30th June 2004. The President of India presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to Indian Oil Corporation Limited for the development and commercialisation of indigenous technology, namely, conversion of residue and other heavy hydrocarbons into LPG and high-octane gasoline using INDMAX catalyst in a fluidised bed reactor regenerated system. He also presented Rs. 2 lakhs and a trophy to the SSI units, Sahajanand Laser Technology, Ahmedabad for the successful commercialisation of Laser Planning and Mapping of rough diamonds and Mecpro Heavy Engineering Limited, New Delhi, for the successful commercialisation of Vent Air Purification System and Low Temperature Miscella Separation System.

Interactive Mode

In collaboration with other organizations, TDB organized interactive meetings/participated in exhibitions in Ahmedabad, Bangalore, Gurgaon, Hyderabad, Jaipur, New Delhi, Pune, Rajkot, Rudrapur, Thiruvananthapuram and Vijayawada. TDB aims at creating awareness amongst the industries and R&D organizations on the availability of financial assistance from TDB through these platforms.

The Board approved a proposal in January 2005, for TDB signing a MOU with the Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), Paris,

सहमति ज्ञापन पर टीडीबी द्वारा हस्ताक्षर करने के लिए एक प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया । दोनों संगठन कम्पनियों के बीच संघ अनुबन्ध के तहत द्वि-राष्ट्रीय परियोजनाओं के समर्थन के लिए अपने आपको वचनबद्ध करेगें, जिसमें अपने-अपने नियमों, विनियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार वित्तीय सहायता शामिल है । वे, भागीदार खोज के साथ कम्पनियों की मदद करने में मिलकर काम करेंगे । इसके अलावा, दोनों ही प्रोन्नयन और भागीदारीपूर्ण प्रौद्योगिकी समारोहों का आयोजन करेंगे और भाग लेंगे जिसमें संस्थानों और उद्योग संघों के साथ सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन शामिल है ।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस का अहमदाबाद में 92वाँ अधिवेशन

अहमदाबाद में 3 से 7 जनवरी, 2005 तक आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 92वें अधिवेशन में प्रधानमंत्री डा0 मनमोहन सिंह ने 3 जनवरी, 2005 को अपने उदघाटन भाषण में, अन्य बातों के साथ-साथ कहा:

'भारत के शान्था बायोटेक ने हेपाटाइसटिस-बी के संबंध में एक रीकोम्बीनेन्ट डी एन ए वैक्सीन (शानवक) का आविष्कार किया । यह वेक्सीन 15 अमरीकी डालर प्रति खुराक के हिसाब से बेचा जा रहा था । शानवक के प्रवेश का धन्यवाद है कि टीके की कीमतें गिरती रहीं जब तक कि वे प्रति खुराक एक डालर से कम तक न आ गई । शानवक, आजकल यह टीका यूनिसेफ को 50 सेन्ट के हिसाब से सप्लाई करता है। यह, तीस के कारक द्वारा कीमत में एक अद्भुत कटौती है । भारत की अनूठी एस एण्ड टी क्षमता और साथ ही कम लागत विनिर्माण क्षमता से भारत व पूरे विश्व को लाभ हो सकता है'।

under the authority of the Ministry of Industry and Ministry of Research, Government of the French Republic. Both the organizations would commit themselves to support bi-national projects under consortium agreement between companies including financial assistance according to their respective rules, regulations and procedures. They shall work together in assisting companies with partner search. Further, both would organise and participate in promotional and partnership technology events including seminars and workshops along with institutions and industry associations.

92nd session of the Indian Science Congress at Ahmedabad

At the 92nd session of the Indian Science Congress held at Ahmedabad from 3rd to 7th January 2005, the Prime Minister, Dr. Man Mohan Singh, in his inaugural address on 3rd January 2005 stated, interalia,

"India's Shantha Biotech came out with a recombinant DNA vaccine (Shanvac) on Hepatitis-B. This vaccine was being sold for US $ 15 per dose. Thanks to the entry of Shanvac, the prices of the vaccine kept on tumbling till they came to less than a dollar per dose. Shanvac today supplies this vaccine to UNICEF for 50 cents! This is a spectacular reduction in price by a factor of thirty. India's unique S&T capacity as well as low-cost manufacturing capacity can benefit India and the whole world."

बोर्ड के सदस्य

बोर्ड, डा0 वी0के0 आत्रे, श्री लक्ष्मी चन्द और श्री अमिताभ पाण्डे द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सदस्यों के रूप में प्रदान की गई बहुमूल्य सेवाओं का उल्लेख करना चाहेगा ।

डा0 एम0 नटराजन, सचिव, रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग और श्री ए0के0 झा, सचिव, औद्योगिक नीति और प्रोन्नयन विभाग, वर्ष के दौरान बोर्ड के सदस्य बन गए।

आभार

बोर्ड, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग का आभारी है जिसने टीडीबी के दिन-प्रति-दिन कामकाज के लिए अपने अधिकारियों की सेवाएं सुलभ कराईं ।

(प्रोफेसर वी०एस० राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Board Members

The Board places on record the valuable services rendered by Dr. V.K. Aatre, Shri Lakshmi Chand and Shri Amitabha Pande as Members of the Technology Development Board.

Dr. M. Natarajan, Secretary, Department. of Defence Research & Development and Shri A.K. Jha, Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion, became Board members during the year.

Acknowledgement

The Board is grateful to the Department of Science and Technology for sparing the services of their officers in the day to day operations of TDB.

(Professor V.S. Ramamurthy)
Chairperson
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का संयोजन

Composition of the Technology Development Board

(मार्च 2005)

1.	**प्रो० वी.एस. राममूर्ति** सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	पदेन अध्यक्ष
2.	**डा० आर.ए. मशेलकर** सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग	पदेन सदस्य
3	**डा० एम. नटराजन** सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग	पदेन सदस्य
4	**श्री धीरेन्द्र स्वरूप** सचिव, व्यय विभाग	पदेन सदस्य
5	**श्री ए.के. झा** सचिव, औद्योगिक नीति और प्रोन्नयन विभाग (31.5.2004 तक श्री लक्ष्मी चन्द)	पदेन सदस्य
6.	**श्री एम. शंकर** सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय	पदेन सदस्य
7.	**प्रो० एम.एम. शर्मा** 3 जसवन्त बाग, चैम्बुर नाका, मुम्बई	सदस्य
8	**प्रो० डा० के.आई. वासु** विनायक नगर, बंगलौर	सदस्य
9	**श्री आर. श्रोफ** अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक यूनाइटेड फॉस्फोरस लि० मुम्बई	सदस्य
10.	**श्री अजय खन्ना** प्रबंध निदेशक श्याम टैलीकॉम लि० नई दिल्ली	सदस्य
11.	(श्री अमिताभ पाण्डे 17.8.2004 तक)	सदस्य-सचिव

(March 2005)

1.	**Professor V.S. Ramamurthy** Secretary, Department of Science & Technology	ex-officio Chairperson
2.	**Dr. R.A. Mashelkar** Secretary, Dept. of Scientific & Industrial Research	ex-officio Member
3.	**Dr. M. Natarajan** Secretary, Dept. of Defence Research & Development (Dr. V.K. Aatre till 31-8-2004)	ex-officio Member
4.	**Shri Dhirendra Swarup** Secretary, Dept. of Expenditure	ex-officio Member
5.	**Shri A.K. Jha** Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion (Shri Lakshmi Chand till 31-5-2004)	ex-officio Member
6.	**Shri M. Shankar** Secretary, Ministry of Rural Development	ex-officio Member
7.	**Professor M. M. Sharma** 3, Jaswant Baug, Chembur Naka, Mumbai 400 071	Member
8.	**Professor Dr. K.I. Vasu** Vinayaka Nagar, Bangalore	Member
9.	**Shri R. Shroff** Chairman & Managing Director, United Phosphorus Ltd., Mumbai	Member
10.	**Shri Ajay Khanna** Managing Director, Shyam Telecom Ltd., New Delhi	Member
11.	(Shri Amitabha Pande till 17-8-2004)	Member-Secretary

बोर्ड के सदस्य

प्रो० वी.एस. राममूर्ति
Professor V.S. Ramamurthy
Chairperson

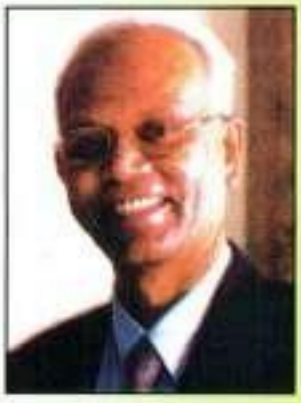

डा० आर.ए. मशेलकर
Dr. R.A. Mashelkar

डा० एम. नटराजन
Dr. M. Natarajan

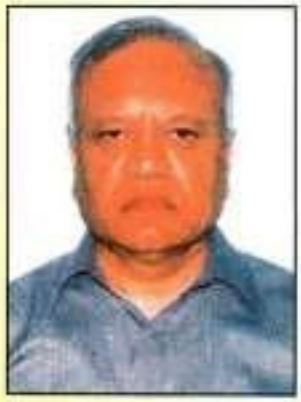

श्री धीरेन्द्र स्वरूप
Shri Dhirendra Swarup

Photographs of the Board Members

श्री ए.के. झा
Shri A.K. Jha

श्री एम. शंकर
Shri M. Shankar

प्रो० एम.एम. शर्मा
Professor M.M. Sharma

प्रो० डा० के.आई. वासु
Prof. Dr. K.I. Vasu

श्री आर. श्रोफ
Shri R. Shroff

श्री अजय खन्ना
Shri Ajay Khanna

प्रस्तावना

देशज प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यिकरण को प्रोत्साहित करने तथा व्यापक घरेलू उपयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) का गठन किया ।

टीडीबी, प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुप्रयोग हेतु निधि का प्रशासन करता है जिसका सृजन प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के तहत किया गया है। निधि के लिए भारत सरकार से अनुदान प्राप्त होते हैं। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, बोर्ड को उसे किसी अन्य स्रोत से प्राप्त सभी धन; निधि से मंजूर राशि की की गई वसूलियों और निधि की राशि के निवेश से प्राप्त किसी आय को क्रेडिट करके निधि को बनाए रखने में सहायक है । वित्त अधिनियम, 1999 के फलस्वरूप, आयकर प्रयोजनार्थ निधि के लिए दिए गए दान पूर्ण रूप से छूट प्राप्त हैं ।

भारत सरकार, टीडीबी को अदायगियां, अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत औद्योगिक इकाइयों से एकत्र किए गए उपकर में से करती है। 1996-2005 तक के वर्षों के दौरान 915.99 करोड़ रुपए का उपकर एकत्रित हुआ । इसी अवधि के दौरान टीडीबी को उपकर संग्रहों में से 435.44 करोड़ रुपए अनुदान के रूप में प्राप्त हुए।

टीडीबी औद्योगिक इकाइयों को ऋण सहायता प्रदान करता है । ऋण पर 13 मई, 2002 से पांच प्रतिशत प्रतिवर्ष का साधारण ब्याज लगता है । टीडीबी 13 मई, 2002 के बाद हस्ताक्षरित करारों के संबंध में कोई रायल्टी आरोपित नहीं

Introduction

To promote development and commercialisation of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications, the Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India. The Technology Development Board Act also enables TDB to maintain the Fund by crediting all sums received by TDB from any other source; recoveries made of the amounts granted from the Fund; and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

The Government of India makes payments to TDB out of the Cess collections made from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986. During the years 1996-2005, the Cess collection was Rs. 915.99 crore. During the same period, TDB had received Rs. 435.44 crore as grants out of the Cess collections.

TDB provides loan assistance to industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum with effect from 13th May 2002. TDB does not levy any royalty for the agreements signed after 13th May 2002. TDB does not collect

करता है । टीडीबी कोई प्रशासनिक, प्रसंस्करण अथवा वचनबद्धता प्रभार नहीं वसूलता है ।

ऋण की मात्रा सामान्यतः अनुमोदित परियोजना लागत की 50% तक सीमित होती है । ऋण और ब्याज के लिए समर्थन और गारंटी की जरूरत होती है। परियोजना की कार्यान्वयन अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से आगे नहीं बढ़नी चाहिए ।

टीडीबी ऋण की राशि किस्तों में प्रदान करता है जो ऋण करार की शर्तों के अनुसार जोखिम सम्बद्ध मील पत्थर से जुड़ी है। ऋण की वापसी तथा ब्याज की अदायगी परियोजना पूरी हो जाने के एक वर्ष बाद शुरू होती है और ऋण की पूरी राशि उसके बाद पाँच वर्ष में वसूल की जाती है । पहली किस्त की वापसी अदायगी तक संचयित ब्याज की राशि तीन वर्ष की अवधि में फैलाई जा सकती है जो वापसी अदायगी के दूसरे वर्ष से शुरू होकर वापसी अदायगी के चौथे वर्ष तक हो सकती है । कुछ मामलों में, टीडीबी के नामजद निदेशक, सहायित औद्योगिक इकाई के निदेशक बोर्ड में नामजद निदेशक हो सकते हैं ।

टीडीबी, औद्योगिक इकाइयों को और देशज प्रौद्योगिकी के विकास कार्य में लगे आर. एंड डी संस्थानों को अनुदानों और/अथवा ऋणों के जरिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है । अनुदानों की मंजूरी के बारे में टीडीबी के बोर्ड द्वारा निर्णय लिया जाता है तथा असाधारण मामलों में मंजूरी दी जाती है । प्राप्तकर्ता को टीडीबी को (अनुदान के बराबर) उसे प्राप्त रायल्टी में से अदायगी करनी होगी अथवा भागीदार एजेंसियों द्वारा किए गए निवेशों के अनुपात में टीडीबी के साथ लाभ में भागीदारी करनी होगी ।

टीडीबी किसी औद्योगिक इकाई में (कम्पनी अधिनियम, 1956 के तहत स्थापित) उसकी शुरूआत में प्रारंभ में

administrative, processing or commitment charges from the applicants.

The quantum of loan will be, normally, limited up to 50 per cent of the approved project cost. The loan and interest require collaterals and guarantees. The implementation period of the project should not generally exceed three years.

TDB provides the loan amount in instalments that are linked to risk-associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. The refund of the loan and payment of interest commence one year after the project is completed and the full loan amount is recoverable in five years thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment may be distributed over a period of three years commencing from the second year of repayment and terminating in the fourth year of repayment. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern.

TDB may also provide financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technology. The sanction of grants is decided by the Board of TDB and is sanctioned in exceptional cases. The recipient may be required to pay TDB (equivalent to grant) out of royalty received by it or share the profit with TDB proportionate to the investments made by participating agencies.

TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-

और/अथवा विकास स्तरों पर, टीडीबी द्वारा यथा मूल्यांकित जरूरतों के अनुसार और ऋण इक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए, इक्विटी पूँजी के जरिए अभिदान कर सकता है। इक्विटी अभिदान के बारे में निर्णय टीडीबी के पूर्ण बोर्ड द्वारा किया जाता है। यह अनुमोदित परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक हो सकता है बशर्ते कि ऐसा निवेश प्रवर्तकों द्वारा प्रदत्त पूँजी से अधिक न हो। औद्योगिक इकाई, टीडीबी द्वारा अभिदत्त राशि के समकक्ष टीडीबी को अपने शेयर सर्टिफिकेट सममूल्य पर जारी करेगी। पूर्व-अभिदान शर्तों में यह सम्मिलित है कि प्रवर्तकों को शेयर पूंजी के अपने हिस्से का अभिदान और पूर्ण अदायगी करनी चाहिए। प्रवर्तक, अपने शेयरों को टीडीबी द्वारा अभिदत्त इक्विटी के बराबर मूल्य तक टीडीबी बन्धक रखेंगे। टीडीबी को कंपनी के निदेशक बोर्ड में अपना नामजद निदेशक रखने का अधिकार होगा। टीडीबी अपने विवेक पर परियोजना के पूरा होने के तीन वर्ष बाद अथवा अभिदान की तारीख से पांच वर्ष के बाद, टीडीबी (इक्विटी पूँजी) विनियमों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, कम्पनी में अपनी शेयर होल्डिंग का विनिवेश कर सकता है। शेयर को वापस खरीदने का प्रथम विकल्प प्रवर्तक का होगा।

टीडीबी का विचार उन औद्योगिक इकाइयों के विद्यमान ऋण अथवा इक्विटी को प्रतिस्थापित करने का नहीं है जिन्होंने ऐसा धन अन्य संस्थानों से प्राप्त किया है।

वर्ष 2004-05 के दौरान बोर्ड की 10 मई, 2004 (29), 14 अगस्त, 2004 (30), 28 जनवरी, 2005 (31) और 30 मार्च, 2005 (32) को चार बैठकें हुई।

बोर्ड, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सदस्यों के रूप में डा0 वी0के0 आत्रे, श्री लक्ष्मी चन्द और श्री अमिताभ पाण्डे द्वारा की गई बहुमूल्य सेवाओं के लिए आभार प्रकट करता है।

up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio. The equity subscription is decided by the full Board of TDB. It is up to 25 per cent of the approved project cost provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern shall issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of the company. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. The first option to buy back the shares rests with the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finance from other institutions.

During the year 2004-05, the Board held 4 meetings i.e., on 10th May 2004 (29), 14th August 2004 (30), 28th January 2005 (31) and 30th March 2005 ((32).

The Board places on record the valuable services rendered by Dr. V.K. Aatre, Shri Lakshmi Chand and Shri Amitabha Pande as members of the Technology Development Board.

वर्ष 2004-05 में परियोजनाएँ और उत्पाद
Projects and Products in 2004-05

वर्ष 2004-05 के दौरान प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने (टीडीबी) 9 औद्योगिक इकाइयों और 2 उद्यम पूँजी कम्पनियों के साथ 11 करारों पर हस्ताक्षर किए । टीडीबी, 75.43 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत के मुकाबले 24.68 करोड़ रुपए ऋण सहायता प्रदान करने के लिए सहमत हो गया । इसके अलावा, दो उद्यम निधियों के लिए टीडीबी की वचनबद्धता 105 करोड़ रुपए है ।

During the year 2004-05, the Technology Development Board (TDB) signed 11 agreements with 9 industrial concerns and 2 venture capital companies. TDB agreed to provide loan assistance of Rs. 24.68 crore as against the total project cost of Rs. 75.43 crore. In addition, the commitment of TDB is Rs. 105 crore to the two venture funds.

2004-05 में संवितरण

वर्ष 2004-05 के दौरान, टीडीबी ने चल रही तथा नई परियोजनाओं के लिए 57.91 करोड़ रुपए की राशि संवितरित की । इसमें 42.81 करोड़ रुपए ऋण के रूप में, 0.10 करोड़ रुपए अनुदान के रूप में और 15 करोड़ रुपए उद्यम निधि के लिए शामिल हैं ।

Disbursements in 2004-05

During the year 2004-05, TDB disbursed a sum of Rs. 57.91 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 42.81 crore as loan, Rs. 0.10 crore as grant and Rs. 15 crore to the venture fund.

क्षेत्रक-वार विवरण

इस बात को स्वीकार करते हुए कि प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण (कोर) दक्षता विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है, टीडीबी विभिन्न क्षेत्रकों में परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान कर रहा है। निम्न तालिका वर्ष 2004-05 के दौरान टीडीबी द्वारा संपन्न अनुबन्धों का क्षेत्रक-वार विवरण दर्शाती है:

Sector-wise Coverage

TDB had been supporting projects in various sectors fully recognizing that technology is the key to develop core competency. The table given below indicates sector-wise coverage of the agreements concluded by TDB during 2004-05.

क्षेत्रक-वार विवरण
Sector-wise Coverage

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

क्र.सं. No.	क्षेत्रक Sector		अनुबन्धों की संख्या Number of Agreements	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर TDB's commitment
1	स्वास्थ्य और मेडिकल	Health & Medical	2	43.85	1.50
2	इंजीनियरी	Engineering	3	7.73	3.45
3	कृषि	Agriculture	1	1.40	0.48
4	उर्जा और अपशिष्ट उपयोग	Energy & Waste Utilization	1	4.15	2.08
5	दूरसंचार	Telecommunication	1	8.55	3.17
6	सूचना प्रौद्योगिकी	Information Technology	1	9.75	4.00
	जोड़	*Total*	*9*	*75.43*	*24.68*
7	अन्य	Others	2		
	- एपीआईडीसी वीसीएफ	- APIDC VCF		60.00	30.00
	- यूटीआईवीएफ	- UTIVF		300.00	75.00
	जोड़	**Total**	**11**	**435.43**	**129.68**

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ता

प्रौद्योगिकी इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण के लिए प्रदान की जाती है चाहे प्रौद्योगिकियाँ राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा अथवा उद्योग में इन-हाउस यूनिटों द्वारा विकसित की गई हों । सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित परियोजनाओं के मामले में प्रौद्योगिकी का विकास अधिकांशतः औद्योगिक इकाइयों द्वारा किया जा सकता है । वर्ष 2004-05 के दौरान हस्ताक्षरित अनुबन्धों के संबंध में प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:

Technology Providers

Financial assistance is provided to industrial concerns for commercialisation of technologies irrespective of whether the technologies have been developed by the national institutions or in-house units in the industry. In the case of projects pertaining to Information Technology, the technology may be developed mostly by the industrial concerns. The technology providers in respect of agreements signed during the year 2004-05 are indicated in the following table:

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्त्ता
Technology Providers

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

		अनुबन्धों की संख्या Number of agreements	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर TDB's commitment
इन–हाउस आर एण्ड डी यूनिट	In-house R&D units	4	56.55	16.75
व्यक्तिगत	Individual	1	9.75	4.00
राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं	National laboratories	3	4.41	1.58
विभाग	Departments	1	4.72	2.35
जोड़	Total	9	75.43	24.68
अन्य – उद्यम निधियां	Others – Venture Funds	2	360.00	105.00
जोड़	**Total**	**11**	**435.43**	**129.68**

राज्य-वार अनुबन्धों का विभाजन

निम्नलिखित तालिका मे वर्ष 2004-05 के दौरान टीडीबी द्वारा हस्ताक्षरित अनुबन्धों के राज्य-वार विभाजन का उल्लेख किया गया है:

State-wise Distribution of Agreements

The table below indicates State-wise distribution of the agreements signed by TDB during 2004-05.

अनुबन्धों का राज्य-वार विभाजन
State-wise Distribution of Agreements

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

क्र.सं. No.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र State/ Union Territory		अनुबन्धों की संख्या Number of agreements	कुल लागत Total cost	टीडीबी द्वारा मंजूर TDB's commitment
1	आंध्र प्रदेश	Andhra Pradesh	3	48.00	13.58
2	दिल्ली	Delhi	1	1.72	0.70
3	हरियाणा	Haryana	1	1.40	0.48
4	कर्नाटका	Karnataka	1	9.75	4.00
5	महाराष्ट्र	Maharashtra	2	6.01	2.75
6	पश्चिम बंगाल	West Bengal	1	8.55	3.17
	जोड़	**Total**	**9**	**75.43**	**24.68**
	अन्य – उद्यम निधियां	Others - Venture Funds	2	360.00	105.00
	जोड़	**Total**	**11**	**435.43**	**129.68**

वर्ष 2004-05 के दौरान सम्पन्न अनुबन्ध

वर्ष 2004-05 के दौरान टीडीबी ने 11 अनुबन्ध निष्पादित किए, जिनका ब्यौरा निम्न प्रकार है:

Agreements concluded in 2004-05

During the year 2004-05, TDB concluded 11 agreements; the details are given below:-

1. सेल्को इन्टरनेशनल लिमिटेड, हैदराबाद

सेल्को इन्टरनेशनल लिमिटेड, हैदराबाद ने, प्रसंस्करित म्यूनिसिपल ठोस अपशिष्ट (एम एस डब्ल्यू) का उपयोग करके, एलिकात्ता ग्राम, महबूब नगर जिले में एक 6.6 मे.वा. विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए एक ऋण अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए। यह संयंत्र, टी डी बी की सहायता से कम्पनी द्वारा संचालित आर आर जिले में कूड़े-करकट से प्राप्त ईंधन (रिफ्यूज डिराइव्ड फ्युल (आर डी एफ) संयंत्र में प्रसंस्करित एम एस डब्ल्यू का उपयोग करेगा। टी डी बी, 21 मार्च, 2002 को हस्ताक्षरित एक ऋण अनुबन्ध के अंतर्गत परियोजना की कुल 2823 लाख रुपए की लागत के मुकाबले 1400 लाख रुपए का ऋण उपलब्ध कराने के लिए सहमत हो गया।

8 नवम्बर, 2003 को कम्पनी ने संयंत्र की पूर्ण भार क्षमता का प्रदर्शन किया और ग्रिड के साथ तालमेल बिठाकर तथा 6.78 एम डब्ल्यू विद्युत ग्रिड को निर्यात करके सतत व स्थिर विद्युत उत्पादन क्षमताएं सिद्ध कीं। कम्पनी को अपट्रान्सको से उसके ग्रिड को विद्युत आपूर्ति जोड़ने के लिए उसकी अनुमति प्राप्त हो गई। इस प्रकार कम्पनी ने विद्युत का उत्पादन करके नवम्बर, 2003 में वाणिज्यिक कामकाज प्रारम्भ किया।

कम्पनी ने, फरवरी और मार्च 2004 में आयोजित बैठकों में, संधारणीय व सतत कामकाज के लिए ईंधन हेण्डलिंग पद्धति सहित, संयंत्र के लिए कुछेक अतिरिक्त आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाया।

बोर्ड ने 31 मार्च, 2004 को आयोजित अपनी 28वीं बैठक में टी डी बी ने, 415.41 लाख रुपये की अतिरिक्त लागत के मुकाबले, 207.70 लाख रुपए का अतरिक्त ऋण मंजूर किया। टी डी बी ने 15 अप्रैल, 2004 को पूरक ऋण करार पर हस्ताक्षर किए। इस प्रकार, टी डी बी की कुल ऋण राशि 1607.70 लाख रुपए हो गई जबकि परियोजना की कुल लागत 3238.41 लाख रुपए है।

1. Selco International Limited, Hyderabad

Selco International Limited, Hyderabad, had signed a loan agreement for setting up a 6.6 MW power plant at Ellikatta village, Mehboob Nagar District, by utilizing the processed Municipal Solid Waste (MSW). This plant will use the MSW processed at the Refuse Derived Fuel (RDF) plant at RR District commissioned by the company with the assistance of TDB. TDB had agreed to provide a loan of Rs. 1400 lakhs, against the total project cost of Rs. 2823 lakhs, under a loan agreement signed on 21st March 2002.

On 8th November 2003, the company demonstrated the full load capacity of the plant and proved continuous and stable power production capabilities by synchronizing with the grid and exporting 6.78 MW of power to the grid. The company received the permission from APTRANSCO for connecting the power supply to its grid. Thus the company started the commercial operations in November 2003 by producing power.

The company had projected a few additional requirements for the plant for sustainable and continuous working including fuel handling system at the meetings held in February and March 2004.

The Board, in its 28th meeting held on 31st March 2004, approved additional loan of Rs. 207.70 lakhs by TDB against the additional cost of Rs. 415.41 lakhs. TDB signed the supplementary loan agreement on 15th April 2004. Thus, TDB's loan amount aggregates to Rs. 1607.70 lakhs against the total project cost of Rs. 3238.41 lakhs.

2. मेम्ब्रेन फिल्टर्स (इण्डिया) लिमिटेड, पुणे

मेम्ब्रेन फिल्टर्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, ने मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन प्रौद्योगिकी के आधार पर पेय जल शोधकों के विनिर्माण के लिए एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस प्रौद्योगिकी का विकास नेशनल केमिकल लेबारेटरी, पुणे द्वारा किया गया है, जो सी एस आई आर की एक संघटक इकाई है। मेम्ब्रेन प्रौद्योगिकी विद्यमान कार्टरिज फिल्ट्रेशन और अल्ट्रा-वायलट प्रौद्योगिकियों से श्रेष्ठ बताई जाती है।

कम्पनी ने कुछेक इकाइयों का विनिर्माण किया है, जो परीक्षणों पर खरी उतरी हैं और कठोर गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों की पूर्ति की। कम्पनी की योजना, मेम्ब्रेन का विनिर्माण करने के लिए एक बड़े पैमाने पर विनिर्माण इकाई स्थापित करने और उसके बाद बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए भिन्न-भिन्न माडल व आकार के वाटर फिल्टर असेम्बल करने की है।

परयोजना की कुल लागत 129 लाख रुपए है। 28 अप्रैल, 2004 को हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के तहत टी डी बी 40 लाख रुपए का ऋण देने के लिए सहमत हो गया। परियोजना को मार्च, 2005 तक पूरा होना था।

कम्पनी ने अपने पत्र दिनांक 9.3.2005 के अंतर्गत परियोजना पूर्णता की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उत्पाद को 11 मई 2005 को प्रौद्योगिकी दिवस पर जारी किया गया।

3. शान्था बायोटेक्निक्स लिमिटेड, हैदराबाद

शान्था बायोटेक्निक्स लिमिटेड, हैदराबाद ने, मेडचल में विद्यमान फैक्टरी परिसर में मोनोवलेन्ट और डी पी टी- हेपबी मिश्रित टीके के रूप में डिपथीरिया (डी), पर्टुसिस (पी), टेटनस (टी) के उत्पादन के लिए एक विनिर्माण सुविधा कायम करने के लिए टी डी बी से वित्तीय सहायता के वास्ते एक आवेदन पत्र प्रस्तुत किया।

2. Membrane Filters (India) Private Limited, Pune

Membrane Filters (India) Private Limited, Pune, submitted a project proposal for manufacturing drinking water purifiers based on membrane filtration technology. The technology has been developed by National Chemical Laboratory, Pune, a constituent unit of CSIR. The membrane technology is stated to be ahead of existing dead-end cartridge filtration and Ultra-violet technologies.

The company has manufactured few units that have withstood the trials and have met the stringent quality control norms. The company plans to set up full scale manufacturing facility to manufacture membrane and thereafter assemble the water filters of different models and sizes to meet the market requirements.

The total cost of the project is Rs. 129 lakhs. TDB agreed to provide a loan of Rs. 40 lakhs under an agreement signed on 28th April 2004. The project was due for completion by March 2005.

The company submitted the project completion report under its letter dated 9th March 2005. The product was released on the Technology Day, 11th May 2005.

3. Shantha Biotechnics Limited, Hyderabad

Shantha Biotechnics Limited, Hyderabad, submitted an application seeking financial assistance from TDB for building up a manufacturing facility, for the production of Diphtheria (D), Pertussis (P), Tetanus (T) as monovalent and DPTHepB combivalent vaccines at the existing factory premises at Medchal.

परियोजना की कुल लागत 3885 लाख रुपए आंकी गई थी । बोर्ड ने, 31 मार्च, 2004 को आयोजित अपनी 28वीं बैठक में परियोजना के लिए 900 लाख रुपए की ऋण सहायता मंजूर की । कम्पनी ने 23 जुलाई, 2004 को टी डी बी के साथ एक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए । परियोजना के जुलाई 2005 में पूरा हो जाने की उम्मीद है ।

कम्पनी ने 'शनतेत्र' नामक डी टी डब्ल्यू पी-एच मिश्रण टीका 20 अगस्त, 2005 को हैदराबाद में प्रारंभ किया । राज्य विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और समुद्र विकास मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री कपिल सिबल, मुख्य अतिथि थे । श्री के0 रोसैय्या, वित्त, विधायी मामले और स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्री, आन्ध्र प्रदेश सरकार ने समारोह की अध्यक्षता की ।

4. ए० वी० प्रोसेसर्स लिमिटेड, मुम्बई

ए0वी0 प्रोसेसर्स लिमिटेड, मुम्बई ने, कोबाल्ट 60 सोर्स का इस्तेमाल करके गाम्मा रेज के साथ मेडिकल/सर्जिकल उत्पादों और स्पाइसिज के विसंक्रमण के लिए, अम्बरनाथ, महाराष्ट्र में आटोमेटिक, सतत, गाम्मा विसंक्रमण संयंत्र कायम करने के लिए टी डी बी से ऋण सहायता प्राप्त करने के वास्ते एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया ।

यह परियोजना, रेडिएशन तथा आईसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड (बी आर आई टी), परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा विकसित प्रमाणित प्रौद्योगिकी पर आधारित है । योजना है कि संयंत्र एक मिलियन कूरीज कोबाल्ट 60 भंडारित करने में समर्थ और प्रतिवर्ष 2400 क्युबिक मीटर तक की प्रसंस्करण क्षमता वाला पूर्णतः स्वचालित व कम्प्यूटराइज्ड होगा । बी आर आई टी सोर्स की आपूर्ति करेगा । ए ई आर बी विनियमों के अनुसार, सुरक्षा उपायों को प्रणाली में शामिल किया जाएगा । सोर्स की संस्थापना और परियोजना को चालू करने से पहले कम्पनी द्वारा ए ई आर बी की स्वीकृति प्राप्त की जाएगी ।

The total project cost was estimated at Rs. 3885 lakhs. The Board, in its 28th meeting held on 31st March 2004, approved the loan assistance of Rs. 900 lakhs for the project. The company signed an agreement with TDB on 23rd July 2004. The project was due for completion in July 2005.

The company launched DTwP-H Combination Vaccine named as 'Shantetra' at Hyderabad on 20th August 2005. Shri Kapil Sibal, Minister of State (Independent charge) for Science and Technology and Ocean Development, was the Chief Guest. Shri K. Rosiah, Minister for Finance, Legislative Affairs and Health and Family Welfare, Government of Andhra Pradesh, was the presiding guest.

4. A.V. Processors Limited, Mumbai

A.V. Processors Limited, Mumbai had submitted an application seeking loan assistance from TDB for setting up an automatic, continuous, Gamma sterilization plant in Ambernath, Maharashtra, for sterilization of medical /surgical products and spices with Gamma rays by using Cobalt 60 source.

The project is based on a proven technology developed by Board of Radiation and Isotope Technology (BRIT), Department of Atomic Energy. The plant is planned to be fully automatic and computerised capable of housing upto 1 million curies of Cobalt 60 and processing capacity of upto 2400 cubic meters per annum. BRIT will supply the source. The safety features, as per the AERB regulations, will be incorporated into the system. Prior to installation of the source, and commissioning of the project, AERB clearance will be taken by the company.

बीआरआईटी के अनुसार, वर्तमान में भारत में 86 प्रतिशत विसंक्रमण बाजार की पूर्ति एथीलीन आक्साइड (ई टी ओ) द्वारा की जाती है जबकि शेष 14 प्रतिशत की पूर्ति आटोमेटिक सतत गाम्मा के विसंक्रमण संयंत्रों द्वारा की जाती है। उम्मीद है कि ई टी ओ प्रक्रिया के साथ विषाक्तता और पर्यावरण से सम्बद्ध मुद्दों की वजह से बड़ी संख्या में ग्राहक ई टी ओ की बजाए गाम्मा रेज को अपनाएंगे।

प्रस्ताव है कि परियोजना प्रतिवर्ष 1,00, 000 विसंक्रमित बक्सों की क्षमता के साथ चालू हो जाएगी। परियोजना की कुल लागत 472 लाख रुपए है। कम्पनी द्वारा 27 जुलाई, 2004 को हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के तहत टी डी बी 235 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करने के लिए सहमत हो गया। परियोजना के 2005-06 में पूरा हो जाने की उम्मीद है।

5. बिरचोव बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

विरचोव बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने कमर्शिएलाइजेशन ऑफ रिकोम्बीनेट ह्यूमन प्लेटेलेट डिराव्ड ग्रोथ फेक्टर के संबंध में एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। कम्पनी का एक इन-हाउस आर एण्ड डी यूनिट है जिसे डीएसआईआर द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह उत्पाद एक टापिकल जेल है जो लोअर एक्सट्रीमिटी डायबेटिक अलसर के उपचार के लिए है। उत्पाद को मानव अम्बेलिकल एनडोथेलिअल सैलों से सी डी एन ए को पृथक करके कलम (क्लोन) द्वारा तैयार किया गया है जो वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध है। कम्पनी ने पेटेन्ट के लिए आवेदन किया है।

कम्पनी ने 30 जुलाई, 2004 को टी डी बी के साथ एक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए जिसके अंतर्गत टी डी बी, परियोजना की कुल 500 लाख रुपए की लागत के मुकाबले 250 लाख रुपए का ऋण देने के लिए सहमत हो गया है। परियोजना नवम्बर, 2005 में पूरी हो जाने की उम्मीद है।

According to BRIT, 86 percent of sterilization market in India is catered to by Ethylene Oxide (ETO), while the balance 14 percent is currently being catered to by automatic continuous gamma ray sterilization plants. It is expected that a higher number of customers will switch from ETO to Gamma rays because of the issues related to toxicity and environment with the ETO process.

The project is proposed to commence operations with a capacity of sterilizing 100,000 boxes per annum. The total cost of the project is Rs. 472 lakhs. Under an agreement signed by the company on 27th July 2004, TDB agreed to provide a loan assistance of Rs. 235 lakhs. The project is due for completion in 2005-06.

5. Virchow Biotech Private Limited, Hyderabad

Virchow Biotech Private Limited, Hyderabad, has submitted a project proposal for 'Commercialisation of Recombinant Human Platelet Derived Growth Factor'. The company has an in-house R&D unit recognized by DSIR. The product is a topical gel meant for the healing of lower extremity diabetic ulcers. The product is cloned from cDNA isolated from human umbilical endothelial cells which are commercially available. The company has filed for a patent.

The company signed an agreement with TDB on 30th July 2004 under which TDB has agreed to provide a loan of Rs. 250 lakhs against the project cost of Rs. 500 lakhs. The project is due for completion in November 2005.

6. एपीआईडीसी वेन्चर कैपिटल लिमिटेड, हैदराबाद

एपीआईडीसी वेन्चर कैपिटल लिमिटेड (ए पी आई डी सी वी सी एल) ने प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं में निवेश करने के लिए टी डी बी के साथ सह-निवेश पद्धतियां/स्कीमें प्रारंभ करने के लिए टी डी बी को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। प्रस्ताव का उद्देश्य, इसके इक्विटी अभिदानों के प्रबंधन के संबंध में टी डी बी के लिए एक संतोषजनक स्थिति प्राप्त करना और इस प्रकार सहाय्यित यूनिटों की प्रबंधन असफलताओं के कारण होने वाले नुकसान को न्यूनतम करना; टी डी बी द्वारा निवेषित मूल राशि का जोखिम कम करना; और टी डी बी द्वारा निवेषित इक्विटी अभिदान से लाभ उठाना है।

यह मान लिया गया है कि उद्यम निधियन एजेंसियां बहुत ज्यादा नहीं हैं जो प्रारम्भिक चरण पर धन उपलब्ध कराने के लिए बायोटेक्नोलाजी परियोजनाओं पर जोर देती हैं। ए पी आई डी सी वी सी एल एक वो है जिसने टी डी बी से सम्पर्क किया है। एन आई सी, सामान्य बीमा व कुछ वाणिज्यिक बैंकों ने निधि के लिए वचनबद्धता की है।

टी डी बी ने ए पी आई डी सी वी सी एल और वेन्चरईस्ट ट्रस्टी क0प्रा0 लिमिटेड के साथ एक सह-निवेश अनुबन्ध पर और ए पी आई डी सी वी सी एल के साथ एक प्रबंधन अनुबन्ध पर 16 अगस्त, 2004 को हस्ताक्षर किए। टी डी बी की भागीदारी चार वर्ष की अवधि के दौरान 30 करोड रुपए तक होगी। निधि की कुल राशि 60 करोड रुपए होगी।

ए पी आई डी सी वी सी एल द्वारा विनिर्धारित इक्विटी अभिदान प्रस्तावों की एक निवेश समिति द्वारा जाँच की जाएगी जिसमें चार सदस्य सम्मिलित होंगे - दो टी डी बी का प्रतिनिधित्व करने वाले और दो ए पी आई डी सी वी सी एल का प्रतिनिधित्व करने वाले। निवेश समिति का कम से कम एक सदस्य टी डी बी का सदस्य होगा। श्री आर0 श्रोफ, सदस्य टी डी बी और डा0 के0के0 त्रिपाठी, वैज्ञानिक 'जी' को सदस्यों के रुप में मनोनीत किया गया है तथा टी डी बी का प्रतिनिधित्व करने वाले इन सदस्यों को विटो का अधिकार होगा।

6. APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad

APIDC Venture Capital Limited (APIDC VCL) presented a proposal to TDB to establish co-investment mechanisms / schemes with TDB for investment in technology based projects. The objective of the proposal is to achieve for TDB a satisfactory situation with regard to management of its equity subscriptions and thereby minimize the losses due to management failure of the assisted units; risk mitigation to the principal amount invested by TDB; and leveraging the equity subscription invested by TDB.

It was recognized that there are not many venture funding agencies that focuses on Biotechnology projects for providing funds at the early stage. APIDC VCL is the one that has approached TDB. LIC, general insurance and some commercial banks have committed to the fund.

TDB signed the co-investment agreement with APIDC VCL and Ventureast Trustee Co Private Limited and Management agreement with APIDC VCL on 16th August 2004. TDB's participation would be up to a sum of Rs. 30 crore over a period of four years. The size of the Fund would be Rs. 60 crore.

Equity subscription proposals, identified by APIDC VCL, will be examined by an Investment Committee comprising of four members 2 representing TDB and 2 representing APIDC VCL. At least one member of the Investment Committee shall be a member of the TDB. Shri R.Shroff, Member-TDB, and Dr. K.K. Tripathi, Scientist-G, have been nominated as members and these members, representing TDB, shall have veto power.

7. एसवीएक्स पाउडर एम सर्फेस इंजीनियरी प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

एसवीएक्स पाउडर एम सर्फेस इंजीनियरी प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली का प्रस्ताव, सूरजपुर औद्योगिक क्षेत्र, ग्रेटर नोएडा में एक जॉब शाप स्थापित करके डिटोनेशन गन सर्फेस कोटिंग टेक्नोलाजी का विकास और वाणिज्यिकरण करने का है । दि इन्टरनेशनल एडवान्स्ड रीसर्च सेन्टर फॉर पाउडर मेटालर्जी एण्ड न्यु मेटीरियल्स, हैदराबाद, जो विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन एक आर एंड डी स्वायत्त सोसाइटी है, प्रौद्योगिकी उपलब्ध करा रहा है । ताप विद्युत संयंत्र उपस्कर, कपडा मशीनरी, इस्पात, चीनी, कागज और मुद्रण व वायर ड्राइंग उद्योग जैसे उद्योग घटकों में ऐसी कोटिंग की मांग है ।

परियोजना की कुल लागत 172 लाख रुपए है । 19 नवम्बर, 2004 को हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के अंतर्गत टी डी बी 70 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है । परियोजना के अगस्त 2005 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है ।

8. ओरिओन टेली-इक्वीपमेंटस प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता

ओरिओन टेली-इक्वीपमेंटस प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, ने बंगलौर में अपने प्रशासनिक कार्यालय के साथ, मल्टी-सर्विस प्रोविजनिंग प्लेटफार्मों (एम एस पी पी) के एस एच डी (सिंक्रोनायस डिजिटल हायार्की) परिवार (फेमिली) का विकास और वाणिज्यिकरण का प्रस्ताव किया है ।

एस डी एच मल्टीप्लेसिज का उपयोग बड़ी संख्या में टेलिफोनों और साथ ही डाटा सिगनलों को अन्य एक्सचेंजों के साथ टैलीफोन एक्सचेंजों को परस्पर जोड़ने और रिमोट लाइन

7. SVX Powder M Surface Engineering Private Limited, Delhi

SVX Powder M Surface Engineering Private Limited, Delhi, proposes the development and commercialisation of detonation gun surface coating technology by establishing a job shop at Surajpur Industrial Area, Greater NOIDA. The International Advanced Research Centre for Powder Metallurgy and New Materials, Hyderabad, an R&D autonomous society under the Department of Science and Technology, is providing the technology. There is demand for such coating in the industry segments such as thermal power plant equipment, textile machinery, steel, sugar, paper and printing and wire drawing industry.

The total cost of the project is Rs. 172 lakhs. TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 70 lakhs under an agreement signed on 19th November 2004. The project is due for completion by August 2005.

8. Orion Tele-Equipments Private Limited, Kolkata

Orion Tele-Equipments Private Limited, Kolkata, with its administrative office in Bangalore, has proposed the development and commercialization of SDH (Synchronous Digital Hierarchy) family of multi-service provisioning platforms (MSPP).

SDH multiplexes are used for transporting a large number of telephone as well as data signals over a single optical fiber to interconnect telephone

यूनिटों के डिजिटल, लूप कैरियर (डी एल सी) जैसे रिमोट लाइन यूनिटों जैसे एक्सेस उपस्कर के साथ जोड़ने के लिए एकल आप्टिकल फाइबर पर ढोने के लिए किया जाता है। कम्पनी ने, लगभग 2000 चैनलों की क्षमता के साथ एसटीएम-1 का विकास किया है तथा टीईसी, भारत सरकार का अनुमोदन प्राप्त किया है तथा बी एस एन एल का उत्पादन अर्हता परीक्षण (पी क्यू टी) सफलतापूर्वक पास कर लिया है। अगली उच्च पीढ़ी की दरें हैं : एस टी एम-4, एस टी एम-16 आदि, जिनकी क्षमता चार के गुणकों में बढ़ती है। परियोजना के अंतर्गत भिन्न-भिन्न बाजारों की पूर्ति करने वाले एस डी एच फेमिली उत्पाद विकसित करने का प्रस्ताव है।

कम्पनी ने 28 मार्च, 2005 को एक ऋण अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए जिसके अंतर्गत टी डी बी 317 लाख रुपए का ऋण प्रदान करने के लिए सहमत हो गया। परियोजना की कुल लागत 855.04 लाख रुपए है। परियोजना के दिसम्बर, 2005 में पूरा हो जाने की उम्मीद है।

9. जेनेवा साफ्टवेयर टेक्नोलाजीज लिमिटेड, बंगलौर

जेनेवा साफ्टवेयर टेक्नोलाजीज, लिमिटेड, बंगलौर का प्रस्ताव उद्यम और दूरसंचार अनुप्रयोगों हेतु प्राकृतिक भाषा रूपरेखा प्रौद्योगिकी का विकास और वाणिज्यिक अनुप्रयोग करने का है। प्राकृतिक भाषा रूपरेखा की अन्य शाखाएं हैं: भाषा संदेश सेवाएं, प्रेषक और प्राप्तकर्ता के विकल्प पर अन्तर-परिवर्तनीय भिन्न-भिन्न भाषाओं में सैल फोनों पर संदेशों के आदान-प्रदान के लिए आदर्श एल एम एस साफ्टवेयर को सैल फोन पर विनिर्माता के स्थान पर अथवा विद्यमान उपभोक्ताओं के मामले में किसी भी विक्रय केन्द्र पर "सिम" कार्ड में लगाया जा सकता है। एस एम एस भाषाओं का अन्तर - परिवर्तन नेटवर्क आपरेटरों द्वारा प्रदत्त सर्वर में डाटा को भण्डारित करके किया जा सकता है। एस एम एस संदेशों

exchanges with other exchanges and with Access equipment such as Remote Line Units and Digital Loop Carrier (DLC). The company has developed STM-1, with a capacity of around 2000 channels, and has obtained the approval of TEC, Government of India and has successfully passed Production Qualification Test (PQT) of BSNL. The next higher generation rates are STM-4, STM-16 etc., having their capacity increasing in multiples of four. The project envisages developing SDH family products catering to different markets.

The company signed a loan agreement on 28th March 2005 under which TDB has agreed to provide a loan of Rs. 317 lakhs. The total cost of the project is Rs. 855.04 lakhs. The project is due for completion in December 2005.

9. Geneva Software Technologies Limited, Bangalore

Geneva Software Technologies Limited, Bangalore, proposes the development and commercial application of Natural Language Framework Technology for Enterprise and Telecom Applications. The other branches of Natural Language Framework are Language Message Services, ideal for exchanging messages over cell phones in different languages interchangeable at the option of the sender and the receiver. The LMS software can be deployed on the cell phones at the point of manufacturers or can be deployed on a SIM card at any retail outlets in the case of existing users. The interchanging of SMS languages will be done with the help of storing the data in the servier provided by network operators. The

का अन्तर-अनुवाद नेटवर्क सेवा प्रदाता स्थल पर सर्वर द्वारा प्रसंस्करित किया जा सकता है । इस प्रौद्योगिकी से भाषा विशेषताओं को परिवेश से स्वतन्त्र किसी भी डिजिटल प्रदर्शन में अनुवाद करने में मदद मिलती है । इससे, उद्यम, पी डी ए और मोबाइल एस एम एस अनुप्रयोग हेतु एक इंजिन के रूप में पैकेज किया जाता है । एस एम एस अनुप्रयोग की प्रमुख विशेषता इसकी एकरूप निष्पादन के साथ बड़ी संख्या में मोबाइल हेण्डसेटों में अनुकूलता की इसकी योग्यता है । सर्वाधिक नवीन प्रवत्ति 'सिम' कार्ड पर भाषा एस एम एस का एकीकरण है । कम्पनी ने अमरीका में पेटेन्ट आवेदन-पत्र फाइल किया है ।

जेनेवा साफ्टवेयर टेक्नोलाजीज लिमिटेड ने 400 लाख रुपए के ऋण सहायता के लिए 28 मार्च, 2005 को टी डी बी के साथ एक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए । परियोजना की कुल लागत 974.51 लाख रुपए है । परियोजना के दिसम्बर, 2005 में पूरा हो जाने की उम्मीद है ।

10. हरियाणा बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गाँव

हरियाणा बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड, गुडगाँव ने, रिजोबियम आधारित बायो-फर्टीलाइजर और त्रिकोडेरमा वाइराइड के वाणिज्यिक उत्पादन के लिए, जो एक जैव-नियंत्रण एजेन्ट है, टी डी बी से ऋण सहायता के वास्ते एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है। बायोफर्टीलाइजर और बायो-नियंत्रण एजेंट सधारणीय और संबंर्धित फसल उत्पादन में योग दे सकते हैं ।

प्रौद्योगिकी की व्यवस्था क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जम्मू द्वारा की जा रही है जो सी एस आई आर का एक संघटक यूनिट है जिसने एकीकृत कीट प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत आर्थिक फसलों पर मृदा जनित रोगों के जीव विज्ञानीय नियंत्रण के संबंध में जैव-प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित एक परियोजना के अंतर्गत प्रौद्योगिकी का विकास किया है ।

inter-translation of SMS messages will be processed by the servers at the Network Service Provider. The technology enables rendering of language characters on any digital display independent of the environment. This integrates seamlessly to Enterprise, PDA and mobile platforms. This is packaged as an engine for mobile SMS application. The key strength of the SMS application is its ability to adapt to a large range of mobile handsets with uniform performance. The most innovative feature is the integration of language SMS on to the SIM card. The company has filed patent applications in USA.

Geneva Software Technologies Limited signed an agreement with TDB on 28th March 2005 for loan assistance of Rs. 400 lakhs. The total project cost is Rs. 974.51 lakhs. The project is due for completion in December 2005.

10. Haryana Biotech Private Limited, Gurgaon

Haryana Biotech Private Limited, Gurgaon, has submitted an application seeking loan assistance from TDB for the commercial production of Rhizobium based bio-fertilizer and Trichoderma viride, a bio-control agent. Biofertilisers and bio-control agents can contribute to sustainable and increased crop production.

The technology is being provided by Regional Research Laboratory, Jammu, a constituent unit of the CSIR, which has developed the technology under a project sponsored by the Department of Biotechnology on biological control of soil bound diseases on economic crops under the Integrated Pest Management Programme. A complete package

विस्तारित शैल्फ जैसो के साथ विशिष्ट संस्कृति (कृषि) माध्यम, प्रक्रिया प्रतिमान और अनुप्रवाह प्रसंस्करण और कैरियर आधारित उत्पाद को मिलाकर एक पूर्ण पैकेज तैयार किया गया है। विपणन अवधि, जिसमें परम्परागत प्रक्रिया के अंतर्गत 5 से 9 दिन का समय लगता था, पर्याप्त रूप से कम होकर 48 घंटे रह गई है।

परियोजना की कुल लागत 140 लाख रुपए है, टी डी बी, 48 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है। कम्पनी ने 30 मार्च, 2005 को एक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए। परियोजना के अप्रैल, 2006 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है।

11. यूटीआई वेन्चर फन्डस् मेनेजमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर

यूटीआई वेन्चर फन्डस् मेनेजमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, (यूटीआईवीएफ), बंगलौर ने टी डी बी को सूचित किया कि यू टी आई वी एफ, इंडिया टेक्नोलाजी वेन्चर यूनिट स्कीम (आई टी वी यू एस) के अंतर्गत प्राप्त अनुभव के आधार पर, 'एक्सेन्ट इण्डिया फण्ड' नामक एक निजी इक्विटी निधि की शुरूआत कर रही है। एक्सेन्ट इण्डिया फण्ड का आकार 300 करोड़ रुपए का होगा। फण्ड की कार्यावधि 8 वर्ष होगी। वचनबद्धता अवधि 5 वर्ष होगी। 12 प्रतिशत का प्रतिफल प्राप्त होने की उम्मीद है। निवेश के तहत बल अनूठा होगा कि भारतीय कम्पनियां प्रौद्योगिकी श्रेष्ठता का उपयोग करके भारतीय लाभ का फायदा उठाएंगी। इसके तहत आई टी, दूर संचार, जीव विज्ञान, आटो सहायक कल-पुर्जे और कपड़ा क्षेत्रक सम्मिलित हो सकते हैं। भारत में चल रही अधिकांश उद्यम निधियां प्रारम्भिक स्तर के उद्यमों को धन उपलब्ध नहीं कराती क्योंकि शायद ही कोई दिव्य निवेशक हो। दूसरी ओर एक्सेन्ट, इण्डिया फण्ड प्रारम्भिक चरण वाले प्रौद्योगिकी उन्मुख उद्यमों को इक्विटी उपलब्ध कराएगा।

comprising specific culture medium, process parameters and downstream processing and carrier-based product with extended shelf like has been prepared. The fermentation period has been drastically reduced to 48 hours compared to conventional process which takes 5 to 9 days.

The total cost of the project is Rs. 140 lakhs. TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 48 lakhs. The company signed the agreement on 30th March 2005. The project is due for completion in April 2006.

11. UTI Venture Funds Management Company Private Limited, Bangalore

The UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore, informed TDB that UTIVF is launching a private equity fund named 'Ascent India Fund' on the basis of the experience gained in India Technology Venture Unit Scheme (ITVUS). The size of the Ascent India Fund would be Rs. 300 crore. The life of the fund would be 8 years. The commitment period would be 5 years. The returns are expected to be 12 percent. The investment focus would be uniquely related to Indian companies leveraging India advantage, using technology edge. The sectors may include IT, Telecommunications, Life Sciences, Auto Ancillaries and Textiles. Most of the Venture Funds operating in India do not fund early stage ventures as there is hardly any angel investors. On the other hand, Ascent India Fund would provide equity to early stage technology oriented ventures.

टी डी बी ने, एक्सेन्ट इण्डिया फण्ड में भाग लेने के लिए यू टी आई वेन्चर फण्ड्स मैनेजमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, बंगलौर (यू वी एफ) और यूनिट ट्रस्ट ऑफ इण्डिया इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी सर्विसिज लिमिटेड, मुम्बई के साथ, 25 मार्च, 2005 को एक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए । टी डी बी ने पांच वर्ष की अवधि के दौरान 75 करोड रुपए की वचनबद्धता की है ।

टी डी बी को एक प्रमुख (कोर) अंशदाता समझा जाएगा और इसे फण्ड की निवेश समिति अथवा सलाहकार बोर्ड में एक सदस्य नामजद करने की पात्रता होगी । फण्ड प्रमुख रूप से भारत में पर्याप्त कामकाज वाली और भारत में संस्थापित कम्पनियों में निवेश करने पर बल देगा । यू वी एफ, टी डी बी को उन्हें प्राप्त प्रस्तावों की सुलभता में समर्थ बनाएगी ताकि टी डी बी अधिक संख्या में परियोजना प्रस्तावों पर विचार कर सके । यू वी एफ, सक्रियोन्मुखी बैठकों आदि में टी डी बी के कार्यकलापों को लोकप्रिय बनाने का भी प्रयास करेगी ।

वर्ष 2004-05 के दौरान जारी उत्पाद/पूर्ण की गई परियोजनाऐं

टी डी बी की वित्तीय सहायता से वर्ष 2004-05 के दौरान जारी उत्पाद/पूरी हुई परियोजनाओं का उल्लेख नीचे किया गया है।

TDB signed the agreement with UTI Venture Funds Management Company Private Limited, Bangalore (UVF) and Unit Trust of India Investment Advisory Services Limited, Mumbai, on 25th March 2005, to participate in Ascent India Fund. TDB has committed up to Rs. 75 crore over a period of five years.

TDB shall be treated as a core contributor and shall be eligible to nominate a member on the Investment Committee of the Fund or the Advisory Board. The Fund shall focus on investing primarily in companies with significant operations in India and incorporated in India. UVF would enable TDB to have access to the proposals received by them to enable TDB to have more number of project proposals for its consideration. UVF would also endeavour to popularize TDB's activities in interactive meetings etc.

Products released / Projects completed during 2004-05

The products released / projects completed during the year 2004-05 with the financial assistance from TDB are indicated below.

"सारस" - प्रथम परीक्षण उड़ान

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी एस आई आर) की एक संघटक इकाई, नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज द्वारा डिजाइन और विकसित देश का प्रथम स्वदेशी नागरिक विमान 'सारस' ने 29 मई, 2004 को बंगलौर में 'हाल' हवाई अड्डे पर अपनी प्रथम परीक्षण उड़ान भरी । प्रथम प्रोटोटाइप रूपान्तर की उड़ान और अवतरण सुचारू रहा । वायुयान को 550 कि.मी. प्रति घन्टा की गति से उड़ने और 7500 मीटर ऊँचाई पर उड़ने के लिए तैयार किया गया है । टी डी बी ने, अगस्त, 1999 में टी डी बी और सी एस आई आर के बीच हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के तहत इस परियोजना के लिए 53.80 करोड़ रुपए का अनुदान और 9 करोड़ रुपए का ऋण प्रदान किया है ।

वायुयान ने अपनी औपचारिक प्रारम्भिक उड़ान 22 अगस्त, 2004 को भरी । राज्य विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और समुद्र विकास मंत्री तथा सी एस आई आर के उप-प्रधान, मुख्य अतिथि थे ।

"SARAS" Maiden test flight

The country's first indigenous civilian aircraft, 'SARAS', designed and developed by the National Aerospace Laboratories, a constituent unit of the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR), recorded its maiden test flight at the HAL airport in Bangalore on 29th May 2004. The first prototype version had a smooth take-off and landing. The aircraft is designed to touch a speed of 550 km an hour and cruise at an altitude of 7500 metres. TDB has provided grant of Rs. 53.80 crore and loan of Rs. 9 crore for this project under an agreement signed between TDB and CSIR in August 1999.

The aircraft made its formal inaugural flight on 22nd August 2004. Shri Kapil Sibal, Minister of State for Science and Technology and Ocean Development and Vice-President, CSIR, was the Chief Guest.

नेशनल ऐरोस्पेस लेबोरेटरीज, बंगलौर, द्वारा विकसित हवाईजहाज "सारस" के उदघाटन पर लिया गया चित्र
Photograph taken at the time of inaugural flight "SARAS" aircraft developed by National Aerospace Laboratories, Bangalore

वायुयान के लिए भूतल विद्युत युनिट

मेक कन्ट्रोल्स एण्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बतूर ने, विभिन्न प्रकार के वायुयानों के लिए जमीनी हेण्डलिंग उपस्कर के लिए लो प्रेशर हाई वाल्यूम आयल फ्री स्क्रु कम्प्रेशर और 6 केवीए से 180 केवीए तक के बीच 100 से 900 एचजेड की विशेष प्रयोजन विद्युत रोटेटिंग मशीनें (आलटर्नेटर्स) विकसित और विनिर्मित कीं । परियोजना, फरवरी, 2005 में पूरी हो गई । टी डी बी ने जुलाई, 2001 में हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के अंतर्गत 250 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की ।

Ground power units for aircraft

Mak Controls and Systems Private Limited, Coimbatore, developed and manufactured the special purpose electrical rotating machines (alternators) of 100 to 900 Hz ranging from 6 KVA to 180 KVA and low pressure high volume oil free screw compressor for ground handling equipment for various types of aircraft. The project was completed in February 2005. TDB provided a loan assistance of Rs. 250 lakhs under an agreement signed in July 2001.

मेक कन्ट्रोलस एण्ड सिस्टमस (प्राईवेट) लिमिटेड, कोइम्बटूर, द्वारा वायुयान के लिए विकसित भूतल विद्युत युनिट
Ground power unit manufactured by Mak Controls and Systems (Private) Limited, Coimbtore

टायर बीड वायर्स

राजरत्न गुस्तव वोल्फ लिमिटेड, इन्दौर ने 6600 एम टी प्रतिवर्ष (तीन पारियों में) की स्थापित क्षमता के साथ टायर बीड वायरों के विनिर्माण के लिए पीथमपुर में सुविधाएं स्थापित की । टी डी बी ने, जनवरी, 2004 में हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के अंतर्गत इस परियोजना के वास्ते कम्पनी को 395 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की । कम्पनी ने अगस्त, 2004 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया । कम्पनी का नाम बदलकर 1 अगस्त, 2004 से राजरत्न ग्लोबल वायर लिमिटेड रख दिया गया ।

टायर बीड वायर एक उच्च कार्बन कांस्य परत वाला तार है जिसका उपयोग सभी वायवीय टायरों में किया जाता है । टायर बीड वायर का मुख्य कार्य टायर को रिम के साथ रोके रखना व प्रफुल्लित दबाव के वेग को रोकना है जो लगातार उस पर दबाव डालने का प्रयास करता है । वायर का बीड एक महत्वपूर्ण संयोजक कड़ी है जिसके माध्यम से वाहन का भार रिम से टायर पर हस्तान्तरित हो जाता है । कम्पनी ने, अपनी तीन नूतन प्रक्रियाओं के लिए सितम्बर, 2002 में पेटेन्ट कार्यालय, मुम्बई के साथ पेटेन्ट आवेदन-पत्र फाइल किया था।

Tyre bead wires

Rajratan Gustav Wolf Limited, Indore, established the facilities at Pithampur for the manufacture of tyre bead wires with installed capacity of 6600 MT per annum (in three shifts). TDB had provided a loan assistance of Rs. 395 lakhs to the company for this project under an agreement signed in January 2004. The company commenced commercial production in August 2004. The company's name was changed to Rajratan Global Wire Limited from 1st August 2004.

Tyre bead wire is a high carbon bronze coated wire used in all pneumatic tyres. The main function of the tyre bead wire is to hold the tyre on the rim and to resist the action of the inflated pressure which constantly tries to force it off. The bead of the wire is crucial connecting link through which the vehicle load is transferred from the rim to the tyre. The company had filed the patent application with the Patent Office, Mumbai, in September 2002 for its three innovative process.

राजरतन ग्लोबल वायर लिमिटेड, इंदौर, द्वारा निर्मित टायर बीड वायर्स
Tyre Bead Wires manufactured by Rajratan Global Wire Limited, Indore

देशज स्त्रोत से एन्टीजन्स और प्रोटीनों का उत्पादन

मेसर्स यशराज बायोटेक्नोलाजी लिमिटेड, मुम्बई, ने देशज स्त्रोत से, जैसे कि एससेटिक/प्लुरल फ्लुइड्स, एचबीएसएजी+वी रक्त, केन्सर रोगियों के तरल, मेकोनियम (अर्थात् नवजात बच्चे का पहला पाखाना), कोर्ड रक्त आदि जैसे तरल बायो-मेडिकल अपशिष्ट से एन्टीजन्स और प्रोटीनों के पृथक्करण के वास्ते सुविधा स्थापित करने के लिए एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया । इन एन्टीजनों और प्रोटीनों का नैदानिक महत्व है जिनका उपयोग नैदानिक किटों में मानकों अथवा व्यासमापकों के रूप में किया जाता है । देशज स्त्रोत उदभव को प्राथमिकता दी जाती है । कम्पनी का संयंत्र नवी मुम्बई में स्थित है और इसके इन-हाउस आर एंड यूनिट को डीएसआईआर द्वारा मान्यता प्राप्त है ।

टी डी बी ने, कम्पनी और टी डी बी के बीच फरवरी, 2004 में हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के अंतर्गत 200 लाख रुपए का ऋण प्रदान किया । परियोजना मार्च, 2005 में पूरी हो गई ।

कार्डिअक सम्बद्ध सेवाएं

रविन्द्रनाथ जी ई मेडिकल एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, ने ग्लोबल अस्पताल में कार्डिअक सम्बद्ध सेवाएं स्थापित की है । टी डी बी ने, 490 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की है । अस्पताल ने हृदय शल्य चिकित्सा जनवरी, 2004 में आरंभ की ।

अस्पताल ने बताया कि (दिसम्बर, 2004 में) अस्पताल में किए गए 17 यकृत प्रत्यारोपणों में से 15 रोगी जीवित हैं और ठीक-ठाक हैं, जिसे एक सम्मानीय सफलता समझा जाता है । अस्पताल ने 50 से अधिक गुर्दा प्रत्यारोपण किए हैं । टी डी बी ने, मार्च, 2004 में हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के अंतर्गत परियोजना के लिए 1020 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की ।

Production of antigens and proteins from native source

M/s Yashraj Biotechnology Limited, Mumbai, submitted a project proposal for setting up facility for separation of antigens and proteins from native source, i.e., liquid bio-medical waste such as ascetic/plural fluids, HbsAg +ve blood, fluids from cancer patients, Meconium (ie., first stool of new born baby), cord blood etc. These antigens and proteins have diagnostic importance, which are used as standards or calibrators in diagnostic kits. Native source origin is preferred. The company's plant is located in Navi Mumbai and its in-house R&D unit is recognized by DSIR.

TDB provided a loan of Rs. 200 lakhs under an agreement signed between the company and TDB in February 2004. The project was completed in March 2005.

Cardiac related services

Ravindranath GE Medical Associates Private Limited, Hyderabad, have established the cardiac related services at the Global Hospital. TDB has provided a loan assistance of Rs. 490 lakhs. The hospital started the cardiac surgeries in January 2004.

The hospital reported (December 2004) that out of 17 liver transplants conducted at the hospital, 15 patients are alive and doing well which is considered as a respectable success. The hospital has performed more than 50 kidney transplants. TDB has provided a loan assistance of Rs. 1020 lakhs against the project under an agreement signed in March 2004.

पेपटाइड आधारित लोशन

एस्सार फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने फुलहारी के उपचार के लिए - मेलगिन-नामक अपना पेपटाइड आधारित लोशन प्रारंभ किया । कम्पनी ने बताया कि उसने इसे अमरीका, आस्ट्रेलिया और भारत में पेटेन्ट करा लिया है । यह औषधि मेलानोसाइट्स के पुनर्विकास को बढ़ावा देने में समर्थ है और इससे चर्म का री-पिगमेनटेशन होता है । कम्पनी का इरादा, फुलहारी का उपचार करने, चर्म की टेनिंग और चर्म की झुर्रियों को कम करने के लिए पेपटाइड लोशन/जेल/आइन्टमेंट के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करने और उसका वाणिज्यिकरण करने का है । प्रौद्योगिकी का विकास प्रोफेसर रमैय्या अब्बुरी द्वारा किया गया है जो 'एम्स' नई दिल्ली में वैज्ञानिक हैं। टी डी बी ने मार्च, 2003 में हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के अंतर्गत इस परियोजना के लिए 275 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की ।

Peptide based lotion

Issar Pharmaceuticals Private Limited, Hyderabad, launched its peptide-based lotion Melgain for the treatment of vitiligo in August 2004. The company has reported that it has patented it in USA, Australia and India. The drug is able to stimulate the re-growth of melanocytes and results in re-pigmentation on the skin. The company intends to develop and commercialise the technology for the peptide lotion / gel / ointment to treat vitiligo, tanning of skin and reduce wrinkles in skin. The technology has been developed by Professor Ramaiah Abburi, who was a scientist in AIIMS, New Delhi. TDB has provided a loan assistance of Rs. 275 lakhs for this project under an agreement signed in March 2003.

एस्सार फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा निर्मित विटिलिगो का उपचार करने हेतु पेपटाइड आधारित लोशन
Peptide-based lotion for the treatment of vitiligo manufactured by Issar Pharmaceuticals Private Limited, Hyderbad

ग्रामीण अनुप्रयोग हेतु कोर-डेक्ट डब्ल्यूएलएल पद्धति

मेसर्स एन-लॉग कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, ने ग्रामीण अनुप्रयोग हेतु कोर डेक्ट डब्ल्यू एल एल पद्धति को स्तरोन्नत करने की इच्छा व्यक्त की है। कम्पनी ने आई आई टी-मद्रास और मेसर्स मिधास कम्पयुनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई के साथ एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिन्होंने बेसिक कोर डेक्ट-डब्ल्यू एल एल प्रौद्योगिकी और इसके स्तरोन्नत रूपान्तरों के लिए, देशज आर एंड डी प्रयासों के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकसित की है।

इस बात को समझते हुए कि इस उद्यम की सफलता की कुंजी इन्टरनेट संयोज्यता मात्र नहीं बल्कि सामग्री के साथ इन्टरनेट है, कम्पनी को ई-अधिशासन अनुप्रयोगों को प्रेरित करने के लिए राज्य सरकारों के साथ गठजोड़ किए जाने की उम्मीद है। यह सेवा, विशेष रूप से ग्रामीण लोगों के स्वास्थ्य और आर्थिक कल्याण की दृष्टि से उपभोक्ता-अनुकूल होगी।

कम्पनी ने नवम्बर, 2004 तक 1440 किओस्क स्थापित किए हैं। टी डी बी ने, मार्च, 2003 में हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के अंतर्गत 250 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की।

corDECT WLL system for rural application

M/s n-Logue Communications Private Limited, Chennai, desired to up-grade corDECT WLL system for rural application. The company entered into a MoU with IIT-Madras and M/s Midhas Communications Private Limited, Chennai, who have developed the technology through indigenous R&D efforts, for the basic corDECT-WLL technology and its upgraded versions

Recognizing that key to success in this venture is not just internet connectivity alone but internet with content, the company expects to tie up with state governments to drive e-governance applications. The service would be user-friendly especially in relation to health and economic well being of the rural folks.

The company had set up 1440 kiosks till November 2004. TDB has provided loan assistance of Rs. 250 lakhs under an agreement signed in March 2003.

पेय जल शोधक

मेम्ब्रेन फिल्टर्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, ने, नेशनल केमिकल लेबोरेटरी, पुणे द्वारा, जो सीएसआईआर की एक संघटक यूनिट है, विकसित मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन प्रौद्योगिकी पर आधारित पेय जल शोधकों के विनिर्माण के लिए टी डी बी से वित्तीय सहायता की मांग की । टी डी बी ने, अप्रैल, 2004 में हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के अंतर्गत 40 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की । कम्पनी ने मार्च, 2005 में परियोजना पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

Drinking water purifiers

Membrane Filters (India) Private Limited, Pune, sought financial assistance from TDB for the manufacture of drinking water purifiers based on membrane filtration technology, developed by National Chemical Laboratory, Pune, a constituent unit of CSIR. TDB provided a loan assistance of Rs. 40 lakhs under an agreement signed in April 2004. The company submitted the project completion report in March 2005.

मेम्ब्रेन फिल्टर्स (इण्डिया) प्राईवेट लिमिटेड, पुणे, द्वारा विकसित पेय जल शोधक
Drinking water purifier manufactured by Membrane Filters (India) Private Limited, Pune

मूल्य वर्धित केला आधारित उत्पाद

ड्रोवन एग्रो-बायो वेन्चर्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई ने अपने प्रसंस्करित मूल्य वर्धित केला आधारित उत्पाद शुरू किए, जैसे कि फिग, जाम और सॉस, अचार और जूस । दि नेशनल रीसर्च सेंटर फॉर बनाना, तिरूचिरापल्ली ने (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की एक संघटक इकाई) प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराई । परियोजना, गोल्डन जुबली बायोटेक पार्क फॉर वीमेन, सिरूसेरी ग्राम, कॉचीपुरम जिले, में स्थित है । टी डी बी ने, मार्च, 2004 में हस्ताक्षरित एक अनुबन्ध के अंतर्गत इस परियोजना के लिए 40 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की । परियोजना अक्तूबर, 2004 में पूरी हो गयी ।

निस्सारी उपचार

उगार सुगर वर्क्स लिमिटेड, सांगली को, अपनी मद्यनिर्माणशालाओं से निस्सारी के उपचार के संबंध में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानदण्ड प्राप्त न करने की समस्या का सामना करना पड़ रहा था । कम्पनी ने, एसएसपी लिमिटेड, फरीदाबाद द्वारा विकसित निस्सारी के उपचार के संबंध में प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए टी डी बी से सम्पर्क किया । टी डी बी ने जून, 2003 में हस्ताक्षरित एक ऋण अनुबन्ध के अंतर्गत इस परियोजना के कार्यान्वयन हेतु 56 लाख रुपए की ऋण सहायता प्रदान की । कम्पनी ने जनवरी, 2005 में बायो-मेथानेटिड डिस्टीलियरी निस्सारी उपचार के लिए सुविधा के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन की रिपोर्ट की ।

Value added banana based products

Dorven Agro-Eco-Bio Ventures Private Limited, Chennai, launched its processed value added banana based products, namely fig, jam and sauce, pickles and juice. The National Research Centre for Banana, Tiruchirappalli (a constituent unit of the Indian Council for Agricultural Research) has provided the technology. The project is located at Golden Jubilee Biotech Park for Women at Siruseri village, Kanchipuram District. TDB has provided a loan assistance of Rs. 40 lakhs for this project under an agreement signed in March 2004. The project is completed in October 2004.

Effluent treatment

The Ugar Sugar Works Limited, Sangli, was facing a problem of not achieving the norms of the State Pollution Control Board for treatment of the effluent from its distilleries. The company approached TDB for adopting the technology for the treatment of the effluent developed by SSP Limited, Faridabad. TDB provided a loan assistance of Rs. 56 lakhs for implementing this project under a loan agreement signed in June 2003. In January 2005, the company reported successful commissioning of the facility for post - biomethanated distillery effluent treatment.

परियोजना प्रस्तावों की जाँच-पड़ताल
Processing of Project Proposals

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी.डी.बी.) से वित्तीय सहायता चाहने वाली किसी भी औद्योगिक इकाई को, जब भी वह आवेदन करना चाहे, निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए क्योंकि टी.डी.बी. पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता है । प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड को वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप व अन्य विवरण 'परियोजना वित्तपोषण मार्गनिर्देश' नामक एक पुस्तिका में उपलब्ध हैं जिसे टी.डी.बी.द्वारा निःशुल्क दिया जाता है ।

Any industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format whenever it wants to apply as TDB receives the application throughout the year. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB.

प्राप्त आवेदन पत्र (2004-05)
Applications Received (2004-05)

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

क्र.सं. No.	राज्य State / Union Territory		आवेदन-पत्रों की संख्या Number of applications	अनुमानित कुल लागत Estimated total cost	टीडीबी से चाही गई सहायता Assistance sought from TDB
1	आंध्र प्रदेश	Andhra Pradesh	11	276.02	91.84
2	चण्डीगढ़	Chandigarh	1	22.50	11.00
3	छत्तीसगढ़	Chattisgarh	4	188.84	87.88
4	दिल्ली	Delhi	4	13.30	5.13
6	हरियाणा	Haryana	1	1.40	0.48
7	कर्नाटका	Karnataka	5	347.58	89.78
8	महाराष्ट्र	Maharshtra	7	144.79	61.19
9	पंजाब	Punjab	2	172.21	24.00
10	तमिल नाडू	Tamil Nadu	6	3530.05	213.65
11	पश्चिमी बंगाल	West Bengal	2	16.47	10.25
	जोड़	Total	43	4713.16	595.20

क्षेत्रक-वार प्राप्त आवेदन पत्र

वित्तीय सहायता चाहने वाले आवेदन-पत्र विविध क्षेत्रकों से संबंधित थे । आवेदन-पत्र प्राप्ति का क्षेत्रकवार विश्लेषण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

Applications Received Sector-wise

The applications received seeking financial assistance from TDB cover a wide spectrum. The sector-wise analysis of receipt of applications is given in the table below.

क्षेत्रक-वार प्राप्त आवेदन पत्र (2004-05)
Applications Received Sector-wise (2004-05)

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

क्षेत्रक Sector		आवेदन-पत्रों की संख्या Number of applications	अनुमानित कुल लागत Estimated Total cost	टीडीबी से चाही गई सहायता Assistance sought from TDB
इंजीनियरिंग	Engineering	17	438.26	153.49
स्वास्थ्य और मेडिकल	Health & Medical	7	188.39	50.25
उर्जा और कूड़ा–कचरा उपयोग	Energy & Waste Utilisation	4	153.63	46.90
कृषि	Agriculture	4	17.95	3.18
सूचना प्रौद्योगिकी	Information Technology	3	23.19	9.45
सड़क परिवहन	Road Transport	2	33.81	15.80
पेट्रोलियम	Petroleum	1	3480.00	200.00
पर्यटन	Tourism	1	9.90	7.00
रसायन	Chemicals	1	6.08	3.03
इलेक्ट्रोनिक्स	Electronics	1	1.95	1.10
अन्य (उद्यम निधियां)	Others (Venture Funds)	2	360.00	105.00
जोड़	**Total**	**43**	**4713.16**	**595.20**

आवेदनकर्ताओं का विवरण

टीडीबी को वर्ष 2004-05 के दौरान प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियों, सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों आदि से आवेदन प्राप्त हुए जैसा कि निम्न तालिका से देखा जा सकता है:

Profile of Applicants

TDB received applications from private limited companies, public limited companies, etc., during the year 2004-05, as may be seen from the table given below.

आवेदनकर्ताओं का विवरण (2004-05)
Profile of Applicants (2004-05)

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

Category		आवेदन-पत्रों की संख्या Number of Applications	अनुमानित कुल लागत Estimated Total Cost	टीडीबी से चाही गई सहायता Assistance sought from TDB
प्राइवेट लि० कंपनियाँ	Private limited companies	21	624.74	191.76
सार्वजनिक लि० कंपनियाँ समझी जाने वाली निकटतः धारित कंपनियाँ शामिल हैं	Public limited companies including deemed closely held companies	21	4086.83	402.94
व्यक्तिगत	Individuals	1	1.59	0.50
जोड़	**Total**	**43**	**4713.16**	**595.20**

आवेदनों की प्रारम्भिक जाँच

वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों की जाँच प्रारंभिक जाँच समिति (आईएससी) द्वारा आवेदन की पूर्णता, परियोजना का उद्देश्य प्रौद्योगिकी की स्थिति आदि को दृष्टि में रख कर की जाती है । ऐसी जाँच में आवेदक तथा प्रौद्योगिकी की प्रदाता के साथ आरंभिक चर्चाएं शामिल हैं जो अपूर्ण जानकारी/विवरण अथवा प्रस्तुतीकरण प्राप्त करने के अतिरिक्त है । यदि आवेदन-पत्र टीडीबी के वित्तीय सहायतार्थ निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करते तो उसकी जानकारी आवेदक को दी जाती है ।

जिन व्यक्तियों ने आवेनद-पत्रों की प्रारंभिक जाँच में मदद की उनकी सूची इस रिपोर्ट के साथ नत्थी है । टीडीबी उनका आभारी है ।

Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project, status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling for wanting information/details or a brief presentation covering the project. If the application is not meeting the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

A list of persons who assisted in the initial screening of applications is appended to this report. TDB is thankful to them.

परियोजना मूल्यांकन

आईएससी की सिफारिशों के आधार पर आवेदन-पत्र को परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी) को भेजा जाता है । पीईसी का गठन परियोजना की प्रकृति व उत्पाद को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक परियोजना के लिए विशिष्ट रूप से किया जाता है और इसमें परियोजना के एक स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए बाहर से संबंधित क्षेत्र से विशेषज्ञ (वैज्ञानिक, तकनीकी और वित्तीय) सम्मिलित होते हैं ।

विशेषज्ञ (सेवारत अथवा सेवानिवृत्त-, सरकारी विभागों, आर एंड डी संगठनों, अकादमिक संस्थाओं, उद्योग, उद्योग एसोसिएशनों, वित्तीय संस्थानों और वाणिज्यिक बैंकों से जुडे होते हैं । पीईसी परियोजना स्थल का दौरा करती है । आवेदनकर्ता को प्रौद्योगिकी प्रदाता के साथ-साथ एक विस्तृत वैज्ञानिक, विपणन, वित्तीय और वाणिज्यिक प्रस्तुतीकरण करने का पूरा अवसर दिया जाता है ।

Project Evaluation

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). For each project, a PEC is constituted keeping in view the nature of the project and the product and consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant field from outside TDB for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks. The PEC visits the project site. The applicant is given full opportunity to give a detailed scientific, technical, marketing, commercial and financial presentation along with the technology provider.

मागेन लाईफ साईंस प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद में आयोजित परियोजना मूल्यांकन बैठक
Meeting of Project Evaluation Committee held at Magene Life Science Private Limited, Hyderabad

मूल्यांकन मापदंड

आवेदन-पत्र का उसके वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय, वाणिज्यिक तथा वित्तीय गुणावगुणों की दृष्टि से मूल्यांकन किया जाता है । मूल्यांकन मापदंड में निम्नलिखित सम्मिलित हैं:-

- सुदृढ़ता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकीय गुणावगुण
- व्यापक प्रयोग की संभाव्यता तथा वाणिज्यिक से प्राप्त होने वाले अपेक्षित लाभ
- प्रस्तावित प्रयास की पर्याप्तता
- प्रस्तावित कार्रवाई नेटवर्क में आर.एण्ड.डी. संस्थानों की समर्थता
- उद्यम की संगठनात्मक तथा वाणिज्यिक क्षमता, जिसमें उसके आंतरिक अर्जन शामिल है ।
- प्रस्तावित लागत और वित्तीय पद्धति की उपयुक्तता
- माप योग्य उद्देश्य, लक्ष्य और माइलस्टोन
- उद्यमकर्ता का पिछला कार्य रिकार्ड ।

Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- Soundness, scientific quality and technological merit
- Potential for wide application and the benefits expected to accrue from commercialisation
- Adequacy of the proposed effort
- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
- Organisational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals
- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern
- Measurable objectives, targets and milestones.
- Track record of the entrepreneur

विश्वसनीयता तथा पारदर्शिता

टीडीबी इस बात को स्वीकार करता है कि गोपनीयता बनाए रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव एक वाणिज्यिक प्रस्ताव है जिसमें नया उत्पाद या प्रक्रिया शामिल है । जिन मामलों में आवेदक यह कहता है कि टीडीबी को उपलब्ध कराई गई कुछ जानकारी विशुद्धतः गोपनीय समझी जानी चाहिए, उसे परियोजना मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञों के बीच परिचालित नहीं किया जाता । प्रक्रियाओं के संबंध में कतिपय महत्वपूर्ण जानकारी प्रकट करने में आवेदक की आशंकाओं की संवेदनशीलता का पीईसी सम्मान करती है ।

आवेदक के साथ पूर्ण विचार-विमर्श के बाद टिप्पणियों और सिफारिशों को पीईसी द्वारा अंतिम रूप दिया जाता है । पीईसी की टिप्पणियों और सुझावों को, बैठक के अंत में आवेदक को मौखिक रूप से संप्रेषित कर दिया जाता है । पीईसी द्वारा परियोजना प्रस्ताव की सिफारिश न किए जाने पर आवेदन-पत्र को, आवेदक को सूचित करते हुए, बंद कर दिया जाता है ।

Confidentiality and Transparency

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. Where the applicant mentions that some of the information provided to TDB has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee. The PEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

After a full discussion with the applicant, the observations and recommendations are finalised by the experts constituting the PEC. The observations and suggestions of the PEC are communicated orally to the applicant at the end of the meeting. If the project proposal is not recommended by PEC, the application is closed under intimation to the applicant.

पीईसी की बैठकें

वर्ष 2004-05 के दौरान परियोजना मूल्यांकन समितियों (पीईसी) की 12 बैठकें हुई ।

वित्तीय सहायता का अनुमोदन

वित्तीय सहायतार्थ पीईसी द्वारा सिफारिश किए गए परियोजना प्रस्तावों पर बोर्ड की एक उप-समिति अथवा स्वयं बोर्ड द्वारा और आगे विचार किया जाता है । बोर्ड के मार्ग निर्देशों के अनुसार बोर्ड के पास भेजने से पहले परिसंपत्ति प्रबंधकों की सहायता से विशिष्ट प्रस्तावों की उचित छानबीन की जाती है ।

मानीटरन तथा समीक्षा

टीडीबी, लाभभोगियों को अनुमोदित सहायता किस्तों में जारी करता है, जो जोखिम सम्बद्ध माइलस्टोन पर आधारित होती है । दूसरी तथा और आगे की किस्तों का जारी किया जाना, अनुमोदित प्रत्येक परियोजना के लिए गठित परियोजना मानीटरन समिति (पीएमसी) की सिफारिशों पर निर्भर करता है । पीएमसी में अनिवार्यतः एक वैज्ञानिक/तकनीकी विशेषज्ञ सम्मिलित होता है जो परियोजना के मूल्यांकन के समय पीईसी का एक सदस्य था ।

वर्ष 2004-05 के दौरान टीडीबी ने, परियोजना मानीटरन समितियों, समीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के माध्यम से 30 बैठकें आयोजित की ।

उन विशेषज्ञों की सूची जिन्होंने पीईसी और पीएमसी की सहायता की

परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन, मानीटरन और परियोजनाओं की समीक्षा करने में संबंधित क्षेत्रों से 85 विशेषज्ञों ने टीडीबी की मदद की । विशेषज्ञों की सूची इस रिपोर्ट के साथ नत्थी है । टीडीबी, उनके द्वारा दिए गए योगदान के प्रति अत्यंत आभारी है ।

Meetings of the PEC

The Project Evaluation Committees (PEC) had 12 meetings in the year 2004-05.

Approval of Financial Assistance

The project proposals recommended by PEC for financial assistance are further considered by a sub-committee of the Board or by the Board itself. In accordance with the guidelines of the Board, due diligence is conducted on specific proposals with the help of asset managers before the proposal is referred to the Board for its consideration.

Monitoring and Review

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in instalments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of instalments depend upon the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved project. The PMC invariably consists of a scientific/technical expert who was a member of the PEC at the time of evaluation of the project.

During the year 2004-05, TDB organised 30 meetings through Project Monitoring Committees, Review meetings and inspections.

List of Experts who assisted the PEC and PMC

TDB was helped by 85 experts from the relevant field in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing of the projects. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.

आवेदन-पत्रों की सारांश स्थित

वर्ष 2004-05 के दौरान टीडीबी द्वारा प्राप्त आवेदन-पत्रों की संख्या तथा 31 मार्च, 2005 को आवेदन-पत्रों की स्थिति के बारे में जानकारी नीचे तालिका में दर्शाई गई है:

Summary Status of Applications

The information regarding the number of applications received by TDB during 2004-05 and the status of applications as on 31st March 2005 are indicated in the table given below:

2004-05 में प्राप्त आवेदन-पत्रों की सारांश स्थिति
Summary Status of Applications Received in 2004-05

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

स्थिति Status		संख्या Number	अनुमानित कुल लागत Estimated Total Cost	टीडीबी से चाही गई सहायता Assistance sought from TDB
प्राप्त आवेदन–पत्र	Applications received	43	4713.16	595.20
31-03-2005 को बंद कर दिए गए	Closed as on 31-3-2005	14	3590.94	256.77
शेष	Balance	29	1122.22	338.43
2004-05 के दौरान हस्ताक्षरित करार	Agreements signed in 2004-05	4	312.87	80.18
31-03-2005 का शेष	Balance as on 31-3-2005	25	809.35	258.25
पीईसी को भेजे गए अथवा पीईसी के बाद जांचे गए	Referred to PEC or processed after PEC	8	177.29	47.69
प्रारंभिक जांच के तहत आवेदन–पत्र	Applications under initial screening	17	632.06	210.56

टिप्पणी: इसमें 2004-05 के दौरान हस्ताक्षरित 7 अनुबन्ध शामिल नहीं हैं क्योंकि आवेदन पत्र वर्ष 2003-04 में प्राप्त हुए थे।

Note: This does not include 7 agreements signed during the year 2004-05 as the applications were received in the year 2003-04.

सक्रियोन्मुखी भूमिका
Pro-active Role

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), औद्योगिक इकाइयों और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदन-पत्रों की जांच-पड़ताल करने के अलावा, सक्रिय भूमिका निभाता है। विचार यह है कि प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यिकरण के लिए टीडीबी की सहायता अनूठी होनीचाहिए। यह टीडीबी के 'दृष्टिकोण पत्र दस्तावेज' का केन्द्र बिन्दु है, जिसे बोर्ड द्वारा अगस्त, 1998 में अनुमोदित किया गया था।

टीडीबी के इस अधिदेश को ध्यान में रखते हुए कि इसे स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास और वाणिज्यिकरण को प्रोत्साहित करना है, बोर्ड ने वर्ष 2004-05 के दौरान निम्नलिखित पहलों का अनुमोदन किया:

(क) प्रौद्योगिकी व्यापार इन्क्यूबेटर्स

प्रौद्योगिकी व्यापार इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई) और साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी एन्ट्रीप्रीन्यूर्स पार्क्स (स्टेप) विकासाधीन औद्योगिकियों या प्रौद्योगिकी विचारों को साकार करने की सुविधाएं हैं ताकि उन्हें बाजार तक पहुंचाया जा सके। यह ऐसे व्यक्तियों की प्रौद्यागिकी उद्यामिता को प्रोत्साहित एवं विकसित करता है जिन्होंने नई शुरूआत की है और जो नई पीढ़ी के उद्यमी है।

कार्यक्रम को, प्रारंभिक अवधारणा को इसके विकास और कार्यान्वयन तथा लाभकारी वाणिज्यिक उद्यम में परिवर्तित करके प्रौद्योगिकी उद्यमियों की सहायता एवं उन्हें बढ़ावा देने में निशिष्टता वाला बनाया गया है। यह नवोदित फर्मों की व्यापारिक उद्यम की नाजुक अवधि अर्थात् प्रारंभिक चरण के दौरान विशेषज्ञ सहायता प्रदान करके उनके सक्षम बने रहने और बढ़ने में मदद करता है।

टीडीबी की पुनरीक्षा समिति ने महसूस किया है कि टीडीबी उचित विचारण के बाद टी बी आई में चुनिंदा आधार पर भाग ले सकता है। जहां टीडीबी द्वारा इन्क्यूबेटीज को ऋण सहायता टी बी आई के बाहर किसी औद्योगिक प्रतिष्ठान पर लागू सामान्य निधि पोषण मार्ग निर्देशों के अनुसार होगी, वहां

The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialisation should be unique. This has been the thrust of TDB's 'Vision Document' approved by the Board in August 1998.

Keeping in view the mandate of TDB that it has to encourage development and commercialization of indigenous technologies, the Board approved the following initiatives during the year 2004-05.

(a) Technological Business Incubators

Technological Business Incubators (TBIs) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) are a facility to incubate technological ideas or technologies under development to enable them to reach the market place. It is to encourage and foster technological entrepreneurship by individuals who are just getting started and by new generation of entrepreneurs.

The programme specializes in supporting and promoting technological enterprises from the initial concept through its development and on to implementation and transition to a profitable commercial enterprise. It helps the young firms to survive and grow by providing specialized support services during the critical period of a business venture i.e. the start-up phase.

The Review Committee on TDB had felt that TDB may selectively participate in TBIs after due diligence. While the loan assistance by TDB to the incubatees would be as per the normal funding guidelines applicable to an industrial concern outside

टी बी आई के लिए कुछ सामान्य उपस्कर खरीदने और प्रगति की गहन मानिटरिंग और टीडीबी, टीबीआई को कुछ न्यूनतम अनुदान प्रदान करने पर विचार कर सकता है । परीक्षणात्मक उपाय के तौर पर प्रारंभ में टी डी बी, डीएसटी के साथ सहयोग कर सकता है जिसने टीबीआई के संबंध में अभी एक कार्यक्रम शुरू किया है और डी एस टी के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एन एस टी ई डी बी) द्वारा प्रशासित विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों के माध्यम से भी सहयोग कर सकता है ।

बोर्ड ने जनवरी, 2005 में यह निर्णय लिया कि टी.डी.बी. परीक्षणात्मक उपाय के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एन ई बी द्वारा प्रसासित इन्क्यूबेटर्स/विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्कों (एसटीईपी) में शुरूआत के लिए मूल सहायता प्रणाली में भाग लेगा । बोर्ड ने इस प्रयोजन के लिए तीन वर्षों की अवधि में 5 करोड रुपए की वित्तीय सहायता अनुदान के रूप में स्वीकृत की है ।

यह वित्तीय सहायता उन्नयन एवं संबंधित कार्य की अपेक्षा वाली प्रौद्योगिकियों के लिये प्रारंभिक स्तर की सहायता की पूर्ति करेगी । वित्तीय सहायता का उपयोग केवल इन्क्यूबेटेड उद्यमी द्वारा ही किया जाएगा और एस टी ई पी/टीबीआई द्वारा सुविधा सृजन हेतु नहीं किया जाएगा । मूल सहायता (सीड सपोर्ट) से 5 वर्ष की अवधि में एक इन्क्यूबेशन फण्ड बनाने के लिये एस टी ई पी/टी बी आई को कार्यान्वित करने में भी मदद मिलेगी । मूल सहायता को टी डी बी और एस टी ई पी/टी बी आई के बीच एक विकासोन्मुखी पहल के रूप में माना जाएगा।

(ख) ए.पी.आई.डी.सी. वेंचर कैपिटल लिमिटेड, हैदराबाद के साथ सह-निवेश अनुबन्ध

टी डी बी ने 16 अगस्त, 2004 को ए पी आई डी सी वेंचर कैपिटल लिमिटेड, हैदराबाद के साथ एक सह-निवेश करार पर हस्ताक्षर किये । इससे टीडीबी, उनके साथ जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रक में उनके द्वारा चुनी गई कंपनियों में इक्विटी में सह-निवेश कर सकेगा । जहां टी डी बी पहले की तरह किसी भी क्षेत्रक की परियोजनाओं में सीधे ही वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगा वहां ए पी आई डी सी वी सी एल करार से टी डी बी अन्यत्र उपलब्ध निधियों तक अपनी पहुंच बना

the TBI, the TDB may consider providing some minimum grant to the TBI for purchase of some common equipment for TBI and for close monitoring the progress and reporting periodically to TDB. To start with, on an experimental measure, TDB may join hands with DST that has just started a programme on TBIs as well as through the Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEP) administered by the National Science and technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of the DST."

The Board decided in January 2005 that TDB would participate in the Seed Support System for Start-ups in Incubators / Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) administered by NEB of the Department of Science and Technology on an experimental measure. The Board sanctioned financial assistance of Rs. 5 crore over a period of three years as grant for this purpose.

The financial assistance would cater to early stage support for technologies requiring up-scaling and related work. The financial assistance would be used by the incubated entrepreneur only and would not be used by the STEP/TBI for facility creation. The seed support would also facilitate the implementing STEPs / TBIs to build up an Incubation Fund over a period of say 5 years. The seed support would be treated as a growth oriented initiative between TDB and STEP/TBI.

(b) Co-investment agreement with APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad

TDB signed a co-investment agreement with APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad, on 16th August 2004. This would enable TDB to co-invest in equity along with them in the companies identified by them in biotechnology sector. While TDB will continue to provide directly financial assistance to projects in any sector as before, the arrangement with APIDC VCL will enable TDB to access the funds available elsewhere. There are not many venture funding agencies that focuses on Biotechnology

पायेगा । ऐसी अनेक उद्यम निधि पोषण एजेंसियां नहीं हैं जो जैव प्रौद्योगिकी परियोजनाओं की प्रारम्भिक चरण में धन व्यवस्था करती हैं । जैव प्रौद्योगिकी उद्यम निधि को एल आई सी, जनरल इंशोरेंस और कुछ वाणिज्यिक बैंकों द्वारा अंशदान दिया जाता रहा है । इस निधि का संचालन ए पी आई डी सी वेंचर कैपिटल लिमिटेड, हैदराबाद एवं वेंचरिष्ट ट्रस्टी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा किया जा रहा है । टी डी बी ने चार वर्ष की अवधि में 30 करोड़ रुपए की धनराशि की वचनबद्धता की है । निधि की संपूर्ण धनराशि 60 करोड रुपए होगी ।

(ग) यू.टी.आई. वेंचर फण्डस मैनेजमेंट कम्पनी लिमिटेड बंगलौर के साथ अनुबन्ध

बोर्ड ने अनुभव किया कि टी डी बी की भागीदारी के माध्यम से यू टी आई वेंचर फण्डस मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (यू वी एफ), बंगलौर के एसेंट इंडिया फण्ड को बढ़ाना लाभकारी होगा । इससे अनेक ऐसी स्कीमों तक पहुंचने का भी अवसर मिलेगा जिन्हें प्रस्तावित निधि की सहायता नहीं मिलती । बोर्ड ने 5 वर्षों की अवधि के लिये 75 करोड़ रुपए की वचनबद्धता का अनुमोदन किया । प्रस्तावित एसेंट इंडिया फंड का आकार 300 करोड़ रुपए का होगा । यह निधि भारत में और भारत में निगमित महत्वपूर्ण प्रचालनों वाली कंपनियों में मुख्य रूप से पूंजी निवेश करने पर जोर देगी ।

टी डी बी, यू वी एफ और यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया इन्वेस्टमेंट एडवाइजरी सर्विसज लिमिटेड, मुम्बई के बीच 25 मार्च, 2005 को करार पर हस्ताक्षर किये गये । यूवीएफ उनके द्वारा प्राप्त प्रस्तावों तक टी डी बी की पहुंच को सुनिश्चित करेगा ताकि टीडीबी के पास उसके विचारार्थ अधिक परियोजना प्रस्ताव मिल सकें । यू वी एफ अंतर-सक्रिय बैठकों आदि में टी डी बी के क्रियाकलापों को लोकप्रियता प्रदान करने के प्रयत्न करेगा । अर्थागम का विभाजन, जिसमें प्रचालन व्ययों, प्रबंधन शुल्कों और अन्य लेन-देन व्ययों को घटाकर निधि निवेशों पर निधि द्वारा अपने शेयर धारकों के बीच किया जाएगा ।

projects providing funds at the early stage. The Biotechnology Venture Fund has been subscribed by LIC, general insurance and some commercial banks. The Fund is being operated by APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad and Ventureast Trustee Company Private Limited, Hyderabad. TDB has committed up to a sum of Rs. 30 crore over a period of four years. The size of the Fund would be Rs. 60 crore.

(c) Agreement with UTI Venture Funds Management Company Private Limited, Bangalore

The Board felt that it would be advantageous through TDB's participation to leverage the Ascent India Fund of UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UVF), Bangalore. It would also give an opportunity to access a large number of schemes which may not find favour by the proposed Fund. The Board approved a commitment up to Rs. 75 crore over 5 years. The size of the proposed Ascent India Fund would be Rs. 300 crore The Fund shall focus on investing primarily in companies with significant operations in India and incorporated in India.

The agreement between TDB, UVF and Unit Trust of India Investment Advisory Services Limited, Mumbai, was signed on 25th March 2005. UVF would enable TDB to have access to the proposals received by them so as to enable TDB to have more number of project proposals for its consideration. UVF would endeavour to popularise TDB's activities in interactive meetings etc. Distribution proceeds comprising of income received by the Fund on Fund Investments net of operating expenses, management fees and other transactional expenses shall be distributed by the Fund to unit holders.

प्रोत्साहन क्रियाकलाप
Promotional Activities

प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

25 मई, 1998 को 1997 के शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्रदान करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने यह घोषणा की थी कि 11 मई को अब आगे से 'प्रौद्योगिकी दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने औद्योगिक प्रतिष्ठान द्वारा 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल - वाणिज्यिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' शुरू करने का निर्णय लिया। इस राष्ट्रीय पुरस्कार के दो हिस्से हैं (1) एक पुरस्कार उस औद्योगिक प्रतिष्ठान को जिसने स्वदेशी प्रौद्योगिक का सफलतापूर्वक वाणिज्यिकरण किया है, और (2) दूसरा ऐसी प्रौद्योगिक के निर्माता/प्रदायक को पुरस्कार। प्रत्येक पुरस्कार में पांच लाख रुपए का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी शामिल है। नकद पुरस्कार को आयकर से छूट प्राप्त है। यह राष्ट्रीय पुरस्कार पहली बार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किया गया।

लघु उद्योग इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टी डी बी ने मई, 2001 से लागू ऐसी लघु उद्योग इकाई को 2 लाख रुपए का नकद पुरस्कार देना शुरू किया जिसने प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद का सफलतापूर्वक वाणिज्यिकरण किया हो।

National Awards on Technology Day

While presenting the 1997 Shanti Swarup Bhatnagar Awards on 25th May 1998, the then Prime Minister Shri Atal Behari Vajpayee, had announced that 11th May would henceforth be celebrated as 'Technology Day'.

The Technology Development Board decided to institute a 'National Award for successful commercialization of indigenous technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialised the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component will carry a cash award of five lakh rupees and a trophy. The cash award is exempt from income tax. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999.

Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced, from May 2001, a cash award of Rs. 2 lakhs to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product.

राष्ट्रीय पुरस्कार, 2004

ऐसे प्रौद्योगिकी प्रतिष्ठान, जिन्होंने अप्रैल 1999 के बाद स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का वाणिज्यिकरण कर लिया था, प्रौद्योगिकी दिवस 11 मई, 2004 को प्रदान किए जाने के लिए पुरस्कार प्राप्त करने हेतु आवेदन करने के पात्र थे । विज्ञापनों के प्रत्युत्तर में टी डी बी को 82 आवेदन पत्र हुए - 51 आवेदन पत्र 10 लाख रुपए के पुरस्कार कि लिए थे और 31 आवेदन पत्र 2 लाख रुपए के पुरस्कार के लिये थे ।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2004 के लिये चयन समिति डॉ0 के0 कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में गठित की गई और प्रोफेसर राजेन्द्र कुमार, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर, डॉ0 राकेश जयाल, सी.ई.ओ., लोहिया मशीन टूल्स लिमिटेड और श्री सुरेश चन्द्र, अपर सचिव एवं विकास आयुक्त, लघु उद्योग विभाग, भारत सरकार, इसके सदस्यों के रूप में शामिल थे ।

चयन समिति ने स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल विकास एवं वाणिज्यिकरण,अर्थात् द्रवीकृत वेड-रिएक्टर पुनरुत्पादन प्रणाली में इंडमैक्स उत्प्रेरक का उपयोग करके अपशिष्ट पदार्थों एवं अन्य भारी हाइड्रोकार्बन्स को एल पी जी और उच्च - आक्टेन गैसोलीन में परिवर्तत करने के लिए इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड का 10 लाख रुपए के राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु चयन किया । इनडेन मैक्सीमाइजेशन प्रौद्योगिकी आंतरिक अनुसंधान एवं विकास यूनिट के माध्यम से विकसित सुधार प्रक्रिया के लिये है । इन्डमैक्स प्रौद्योगिकी की प्रक्रिया एवं कैटेलिस्ट को अमरीकी, यूरोपीय और भारतीय पेटेंटों के माध्यम से संरक्षण दिया गया है ।

National Award 2004

The industrial concerns that have commercialised indigenous technologies after April 1999 were eligible to apply for the awards to be presented on Technology Day, 11th May 2004. In response to the advertisements, TDB received 82 applications - 51 applications for the award of Rs. 10 lakhs and 31 applications for the award of Rs. 2 lakhs.

The Selection Committee, constituted for the National Award 2004, consisted of Dr. K. Kasturirangan as Chairman, Professor Rajendra Kumar, Indian Institute of Science, Bangalore, Dr. Rakesh Jayal, CEO, Lohia Machine Tools Limited, and Shri Suresh Chandra, Additional Secretary and Development Commissioner, Department of Small Scale Industries, Government of India, as Members.

The Selection Committee selected Indian Oil Corporation Limited for the National Award of Rs. 10 lakhs for the development and successful commercialisation of indigenous technology, namely, conversion of residue and other heavy hydrocarbons into LPG and high-octane gasoline using INDMAX catalyst in a fluidised bed reactor regenerated system. InDane Maximization technology is for process improvement developed through in-house R&D unit. The process and catalyst of INDMAX technology is protected through US, European and Indian Patents.

लघु उद्योग एकक के लिए पुरस्कार - 2004

चयन समिति ने सहजानन्द लेजर टेक्नालाजी, अहमदाबाद और मेकप्रो हैवी इंजीनियरिंग लिमिटेड, नई दिल्ली को लघु उद्योग एकक पुरस्कार के लिए चुना ।

सहजानन्द लेजर टेक्नालॉजी, अहमदाबाद को खुरदरे हीरों की लेजर प्लानिंग और मैपिंग के सफल वाणिज्यिकरण के लिए चुना गया । तदनुसार लेजरप्लानर उसकी अशुद्धताओं और सूक्ष्म दरारों का पता लगाता है, और अपरिष्कृत स्टोन की अधिकतम मात्रा एवं संहति का आकलन करता है । लेजर विस्थापक सेंसर दूरी को नापता है और साफ्टवेयर की सहायता से यह अपरिष्कृत स्टोन की सही 3-डी ठोस तस्वीर तैयार करता है । इससे कच्चे माल की बर्बादी समाप्त होती है और हीने के अधिकतम कैरट की बचत होती है ।

मै0 मैकप्रो हैवी इंजीनियरिंग लिमिटेड, नई दिल्ली को निर्गत वायु (वेंट एयर) शुद्धिकरण प्रणाली और कम तापमान पर 'मिसेला सेपरेशन सिस्टम' के सफल वाणिज्यिकरण हेतु चुना गया । दोनों प्रणालियों का उपयोग खाद्य तेल शोधन उद्योग में किया जाता है और विलायक आवसन संयंत्र में इन्हें लगाया जाता है । यह पर्यावरण के अनुकूल है, हेक्सेन खपत कम करते हैं और तेल की गुणवत्ता सुधारते हैं ।

बोर्ड पुरस्कार विजेताओं की सिफारिश करने के लिए चयन समिति के सदस्यों का आभार प्रगट करता है । आम चुनावों के बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया था । बाद में यह भी निर्णय लिया गया कि 2 लाख रुपए के पुरस्कार को साझेदारी के बजाए दोनों लघु उद्योग यूनिटों को दो-दो लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाए ।

Award for SSI Unit 2004

The Selection Committee selected Sahajanand Laser Technology, Ahmedabad and Mecpro Heavy Engineering Limited, New Delhi, for the award for SSI Unit.

Sahajanand Laser Technology, Ahmedabad, was selected for the successful commercialization of Laser Planning and Mapping of rough diamonds. Laser Planner identifies impurities and micro cracks and accordingly, judges maximum volume and mass from a rough stone. Laser displacement sensor measures distance and with the help of software, it creates a true 3-D solid image of rough stone. This results in eliminating wastage of raw material and saving maximum carat of diamond.

M/s Mecpro Heavy Engineering Limited, New Delhi, was selected for the successful commercialization of Vent Air Purification System and Low Temperature Miscella Separation System. Both systems are used in edible oil refining industry and installed in solvent extraction plant. They are environment friendly, reduce Hexane consumption besides improving the quality of oil.

The Board expresses its grateful appreciation to the members of the Selection Committee for recommending the award winners. It was decided to hold the award presentation function after the general election. It was further decided to give away Rs. 2 lakhs each to both the SSI units instead of sharing the award of Rs. 2 lakhs.

पुरस्कार वितरण

भारत के राष्ट्रपति डा0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम 30 जून, 2004 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित प्रौद्योगिकी दिवस, 2004 के राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि थे। राष्ट्रपति ने मेसर्स/इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड को 10 लाख रुपए का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने लघु उद्योग यूनिट, सहजानन्द लेजर टेक्नालॉजी, अहमदाबाद और मैकप्रो हैवी इंजीनियरिंग लिमिटेड, नई दिल्ली को 2 लाख रुपए और एक ट्राफी भी प्रदान की।

श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा महासागर विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने स्वागत भाषण दिया। इस समारोह में काफी लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर टी डी बी ने एक प्रदर्शनी आयोजित की जिसमें टी डी बी से वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं और टी डी बी की सहायता से वाणिज्यिक उद्यमों द्वारा तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। टी डी बी ने इस अवसर पर एक पुस्तिका एवं इश्तहारों को भी प्रकाशित किया।

उद्योग के साथ आपसी विचार-विमर्श बैठकें

टीडीबी, उद्योग संघों, अनुसंधान एवं विकास संगठनों आदि के माध्यम से उद्योग संभावित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी प्रदायकों के साथ अनेक पारस्परिक विचार-विमर्श बैठकों का आयोजन करता है। टीडीबी विभिन्न प्रदर्शनियों में भाग भी लेता है।

इन बहुविषयात्मक मंचों के माध्यम से टीडीबी का लक्ष्य उद्योगों, आर एंड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग में आंतरिक आर एंड डी इकाइयों, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठनों आदि में, विशेष रूप से स्वदेश में विकसित

Presentation of the awards

The President of India, Dr. A.P.J. Abdul Kalam, was the Chief Guest at the National Awards function of the Technology Day 2004 held on 30th June 2004 at Pragati Maidan, New Delhi. The President of India presented the National Award of Rs. 10 lakhs to M/s Indian Oil Corporation Limited. He also presented Rs. 2 lakhs and a trophy to the SSI units, Sahajanand Laser Technology, Ahmedabad and Mecpro Heavy Engineering Limited, New Delhi.

Shri Kapil Sibal, Minister of State (Independent Charge) for Science and Technology and Ocean Development gave the welcome address. The function was very well attended.

On this occasion, TDB organized an exhibition consisting of posters depicting projects financially assisted by TDB and products brought out by commercial enterprises with TDB's assistance. TDB also brought out a brochure and pamphlets on this occasion.

Interactive Meetings with Industry

TDB organises a series of interactive meetings with industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations, R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the industries, R&D organisations, academic institutions, in-house R&D units in the industry, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of

प्रौद्योगिकियों के लिए उनके वाणिज्यिक प्रयासों के लिए आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता उपलब्धता के बारे में जागरूकता फैलाना है । संभावी निवेशकों को प्रौद्योगिकीय और नूतन परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं ।

ये बैठकें सितम्बर, 1996 से अब तक अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, बीकानेर, चंडीगढ़, चेन्नई, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली, गंगटोक, गुडगांव, हैदराबाद, इम्फाल, इंदौर, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोची, कोलकाता, लखनऊ, लुधियाना, मदुरई, मुम्बई, मैसूर, नागपुर, पुणे, राजामुंदरी, राजापालायम, राजकोट, रूद्रपुर, शिमला, तिरुवनंतपुरम, तिरुचिरापल्ली, उदयपुर, वापी और विजयवाड़ा में की गई ।

टीडीबी द्वारा अभी तक हस्ताक्षारित राज्यवार करारों का विश्लेषण यह बताता है कि अब तक शामिल न किए गए राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों में संयंत्रों की स्थापना तथा स्वदेशी प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए वाणिज्यिक उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए और प्रयास करने की आवश्यकता है ।

टीडीबी की समीक्षा समिति ने सिफारिश की है कि टीडीबी द्वारा वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त सफल उद्यमियों को ऐसी पारस्परिक विचार-विमर्श बैठकों में शामिल किया जा सकता है । टीडीबी की समीक्षा समिति ने यह भी सिफारिश की कि नियमित रूप से रोड शो आयोजित किए जाने चाहिए और एक योजनाबद्ध तरीके से, वाणिज्य चैम्बरों, व्यापार एसोसिएशनों एवं संस्थानों के निकट समन्वय से किए जाने चाहिए और ये पूरे देश में किए जाने चाहिए ।

टीडीबी के अधिकारियों ने वर्ष 2004-05 के दौरान आयोजित उद्योग तथा संस्थानों के साथ आपसी विचार-विमर्श बैठकों में भाग लिया, जिनका उल्लेख नीचे किया गया है:-

financial assistance on soft terms for their commercialisation efforts especially for indigenously developed technologies. Potential investors were presented with technological and innovative projects.

Such meetings have been held at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Chandigarh, Chennai, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Gangtok, Gurgaon, Hyderabad, Imphal, Indore, Jaipur, Jammu, Kanpur, Kochi, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madurai, Mumbai, Mysore, Nagpur, Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Rudrapur, Shimla, Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vijayawada since September 1996.

An analysis of the State-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

The Review Committee on TDB has recommended that successful entrepreneurs, assisted financially by TDB, may be associated in such interactive meetings. The Review Committee on TDB has also recommended that road shows should be organised regularly and in a planned manner in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions and it should be spread all over the country.

TDB officers participated in exhibitions and interactive meetings held with industry and institutions during 2004-05. These are listed below.

11-13, जुलाई, 2004: कर्नाटक सरकार द्वारा प्रवर्तित और बायोटेक्नालॉजी विजन ग्रुप द्वारा आयोजित बंगलौर बायो 2004, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी बंगलौर में आयोजित की गई । इस तीन दिन के समारोह में 19 विदेशी कंपनियों सहित 104 कंपनियों ने भाग लिया । इसमें भारत और विदेश से 15,000 व्यापारियों और 35,000 आम दर्शकों ने भाग लिया । टी डी बी ने अपने द्वारा सहायित परियोजनाओं से संबंधित पोस्टरों के साथ् ट्रेड-शो में भाग लिया । श्री एच0 पुरुषोत्तम, वैज्ञानिक 'जी' ने टी डी बी की ओर से समन्वय कार्य किया । टी डी बी के स्टाल को सर्वोत्तम स्टालों में चुना गया और टीडीबी को पुरस्कार समारोह में शील्ड प्रदान की गई

17-18, जुलाई, 2004: कृषि मंत्रालय के नारियल विकास बोर्ड ने बंगलौर में नारियल पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया । बोर्ड के अनुरोध पर श्री एस0 बी0 कृष्णन ने 18 जुलाई, 2004 को 'तकनीकी विकास बोर्ड के क्रियाकलापों' पर एक लेख प्रस्तुत किया ।

27, सितम्बर, 2004: राजस्थान उद्यम पूंजी निधि ने भारतीय उद्यम पूंजी संघ, भारतीय उद्योग संघ, और सिडबी के सहयोग से' उद्यम पूंजी - वित्त पोषण: पूंजी निर्माण अधिकतम करना' पर एक दिन का सम्मेलन जयपुर में आयोजित किया । श्री एम. एल. गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' ने टी डी बी पर एक प्रस्तुतीकरण दिया । इस सम्मेलन का उदघाटन श्री नरपत सिंह राजवी, उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार ने किया ।

14-19, अक्तूबर, 2004: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने विकास कार्यक्रम सूचना, विश्व बैंक और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के साथ 'ग्लोबल फोरम ऑन बिजनेस इन्कयुबेशन: क्रिएटिंग कंडीशंस फॉर इनोवेशन' पर नई दिल्ली में एक सम्मेलन आयोजित किया । इस मंच में लगभग 60 विकासशील और विकसित देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया । टी डी बी ने इस बैठक को प्रायोजित किया था । 19 अक्तूबर, 2004 की घोषणा ने

July 11-13, 2004: Bangalore Bio 2004, International Conference and Exhibition, promoted by the Government of Karnataka and organized by the Vision Group on Biotechnology was held at Bangalore. As many as 104 companies including 19 from abroad participated in the three day event. This event attracted 15,000 business visitors and 35,000 general visitors from India and abroad. TDB participated in the Tradeshow with posters relating to projects assisted by TDB. Shri H. Purushotham, Scientist-G, coordinated from TDB. TDB's stall was adjudged as one of the best stalls and TDB received a shield at the awards function.

July 17-18, 2004: The Coconut Development Board, Ministry of Agriculture, had organized, in Bangalore, a seminar on coconut. In response to the Board's request, Shri S.B. Krishnan presented a paper on 'Activities of Technology Development Board' on 18th July 2004.

September 27, 2004: Rajasthan Venture Capital Fund, in association with Indian Venture Capital Association, Confederation of Indian Industry, and SIDBI organized a one day conference on "Venture Capital Financing : Maximising Wealth Creation" in Jaipur. Shri M.L. Gupta, Scientist-G, made a presentation on TDB. The conference was inaugurated by Shri Narpat Singh Rajvi, Minister for Industries, Government of Rajasthan.

October 14-19, 2004: The Department of Science and Technology together with the Information for Development Program, World Bank and Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry organized a 'Global Forum on Business Incubation: Creating Conditions for Innovation' at New Delhi. Delegates from about 60 developing and developed countries were present in this Forum. TDB had co-sponsored this meeting. The Declaration on 19th October 2004 called for national and regional Governments to create and sustain environments and

इन्क्यूबेशन फण्डों की स्थापना जैसे ठोस उपायों से माइक्रो, स्माल और मीडियम आकार के उद्यमों की निरंतर वृद्धि के अनुकूल परिवेश और नीतियां सृजित करने और उन्हें बनाये रखने का आह्वान किया ।

19-20, अक्तूबर, 2004: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग तथा भारतीय उद्योग संघ ने नई दिल्ली में 'टेक्नोलाजी समिट एंड टेक्नोलाजी प्लेटफार्म 2004' का आयोजन किया । श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा महासागर विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने सम्मेलन का उद्घाटन किया, उदघाटन भाषण दिया और प्लेटफार्म का उदघाटन किया । प्रोफेसर वी.एस. रामामूर्ति ने विशाल जनसमूह को संबोधित किया जिसमें रूस फेडरेशन और भारत से वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और उद्यमी शामिल थे । टीडीबी ने प्रदर्शनी में भाग लिया ।

policies conducive to the sustainable growth of micro, small and medium-sized enterprises by concrete measures such as the establishment of incubation funds.

October 19-20, 2004: The Department of Science and Technology and Confederation of Indian Industry organized 'Technology Summit & Technology Platform 2004' in New Delhi. Shri Kapil Sibal, Minister of State (Independent Charge) for Science & Technology and Ocean Development inaugurated the summit, delivered the inaugural address and inaugurated the Platform. Professor V.S. Ramamurthy addressed the large gathering consisting of scientists, academicians and entrepreneurs from Russian Federation as well as from India. TDB participated in the exhibition.

श्री कपिल सिब्बल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं ओशियन डवलेपमेण्ट द्वारा आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए

Shri Kapil Sibal, Minister of State (Independent Charge) for Science & Technology and Ocean Development, delivering the inaugural address at the Workshop

31 अक्तूबर से 2 नवम्बर, 2004: टी डी बी ने आई सी आई सी आई नालेज पार्क द्वारा हैदराबाद में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया । सम्मेलन में श्री पुरुषोत्तम ने औद्योगिक प्रतिष्ठानों को टी डी बी एवं इसकी निधि पोषण प्रणाली के बारे में जानकारी दी ।

2, दिसम्बर, 2004: श्री पुरुषोत्तम ने नई दिल्ली में 'फिक्की' द्वारा नई दिल्ली में आयोजित सरकारी - निजी भागीदारी पर भारत - अमरीकी फोरम गोलमेज में भाग लिया।

8-9, दिसम्बर, 2004: इंडो-फ्रेंच सेंटर फॉर दि प्रोमोशन आफ एंडवांस्ड रिसर्च (आई एफ सी पी ए आर), नई दिल्ली ने 'अनुसंधान एवं उद्योग के बीच नवोन्मेष और संबंध' पर नई दिल्ली में एक संगोष्ठी का आयोजन किया । श्री पुरुषोत्तम ने 'नवोन्मेष की सहायता के लिए उपलब्ध आधार - सुविधाओं' पर एक वार्ता भी प्रसारित की ।

13, दिसम्बर, 2004: भारतीय उद्योग संघ, आटोमोटिव कम्पोनेंट मैनुफैक्चरर्स एसोशिएसन ऑफ इंडिया, टाइफैक और टी डी बी ने गुड़गांव में आटो कम्पोनेंट क्षेत्रक में तकनीक-व्यापारिक अवसरों पर एक कार्यशला आयोजित की । श्री कपिल सिब्बल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं महासागर विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने उद्घाटन भाषण दिया । प्रोफेसर वी.एस. रामामूर्ति ने इस विषय पर वक्तव्य दिया । श्री पुरुषोत्तम ने 'प्रौद्योगिकी वाणिज्यकरण संवर्धन हेतु टी डी बी की निधि पोषण प्रणाली' पर विचार व्यक्त किए । इस कार्यशाला में उद्योग प्रतिनिधियों, वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकिविदों आदि ने बड़ी संख्या में भाग लिया ।

28-31, दिसम्बर, 2004: एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मैटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल, हैदराबाद द्वारा तिरुअनंतपुरम में नवोन्मेष पर आयोजित भारत - अमरीकी कार्यशाला में श्री पुरुषोत्तम ने भाग लिया ।

October 31 to November 2, 2004: TDB participated in the Conference at Hyderabad organized by ICICI Knowledge Park. At the Conference, Shri Purushotham informed about TDB and its funding mechanism to industrial concerns.

December 2, 2004: Shri Purushotham participated in the Indo-US Forum Round Table on Public-Private Partnership organized by Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry in New Delhi.

December 8-9, 2004: The Indo-French Centre for the Promotion of Advanced Research (IFCPAR), New Delhi, had organized a seminar on "Innovation and relations between Research and Industry" at New Delhi. Shri Purushotham delivered a talk on 'Infrastructure available for the support of Innovation'.

December 13, 2004: The Confederation of Indian Industry, Automotive Component Manufacturers Association of India, Technology Information, Forecasting and Assessment Council, and TDB organized a workshop on Techno-Business Opportunities in Auto-Component Sector in Gurgaon. Shri Kapil Sibal, Minister of State (Independent Charge) for Science & Technology and Ocean Development, delivered the inaugural address. Professor V.S. Ramamurthy delivered the theme address. Shri Purushotham spoke on 'Funding Mechanism of TDB for promotion of Technology Commercialization'. The workshop was well attended by industry representatives, scientists, technologists, etc.

December 28-31, 2004: Shri Purushotham participated in the Indo-US Workshop on Innovation, organized at Thiruvananthapuram by the Advanced Research Centre for Powder Metallurgy and New Materials, Hyderabad..

3-7, जनवरी, 2005: भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 92वें सत्र के अवसर पर अहमदाबाद में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में टी डी बी ने भाग लिया ।

8-10, जनवरी, 2005: इंडियन सोसाइटी ऑफ कैमिस्ट्स एंड बायलोजिस्ट ने राजकोट में एक सम्मेलन आयोजित किया । श्री पुरुषोत्तम ने 'औषधि और फार्मा प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण में टी डी बी की भूमिका' पर एक वार्ता प्रस्तुत की । भारत और विदेशों की बड़ी फार्मा० कंपनियों, तकनीकीविदों, अनुसंधानकर्ताओं और शिक्षाविदों का प्रतिनिधित्व करते हुए लगभग 600 लोगों ने सम्मेलन में भाग लिया । इस सम्मेलन में 18 देशों ने भाग लिया ।

4, फरवरी, 2005: इलैक्ट्रानिक्स इंडिया, बंगलौर द्वारा नई दिल्ली में आयोजित माइक्रो प्रणालियों और नैनो प्रौद्योगिकी पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में श्री पुरुषोत्तम ने 'उभरती प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण में टी डी बी की भूमिका' पर एक प्रस्तुतीकरण किया ।

21, फरवरी, 2005: सी एफ टी आर आई और सिडबी द्वारा विजयवाड़ा में आयोजित खाद्य प्रसंस्करण पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम में श्री पुरुषोत्तम ने 'प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यीकरण के लिए डी एस टी, से लेकर एस एम ई तक निधि पोषण अवसरों' पर एक वार्ता प्रस्तुत की ।

23, फरवरी, 2005: 'मिटकान ' पुणे ने पुणे में ज्ञान आधारित उद्यमों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया । श्री पुरुषोत्तम ने 'प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यिकरण के लिए डी एस टी से लेकर एस एम इज़ तक निधि पोषण अवसरों' पर एक वार्ता प्रस्तुत की ।

January 3-7, 2005: TDB participated in an exhibition organized by the Department of Science and Technology on the occasion of the 92nd session of the Indian Science Congress held at Ahmedabad.

January 8-10, 2005: Indian Society of Chemists and Biologists organized a conference at Rajkot. Shri Purushotham gave a talk on 'Commercialization of Drugs and Pharma Technologies Role of TDB'. About 600 people representing major pharmaceutical companies, technocrats, researchers and academia attended the conference from India as well as abroad. 18 countries participated in the conference.

February 4, 2005: Shri Purushotham gave a presentation on 'Commercialising Emerging Technologies Role of TDB' at the International Conference on Business Opportunities in Micro-systems and Nano-technology held at New Delhi and organized by Electronics India, Bangalore.

February 21, 2005: At the Entrepreneur Development Program on Food Processing organized by CFTRI and SIDBI, held at Vijayawada, Shri Purushotham gave a talk on 'Funding opportunities from DST to SMEs for Technology Development and Commercialisation'.

February 23, 2005: MITCON, Pune, organized Faculty Development Program for facilitating Knowledge Ventures at Pune. Shri Purushotham gave a talk on 'Funding Opportunities from DST to SMEs for Technology Development and Commercialization'.

25, फरवरी, 2005: उद्योग विभाग और कामर्स चैम्बर ने रुद्रपुर (उत्तरांचल) में व्यापारी विकास सह औद्योगिक प्रदर्शनी आयोजित की । श्री पुरुषोत्तम ने 'प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यीकरण के लिए डी एस टी से लेकर एस एम इज़ तक निधि पोषण अवसरों' पर एक वार्ता प्रस्तुत की ।

17-18, मार्च, 2005: टी डी बी ने पुणे मे भारतीय उद्योग संघ और इंडिया को वेंचर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, पुणे के साथ 'उभरती प्रौद्योगिकियों में तकनीकी व्यापारी अवसरों पर उद्यम शोकेस' का आयोजन किया । बंगलौर, चेन्नई, कोयम्बतूर और पुणे में कार्यान्वयन के अधीन कुछेक परियोजनाओं के बारे में प्रोमोटर्स द्वारा व्यक्तिगत रूप से एक - एक करके श्री एस.बी. कृष्णन और श्री पुरुषोत्तम के साथ चर्चा की गई । इन क्षेत्रकों में विनिर्माण, मछली पालन, सूचना प्रौद्योगिकी, यंत्र विकास आदि शामिल हैं ।

February 25, 2005: The Department of Industries and Chamber of Commerce had organized Vendor Development cum Industrial Exhibition at Rudrapur (Uttaranchal). Shri Purushotham gave a talk on 'Funding Opportunities from Department of Science and Technology to SMEs for Technology Development and Commercialization'.

March 17-18, 2005: TDB organized 'Venture Showcase on Techno-Business Opportunities in Emerging Technologies' in Pune with the Confederation of Indian Industry and Indiaco Ventures (Private) Limited, Pune. Quite a few projects under implementation in Bangalore, Chennai, Coimbatore and Pune were discussed by the promoters individually on one to one basis with Shri S.B. Krishnan and Shri Purushotham. The sectors included Manufacturing, Aquaculture, Information Technology, Instrument Development etc.

पुणे में उभरती प्रौद्योगिकियों में तकनीकी व्यापारी अवसरों पर उद्यम शोकेस पर सेमिनार में श्री पुरूषोत्तम, अपने विचार रखते हुए

Shri Purushotham delivering a talk at the Seminar on Venture Showcase on Techno-Business Opportunities in Emerging Technologies' in Pune

टीडीबी और "अनवर", फ्रांस के बीच सहमति ज्ञापन

उद्योग मंत्रालय और अनुसंधान मंत्रालय, फ्रांस गणराज्य के प्राधिकार के अधीन एजीन्स नेशनल डि वैलोराइजेशन डि ला रिसर्सी (अनवर) के साथ टी डी बी द्वारा एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए बोर्ड ने जनवरी, 2005 में एक प्रस्ताव का अनुमोदन किया। विदेश मंत्रालय ने सूचित किया है कि टी डी बी और अनवर, पेरिस के बीच प्रस्तावित सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने पर उसे कोई आपत्ति नहीं है।

इस सहमति ज्ञापन में यह शामिल है कि दोनों संगठन अपनी संबंधित नियमावली, विनियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुसार वित्तीय सहायता सहित कंपनियों के बीच संघीय करार के अधीन द्वि-राष्ट्रीय परियोजनाओं की सहायता के लिए अपने को वचनबद्ध करेंगे। भागीदार की खोज के साथ कंपनियों की सहायता करने में वह साथ मिलकर कार्य करेंगे। इसके अलावा संस्थाओं और उद्योग संघों के साथ संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं सहित संवर्धनात्मक और भागीदारी प्रौद्योगिकी कार्यों का दोनों आयोजन करेंगे और उनमें भाग लेंगे।

(14 अप्रैल, 2005 को टी डी बी और अनवर के बीच पेरिस में सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए)

वेबसाइट

टीडीबी की वेबसाइट निम्निलित पतों पर उपलब्ध है:-

(a) www.technologydevelopmentboard.org
(b) www.tdbindia.com
(c) www.tdbindia.org
(d) www.tdbindia.net

Memorandum of Understanding between TDB and ANVAR, France

The Board approved a proposal in January 2005, for TDB signing a MOU with the Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), Paris, under the authority of the Ministry of Industry and Ministry of Research, Government of the French Republic. The Ministry of External Affairs has communicated that it has no objection to signing the MOU as proposed between TDB and ANVAR, Paris.

The MOU covers that both the organizations shall commit themselves to support bi-national projects under consortium agreement between companies including financial assistance according to their respective rules, regulations and procedures. They shall work together in assisting companies with partner search. Further, both would organise and participate in promotional and partnership technology events including seminars and workshops along with institutions and industry associations.

(The MoU was signed in Paris between TDB and ANVAR on 14th April 2005.)

Web site

The web-site for TDB is available on the following addresses:

(a) www.technologydevelopmentboard.org
(b) www.tdbindia.com
(c) www.tdbindia.org
(d) www.tdbindia.net

अनुसंधान तथा विकास उपकर
Research And Development Cess

1995 में यथा संशोधित अनुसंधान तथा विकास उपकर अधिनियम, 1986 के तहत आयातित प्रौद्योगिकी पर किए गए सभी भुगतानों पर लेवी और उपकर की वसूली का प्रावधान है। उपकर की दर 5 प्रतिशत है। उपकर का भुगतान आयातित प्रौद्योगिकी का भुगतान करते समय या इससे पूर्व किसी ऐसी औद्योगिक इकाई को करना होता है जो प्रौद्योगिकी का आयात करती है। उपकर की प्राप्ती को भारत की संचित निधि में जमा कर दिया जाता है। उपकर स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिक अनुप्रयोग को बढ़ावा देने तथा आयातित प्रौद्योगिकी को विस्तृत घरेलू अनुप्रयोग में अपनाने के लिए लगाया और एकत्रित किया जाता है।

उपकर वसूलियों में से भारत सरकार संसद द्वारा बनाए गए विनियोग के माध्यम से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यिकरण एवं आयातित प्रौद्योगिकी के अनुकूलन के लिए प्रौद्योगिकी विकास अनुप्रयोग निधि को भुगतान करती है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 के अंतर्गत गठित टीडीबी द्वारा यह निधि संचालित की जाती है।

उपकर की वसूली एवं भुगतान

निम्नलिखित सारणी में 1996-97 (जिस वर्ष सरकार द्वारा टीडीबी का गठन किया गया) से वर्ष-वार उपकर की वसूली; टीडीबी को आबंटन और टीडीबी को भुगतान का विवरण दिया गया है:

आर.एंड डी. उपकर वसूली से प्राप्त 915.99 करोड़ रुपए में से सरकार ने 9 वर्षों (1996-2005) की अवधि में 435.44 करोड़ रुपए की कुल राशि टीडीबी को उपलब्ध कराई है। इससे एक साल में औसतन 48.38 करोड़ रुपए, अर्थात् 50 करोड़ रुपए से कम बनते हैं।

The Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purposes of encouraging the commercial application of indigenously developed technology and for adapting imported technology to wider domestic application.

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilized for development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board, constituted under the Technology Development Board Act, 1995.

Cess Collections and Payments

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government), allocations to TDB and payments to TDB.

Of the total of Rs. 915.99 crore from R&D cess collection, Government has made available to TDB a cumulative sum of Rs.435.44 crore over the period of 9 years (1996-2005). This works out to an average of Rs. 48.38 crore i.e., less than Rs.50 crore, a year.

अनुसंधान एवं विकास वसूली और संवितरण
Research and Development Cess Collections and Disbursements

(करोड़ रुपये) (Rupees in crore)

वर्ष Year	उपकर वसूली (सीजीए के आंकडे) Cess collection (CGA's figures)	टीडीबी को आवंटन Allocation to TDB: बजट अनुमान Budget Estimate	टीडीबी को आवंटन Allocation to TDB: संशोधित अनुमान Revised Estimate	सरकार द्वारा टीडीबी को भुगतान Payments to TDB by Govt.
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00
1999-2000	88.93	70.00	50.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00
2003-04	133.74	55.00	53.65	53.65
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10
जोड़ Total	**915.99**	**520.00**	**427.68**	**435.44**

समीक्षा समिति की सिफारिशें

टीडीबी की समीक्षा समिति ने निम्नानुसार सिफारिश की है (फरवरी, 2003) :-

"आने वाले वर्षों में टीडीबी द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका को देखते हुए, आगामी वर्षों में सरकार से आने वाली निधियों का प्रवाह पर्याप्त रूप में बढ़ाने की आवश्यकता है। जल्द ही ऐसी अवस्था आने वाली है जिसमें वर्ष के दौरान उपकर के अंतर्गत एकत्रित निधियों का पूर्ण हस्तांतरण आवश्यक हो जाएगा और एकत्रित उपकर से कुछ राशि का चुकता भी करना होगा।"

Recommendations of the Review Committee

The Review Committee on TDB has recommended (February 2003) as follows:

"Taking also into account the role to be played by TDB in the years to come, the flow of funds from the Government will need to be stepped up substantially in the coming years. A stage is likely to be reached soon requiring the full transfer of funds collected under the Cess during the year and also liquidation of some of the accumulated amounts of Cess."

प्रशासन
Administration

गजट अधिसूचनायें

समीक्षा समिति (प्रोफेसर पी.रामाराव की अध्यक्षता में) की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड नियमावली, 1996 और प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (विवरणियां प्रस्तुत करना) विनियम, 1998 में कुछ परिवर्धनों और संशोधनों का अनुमोदन किया था । इन्हें 10 मार्च, 2004 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया था । राजपत्रित अधिसूचना की एक प्रतिलिपि लोक सभा में 14 जुलाई, 2004 को और राज्य सभा में 15 जुलाई, 2004 को रख दी गई थी ।

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा दिये गये सुझावों के परिप्रेक्ष्य में बोर्ड ने टी डी बी के सचिव के पद की भर्ती नियमावली में कुछ परिवर्तनों का अनुमोदन किया था । प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (सचिव और कर्मचारियों की सेवा शर्तें) संशोधन विनियम, 2005 को 18 जनवरी, 2005 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया । राजपत्रित अधिसूचना की एक प्रतिलिपि लोक सभा में 2 मार्च, 2005 को और राज्य सभा में 10 मार्च, 2005 को प्रस्तुत की गई थी ।

Gazette Notifications

Keeping in view the recommendations of the Review Committee (chaired by Professor P. Rama Rao), the Board had approved certain additions and modifications in the Technology Development Board Rules, 1996 and in the Technology Development Board (submission of returns) Regulations, 1998. These were published in the Gazette of India dated 10th March 2004. A copy of the Gazette Notification has been laid in Lok Sabha on 14th July 2004 and in Rajya Sabha on 15th July 2004.

In the light of the suggestions made by the Department of Personnel and Training, the Board approved some changes in the recruitment rules for the post of Secretary, TDB. The Technology Development Board (Terms and Conditions of Service of the Secretary and Employees) Amendment Regulations, 2005, was published in the Gazette of India dated 18th January 2005. A copy of the Gazette Notification has been laid in Lok Sabha on 2nd March 2005 and in Rajya Sabha on 10th March 2005.

वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित लेखे

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 12 यह निर्धारित करती है कि वह पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान अपने क्रियाकलापों का पूरा विवरण देते हुए बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा । प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार बोर्ड को लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के साथ अपने लेखों की लेखा परीक्षित प्रतिलिपि केन्द्र सरकार को प्रस्तुत करनी होगी । प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की वर्ष 2003-2004 की वार्षिक रिपोर्ट वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षित प्रतिलिपि सहित 11 मई, 2005 को लोक सभा के पटल पर और 12 मई, 2005 को राज्य सभा पटल पर रखी गई थी ।

टी.डी.बी. का सचिवालय

श्री एच. पुरुषोत्तम ने, एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मैटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स, हैदराबाद से प्रतिनियुक्ति पर 2 जुलाई, 2004 को टी.डी.बी. में वैज्ञानिक 'जी' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया । डा0 (श्रीमती) रेनू बापना ने राजस्थान सरकार से प्रतिनियुक्ति पर 8 जुलाई, 2004 को वैज्ञानिक 'एफ' के रूप में टी डी बी में कार्यभार ग्रहण किया । डा0 महेन्द्र पाल ने, भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून (सी.एस. आई.आर.) से प्रतिनियुक्ति पर, 3 दिसम्बर, 2004 को टीडीबी में वैज्ञानिक 'एफ' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया । श्री शरद कुमार श्रीवास्तव ने, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्रतिनियुक्ति पर, 30 मार्च, 2005 को सहायक विधिक सलाहकार के रूप में टी डी बी में कार्यभार ग्रहण किया ।

Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report. The Annual Report including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2003-2004 was laid on the Table of the Lok Sabha on 11th May 2005 and on the Table of the Rajya Sabha on 12th May 2005.

TDB Secretariat

Shri H. Purushotham joined TDB as Scientist-G, on 2nd July 2004 on deputation from Advanced Research Centre for Powder Metallurgy and New Materials, Hyderabad. Dr. (Mrs) Renu Bapna joined TDB as Scientist-F on 8th July 2004 on deputation from the Government of Rajasthan. Dr. Mahendra Pal joined TDB as Scientist-F on 3rd December 2004 on deputation from Indian Institute of Petroleum, Dehradun (CSIR). Shri Sharad Kumar Srivastava joined TDB as Assistant Legal Adviser on 30th March 2005 on deputation from the Ministry of Communication and Information Technology.

श्री अमिताभ पांडे, आई.ए.एस., संयुक्त सचिव, भारत सरकार को अपने विद्यमान कार्यप्रभार के अलावा 01 जनवरी, 2003 से, टी डी बी के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। उन्होंने 17 अगस्त, 2004 को दोनों कार्यभार छोड़ दिये। डा0 ए. बनर्जी, ओ.एस.डी., टी डी बी को 31 दिसम्बर, 2004 को कार्यमुक्त किया गया।

टीडीबी, समय-समय पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की सेवाएं भी उनके अपने दायित्वों के अतिरिक्त प्राप्त करता रहा है:- डा. ए.के. सूद, वैज्ञानिक-जी, श्री एम.एल. गुप्ता, वैज्ञानिक - जी, श्री संजय बाजपेयी, वैज्ञानिक - एफ।

टीडीबी द्वारा निधि पोषित कंपनियों का "आउट-सोर्सिंग" परिसंपत्ति प्रबंधन

सहायता प्राप्त औद्योगिक प्रतिष्ठानों के पास जब भुगतान बकाया हो जाता है तो उनके संबंध में टीडीबी का अनुभव मिला-जुला है। जहाँ कुछ प्रतिष्ठान नियमित रूप से भुगतान कर रहे हैं, वहाँ कुछ स्मरण कराए जाने के बाद, कुछ विलम्ब से, भुगतान कर रहे हैं और कुछ समस्या वाले चूककर्ता मामले बन गए हैं। इस प्रकार परिसंपत्ति प्रबंधन एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। चूंकि टीडीबी के पास परिसंपत्ति प्रबंधन का अनुभव नहीं है और टीडीबी को इसमें विशेषज्ञता हासिल करने में समय लगेगा, अतः बोर्ड ने यह निर्णय लिया कि इसकी 'आउटसोर्सिंग' करना बेहतर होगा।

Shri Amitabha Pande, IAS, Joint Secretary to the Government of India, Department of Science and Technology, was appointed as Secretary, TDB, from 1st January 2003 in addition to his existing charge. He relinquished both the charge on 17th August 2004. Dr. A. Banerjee, OSD in TDB, was relieved on 31st December 2004.

TDB, from time to time, has also been availing of the services of the following officers of the Department of Science and Technology in addition to their own duties: Dr. A.K. Sood, Scientist-G, Shri M.L. Gupta, Scientist-G, Shri Sanjay Bajpai, Scientist-F.

Outsourcing Asset Management of TDB funded companies

The experience of TDB has been a mixed one when repayments have become due from the assisted industrial concerns. While some are paying up regularly, some with some delays after having been reminded, some have become stressed / default cases. Thus, asset management has become an important issue. As TDB has no experience of asset management, and as it would take time to build up that expertise in TDB, the Board decided that it would be better to outsource it.

उपर्युक्त निर्णय के अनुसरण में अगस्त, 2004 में मै0 डाइमेंशन्स कंसल्टिंग (प्राइवेट) लिमिटेड, गुडगांव के साथ और अक्तूबर, 2004 में मै0 आइ सी आई सी आई वेंचर फण्डस मैनेजमेंट कम्पनी, बंगलौर के साथ करार निष्पादित किए गए ।

आयकर की छूट

आयकर महानिदेशक (छूट), कोलकाता ने दिसम्बर, 2000 में कर निर्धारण वर्ष 1997-98 से 1999-2000 तक के लिए टीडीबी को आयकर के भुगतान की छूट की सिफारिश की है । सीबीडीटी (केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 खण्ड (23ग), उपखंड (4) के प्रयोजनों के लिए टीडीबी को अधिसूचित करते हुए 17 सितम्बर, 2001 को एक अधिसूचना जारी की है । टीडीबी ने वर्ष 2000-2001 और 2001-2002 के लिए छूट हेतु जुलाई, 2001 में आवेदन प्रस्तुत किया है । वर्ष 2002-2003 के लिए दूसरा आवेदन मार्च, 2004 में प्रस्तुत किया गया है और वर्ष 2003-04 के लिए नवम्बर, 2004 में प्रस्तुत किया गया है ।

राजभाषा कार्यान्वयन

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने अपनी स्थापना से ही, संघ की राजभाषा से संबंधित अनेक उपबंधों का कार्यान्वयन किया है और अधिसूचनाओं, वार्षिक रिपोर्टों, परियोजना निधि पोषण मार्गनिर्देशों, पुस्तिकाओं, वाउचरों आदि को हिन्दी और अंग्रेजी में मुद्रित कराया है । विभिन्न प्रदर्शनियों के लिए प्रदर्शन सामग्री/पैनल्स हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार किए जाते हैं ।

In pursuance of the above decision, agreements were concluded with M/s Dimensions Consulting (Private) Limited, Gurgaon in August 2004 and with M/s ICICI Venture Funds Management Company, Bangalore, in October 2004.

Income Tax exemption

The Director General of Income Tax (Exemption), Kolkata, has recommend exemption of TDB from payment of income tax for the Assessment Years 1997-98 to 1999-2000 in December 2000. The CBDT has issued a notification on 17th September 2001 notifying TDB for the purpose of section 10, clause (23C), sub-clause (iv) of the Income Tax Act, 1961. TDB has submitted application for exemption for the years 2000-2001 and 2001-2002 in July 2001. Applications have also been submitted for the year 2002-2003 in March 2004 and for the year 2003-2004 in November 2004.

Implementation of Official Language

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, brochures, vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.

प्रारम्भिक जाँच समितियों के सदस्य

Members for the Initial Screening Committees

आर.आर. अभ्यंकर	वैज्ञानिक-जी, डीएसआईआर
पी एस आचार्य	वैज्ञानिक-एफ, डीएसटी
डा0 एम. बालासुब्रहमण्यम	पूर्व सलाहकार, डीबीटी
एच. बदोपाध्याय	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी
एम. बंदोपाध्याय	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी
डा0 रेणु बापना	वैज्ञानिक-एफ, टीडीबी
पी.आर. बसाक	पीएसओ, टाइफैक
इन्दु भास्कर	वैज्ञानिक-एफ, डीएसआईआर
दीपक भटनागर	वैज्ञानिक-जी, टाइफैक
एस. विश्वास	वैज्ञानिक - जी, टाइफैक
डा. आर. वृक्षपति	वैज्ञानिक- जी, डीएसटी
एस.के. देशपांडे	वैज्ञानिक- एफ, डीएसआईआर
डा. बी. हरि गोपाल	वैज्ञानक-जी, डीएसटी
डा0 सुलभा गुप्त	निदेशक, एनएबीएल
डा0 आदया हरीश	वैज्ञानिक-एफ, डीएसआईआर
एम.आर. कुलकर्णी	वैज्ञानिक-डी, डीएसटी

Abhyankar R.R.	Scientist-G, DSIR
Acharya P.S.	Scientist-F, DST
Balasubramanian M. Dr.	Ex-Adviser, DBT
Bandopadhaya, H.	Scientist-G, DST
Bandyopadhyay M.	Scientist-G, DST
Bapna Renu Dr.	Scientist-F, TDB
Basak P.R.	PSO, TIFAC
Bhaskar Indu	Scientist-F, DSIR
Bhatnagar Deepak	Scientist-G, TIFAC
Biswas S.	Scientist-G, TIFAC
Brakaspathy R. Dr.	Scientist-G, DST
Deshpande S.K.	Scientist-F, DSIR
Gopal Hari B Dr.	Scientist-G, DST
Gupta Sulbha Dr.	Director, NABL
Iddya Hareesh Dr.	Scientist-F, DSIR
Kulkarni M.R.	Scientist-D, DST

एस.के. कुलश्रेष्ठ	वैज्ञानिक-जी, डीएसआईआर
डा0 विमल कुमार	सलहकार, टाइफैक
डा0 विनोद कुमार	वैज्ञानिक-डी, डीएसटी
एच.के. मित्तल	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी
मुबाशिर साजिद	वैज्ञानिक एफ, टाइफैक
विभु मुशरान	वैज्ञानिक-ई, टाइफैक
एस.सी. निस्तन्द्र	वैज्ञानिक-जी, डीएसआईआर
डा0 जी0 पदमनाभन	वैज्ञानिक-एफ, डी एस आई आर
महेन्द्र पाल	वैज्ञानिक-एफ, टीडीबी
डा. लक्ष्मण प्रसाद	वैज्ञानिक-जी, डीएसटी
एच. पुरुषोत्तम	वैज्ञानिक-जी, टीडीबी
ए.एस. राव	वैज्ञानिक-जी, डीएसआईआर
के.वी.एस.पी.राव	वैज्ञानिक-एफ, डीएसआईआर
डा. आर साहा	वैज्ञानिक -जी, टाइफैक
डा. जी.जे. समथानम	वैज्ञानिक-एफ, डीएसटी
डा. उषा शर्मा	वैज्ञानिक-डी, डीएसटी
डा0 विनीता शर्मा	वैज्ञानिक-डी, डीएसटी
डा. जगदीश सिंह	वैज्ञानिक - जी, डीएसआईआर
संजय सिंह	वैज्ञानिक - डी, डीएसटी
डा0 अनुज सिन्हा	वैज्ञानिक - जी, डीएसटी
एस.के. तयाल	वैज्ञानिक -एफ, डीएसआईआर
विमल कुमार वरुण	वैज्ञानिक -ई, डीएसआईआर

Kulshrestha S.K.	Scientist-G, DSIR
Kumar Vimal Dr.	Advisor, TIFAC
Kumar Vinod Dr.	Scientist-D, DST
Mittal H.K.	Scientist-G, DST
Mubashir Sajid	Scientist-F, TIFAC
Mushran Vibhu	Scientist-E, TIFAC
Nistandra S.C.	Scientist-G, DSIR
Padmanabhan G Dr.	Scientist-F, DSIR
Pal Mahendra	Scientist-F, TDB
Prasad Laxman Dr.	Scientist-G, DST
Purushotham H.	Scientist-G, TDB
Rao A.S.	Scientist-G, DSIR
Rao K.V.S. P.	Scientist-F, DSIR
Saha R. Dr.	Scientist-G,TIFAC
Samathanam, G.J. Dr.	Scientist-F, DST
Sharma Usha Dr.	Scientist-G, DST
Sharma Vinita Dr.	Scientist-D, DST
Singh Jagdish Dr.	Scientist-G, DSIR
Singh Sanjay	Scientist-D, DST
Sinha Anuj Dr.	Scientist-G, DST
Tayal S.K.	Scientist-F, DSIR
Varun Vimal Kumar	Scientist-E, DSIR

परियोजना मूल्याँकन समितियों और परियोजना अनुवीक्षण समितियों के विशेषज्ञ

Experts for the Project Evaluation Committees and Project Monitoring Committees

एस.के. अधिकारी	महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड, नासिक
डा0 पी.के. अग्रवाल	आईएआरआई, नई दिल्ली
शोभना आहूजा	डाइमेंशन्स कंसल्टिंग (प्राइवेट) लि0, गुड़गांव
प्रो0 आर. अरोकियास्मी	आईआईटी, दिल्ली
डा. डी. बालासुब्रमण्यन	निदेशक (अनुसंधान) एल वी प्रसाद इंस्टीटयूट, हैदराबाद
डा0 अमिताभ बसु	एनपीएल, नई दिल्ली
प्रो. आलोक भटटाचार्य	डीन, स्कूल आफ लाइफ साईंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली
डा0 अभिजित भौमिक	एम डी, ओपस एडवाइजरी प्राई. लि., नई दिल्ली
अभिजित भौमिक	अर्नेस्ट एंड यंग प्रा0 लि0 नई दिल्ली
डा0 विनोद बिहारी	सीडीआरआई, लखनऊ

Adhikari S.K.	Mahindra & Mahindra Ltd., Nashik
Aggarwal P.K. Dr.	IARI, New Delhi
Ahuja Shobhana	Dimensions Consulting (P) Ltd., Gurgaon
Arockiasmy R. Prof.	IIT, Delhi
Balasubramanyan D. Dr.	Director (Research), L.V. Prasad Institute, Hyderabad
Basu Amitabha Dr.	NPL, New Delhi
Bhattacharya Alok Prof.	Dean, School of Life Sciences, JNU, New Delhi
Bhaumik Abhijit Dr.	MD, Opus Advisory Private Ltd., New Delhi
Bhaumik Abhijit	Ernst &Young Pvt. Ltd, New Delhi
Bihari Vinod Dr.	CDRI, Lucknow

डा0 जी.आर. चांडक	सीसीएमबी, हैदराबाद
एम.सी. चौधरी	पूर्व निदेशक (तकनीकी), टीसीआईएल, नई दिल्ली
प्रो0 एच एम चावला	आईआईटी, दिल्ली
पी. चिन्नयन	जीएम (बिजनेस डेवलपमेंट), बीएसएनएल, चेन्नई
अजन दास	निदेशक (तकनीकी) सीआईआई, गुडगांव
प्रो0 वीरेश दत्ता	आईआईटी, दिल्ली
डा0 पी.के.डे	जीएम, भारत कोकिंग कोल लि0, धनबाद
डा0 पी.एन. दीक्षित	निदेशक, एनपीएल, नई दिल्ली
प्रो0 एन.के.गांगुली	डीजी, आईसीएमआर, नई दिल्ली
डा0 ए0के0 गर्ग	आईएआरआई, नई दिल्ली
एस, गोपालन	पूर्व एक्जी डाइरेक्टर, आईडीबीआई, चेन्नई
हर्शेन्द्र गोयल	डाइमेंसन्स कंसल्टिंग (प्रा0) लि0, गुडगांव
डा0 बी0 के0 गुहा	आईआईटी, नई दिल्ली
प्रो0 हरि ओम गुप्ता	आईआईटी, रूडकी
जे0पी0 गुप्ता	पूर्व परियोजना निदेशक, आईएआरआई, नई दिल्ली
डा0के0 गुरूप्रसाद	सीसीएमबी, हैदराबाद

Chandak G.R. Dr.	CCMB, Hyderabad
Chaudhary M.C.	Former Director (Technical), TCIL, New Delhi
Chawla, H.M. Prof.	IIT, Delhi
Chinnaiyan P.	GM (Business Development), BSNL, Chennai
Das Anjan	Director (Technical), CII, Gurgaon
Datta Viresh Prof.	IIT, Delhi
Dey P.K. Dr.	GM, Bharat Coking Coal Ltd, Dhanbad
Dixit P.N. Dr.	Director NPL, New Delhi
Ganguly N.K. Prof.	DG, ICMR, New Delhi
Garg A. K. Dr.	IARI, New Delhi
Gopalan S.	Ex- ED, IDBI, Chennai
Goyal Harshendra	Dimensions Consulting (P) Ltd., Gurgaon
Guha B.K. Dr.	IIT, Delhi
Gupta Hari Om Prof.	IIT, Roorkee
Gupta J.P.	Ex- Project Director, IARI, New Delhi
Guruprasad K. Dr.	CCMB, Hyderabad

डा0 एस0के0 हजेला	वरिष्ठ परामर्शी, टीआरएआई, नई दिल्ली
डा0 सैयद हसनैन	निदेशक, सीडीएनएएफ एंड डी, हैदराबाद
प्रो0 पी0वी0 इन्दिरेसन	पूर्व आईआईटी, नई दिल्ली
डा0पी. जगन्नाथन	कार्यकारी निदेशक, बीएचईएल, नई दिल्ली
आर. कन्नन	निदेशक, आईएफएमआर, चेन्नई
एन.वी. कारंथ	वरिष्ठ सहायक निदेशक, एआरएआई, पुणे
डा0 वी.पी. कोडली	पूर्व सलाहकार, डीओई, हैदराबाद
एस.बी. कृष्णन	पूर्व सचिव, टीडीबी, नई दिल्ली
एम. अरुण कुमार	बीएसएनएल, बंगलौर
डा0 सुशील कुमार	डीजी, सीपेट, चेन्नई
डा0 कृष्ण लाल	एनपीएल, नई दिल्ली
एस.के. मल्होत्रा	पूर्व डीडीजी (टी), डीओटी, नई दिल्ली
आर.एन. मल्होत्रा	एजीएम(एसई), एनटीपीसी लि., नोएडा
ए.एस. मेनन	चीफ जीएम, दक्षिणी क्षेत्र, वीएसएनएल, चेन्नई
डा.के. मुरलीधरन	सीपीसीआरआई, कासरगोडे
प्रो0 आई वी मुरलिकृष्ण	सी एस आई टी, हैदराबाद

Hajela S.K. Dr.	Senior Consultant, TRAI, New Delhi
Hasnain Seyed Dr.	Director, CDNAF&D, Hyderabad
Indiresan P.V. Prof.	Ex- IIT, New Delhi
Jagannathan P. Dr.	Executive Director, BHEL, New Delhi
Kannan R.	Director, IFMR, Chennai
Karanth N.V.	Sr. Assistant Director, ARAI, Pune
Kodali V.P. Dr.	Ex-Adviser, DOE, Hyderabad
Krishnan S.B.	Former Secretary, TDB, New Delhi
Kumar Aruna M.	BSNL, Bangalore
Kumar Sushil Dr.	DG, CIPET, Chennai
Lal Krishan Dr.	NPL, New Delhi
Malhotra, S.K.	Ex.- DDG(T), DOT, New Delhi
Mehrotra R.N.	AGM (SE), NTPC Ltd, NOIDA
Menon A.S.	Chief GM, Southern Region, VSNL, Chennai
Muralidharan K. Dr.	CPCRI, Kasargode
Muralikirishna I.V. Prof.	Centre for Special Information Technology, Hyderabad

डा0 एन.एन. मूर्ति	जेएसएस, अकादमी ऑफ टेक्नीकल एजूकेशन बंगलौर
डा0के0 नचिमुथु	निदेशक (अनुसंधान) तनुवास, चेन्नई
डा0 मदन नरोती	उप-निदेशक एवं अध्यक्ष, नीरी, नागपुर
प्रो. जी. पदमनाभन	एमरीटस साइंटिस्ट, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर
डा0 एम. राजशेखर	संस्थापक परियोजना निदेशक (सेवानिवृत्त) पशु मानिटरिंग निगरानी परियोजना निदेशालय, बंगलौर
डा.के.वी. राघवन	अध्यक्ष, आरएसी, डीआरडीओ, दिल्ली
वी. रघुरामन	वरिष्ठ सलाहकार, सीआईआई, गुडगांव
ए. रामासुब्रमण्यम	चीफ कार्यकारी, आइशर, ट्रैक्टर्स लि. मांडीदीप
जे.एस. राव	वरिष्ठ डीजीएम, बीएचईएल, हैदराबाद
के0 सुब्बाराव	पूर्व निदेशक एवं वी सी, एनआईएमएस, हैदराबाद
बी.ए. म्यालार राव	सीएमडी, सेंट्रल इलैक्ट्रानिक्स लिमि. साहिबाबाद

Murthy N.N. Dr.	JSS Academy of Technical Education, Bangalore
Nachimuthu K. Dr.	Director (Research) TANUVAS, Chennai
Naroti Madan Dr.	Deputy Director & Head, NEERI, Nagpur
Padmanabhan G. Prof.	Emeritus Scientist, IISc, Bangalore
Rajasekhar M. Dr.	Founder Project Director (Retd.), Project Directorate on Animal Monitoring Surveillance, Bangalore
Raghavan K.V. Dr.	Chairman, RAC, DRDO, Delhi
Raghuraman V.	Senior Adviser, CII, Gurgaon
Ramasubramanian A	Chief Executive, Eicher Tractors Ltd., Mandideep
Rao J.S.	Senior DGM, BHEL, Hyderabad
Rao Kakarla Subba	Ex- Director & VC, NIMS, Hyderabad
Rao Mylar, B.A.	CMD, Central Electronics Ltd, Sahibabad

डा0 एन.एच. राव	राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबन्ध अकादमी, हैदराबाद
डा0 ए.वी. रामाराव	सीएमडी, अवरा लैब (प्रा0) लि0, हैदराबाद
डा0 एम.वी. सुब्बाराव	डीन, एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
डॉ0 टी.सी. राव	पूर्व निदेशक (आर.आर.एल. जम्मू), हैदराबाद
के. रविन्द्रा	आईसीआईसीआई वेंचर्स लि0, मुम्बई
डॉ0 अमित राय	निदेशक, न्यूक्लीयर साइंस सेंटर, नई दिल्ली
प्रो0 गिरिश साहनी	इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबीअल टेक्नालाजी, चंडीगढ़
सुश्री नंदिनी सतम	आईसीआईसीआई वेंचर फंड्स मैनेजमेंट कं. लि0, मुम्बई
डॉ0 एस.बी. सावंत	रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, बम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई
प्रो0 एस.के. शेषाद्रि	आईआईटी-मद्रास, चेन्नई
प्रो0 वी. शेषाद्रि	आईआईटी, दिल्ली
श्रीनिवास शेट्टी	आरवी इंजीनियरिंग कालेज, बंगलौर
प्रो0 शोभना शर्मा	टीआईएफआर, मुम्बई

Rao N.H. Dr.	National Academy of Agriculture Research Management, Hyderabad
Rao Rama A.V. Dr.	CMD, Avra Lab (P) Ltd, Hyderabad
Rao Subba M.V. Dr.	Dean, NG Ranga Agriculture University, Hyderabad
Rao T.C. Dr.	Ex- Director (RRL, Jammu), Hyderabad
Ravindra K.	ICICI Ventures Ltd, Mumbai
Roy Amit Dr.	Director, Nuclear Science Centre, New Delhi
Sahni Girish Prof.	Institute of Microbial Technology, Chandigarh
Satam Nandini Ms.	ICICI Venture Funds Management Company Ltd., Mumbai
Sawant S.B. Dr.	Institute of Chemical Technology, University of Bombay, Mumbai
Seshadri S.K. Prof.	IIT-Madras, Chennai
Seshadri V. Prof.	IIT, Delhi
Setty Sreenivasa	*RV College of Engineering, Bangalore*
Sharma Shobhana, Prof.	TIFR, Mumbai

डॉ0 एस. शिवाजी	सीसीएमबी, हैदराबाद
डॉ0 जे.जे. श्राफ	पूर्व सलाहकार, अरविंद मिल्स, अहमदाबाद
प्रो0 डी.वी. सिंह	पूर्व निदेशक, रुड़की विश्वविद्यालय
डॉ0 गुरुशरण सिंह	बीएआरसी, मुम्बई
महेश सिंघल	डायमेन्सन्स कंसल्टिंग (प्रा0) लि0, गुड़गांव
प्रो0 सुब्रत सिन्हा	एम्स, नई दिल्ली
अजय श्रीवास्तव	एम.डी., डायमेन्सन्स, कंसल्टिंग (प्रा0) लि0 गुड़गांव
यू.के. श्रीवास्तव	उपमहानिदेशक, टेलीकाम इंजीनियरिंग सेंटर, नई दिल्ली
एस. सुब्रमण्यम	पूर्व सीजीएम, आईडीबीआई चेन्नई
प्रो0 एम.डी. टेली	रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान, बम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई
प्रो0 के. त्यागराजन	आईआईटी, दिल्ली
डॉ0 मोहन वामसी	भारत-अमरीकी कैंसर इंस्टीट्यूट अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद
के.पी. वर्मा	सलाहकार, कोयला विभाग, नई दिल्ली
डॉ0 के.सी. वार्ष्णेय	पूर्व ईडी, आईडीबीआई, नई दिल्ली

Shivaji S. Dr.	CCMB, Hyderabad
Shorff, J.J. Dr.	Ex-Advisor, Arvind Mills, Ahmedabad
Singh D.V. Prof.	Former Director, Roorkee University
Singh Gursharan Dr.	BARC, Mumbai
Singhal Mahesh	Dimensions Consulting (P) Ltd, Gurgaon
Sinha Subrata Prof.	AIIMS, New Delhi
Srivastava Ajay	MD, Dimensions Consulting (P) Ltd., Gurgaon
Srivastava U.K.	Dy D.G., Telecom Engineering Centre, New Delhi
Subramaniam S	Ex CGM, IDBI, Chennai
Teli M.D. Prof.	Institute of Chemical Technology, University of Bombay, Mumbai
Thyagarajan K. Prof.	IIT-Delhi
Vamsy, Mohana Dr.	Indo-American Cancer Institute & Research Centre, Hyderabad
Varma K.P.	Adviser, Department of Coal, New Delhi
Varshney K.C. Dr.	Ex-ED, IDBI, New Delhi

डॉ0 एल.वी. वेंकटरमन	पूर्व सीएफटीआरआई, मैसूर
डॉ0 रिषेन्द्र वर्मा	आईवीआरआई, इज्जतनगर
डॉ0 वी. वर्मा	आरआरआई, जम्मू
जी. विजयन	डीजीएम, मारुति उद्योग लि0, गुड़गांव
डॉ0 सीमा वहाब	सलाहकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली

Venkatraman, L.V. Dr.	Ex-CFTRI, Mysore
Verma Rishendra Dr.	IVRI, Izatnagar
Verma V.Dr.	RRL, Jammu
Vijayan G.	DGM, Maruti Udyog Ltd., Gurgaon
Wahab Seema Dr.	Adviser, Department of Biotechnology, New Delhi

वर्ष 2004-05 के लेखाओं का वार्षिक विवरण

Annual Statement of Accounts For the Year 2004-05

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

पिछला वर्ष (रुपए)	देनदारियां		चालू वर्ष (रुपए)
	प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग हेतु निधि		
4,046,945,858	क) प्रारंभिक शेष	5,240,261,932	-
4,983,322	जोड़ें: वर्ष 2002-2003 में सरकारी विभागों से देय-		
4,051,929,180			5,240,261,932
536,500,000	ख) केन्द्र सरकार से अनुदान	481,000,000	
37,434,000	घटाया गया: संस्थापन के लिए	39,672,982	
499,066,000			441,327,018
490,801,689	ग) ऋणों की वापसी अदायगी		269,213,093
9,645,349	घ) रायल्टी		9,102,324
-	ङ.) दान		-
10,000,000	च) आईडीबीआई के वीसीएफ		-
	छ) आईटीवीयूएस(यूटीआई)		36,875,000
7,887,544	ज) लघु अवधि जमा पर ब्याज वास्तविक	28,895,188	-
499,319	घटाया गया 31.3.2004 तक प्रोद्भूत ब्याज जिसे इस वर्ष प्राप्त किया गया ।	2,897,877	
7,388,225			25,997,311
58,616,342	झ) ऋणों पर प्राप्त ब्याज	80,914,398	
31,829,240	घटाया गया 31.3.2004 तक प्रोद्भूत ब्याज जिसे इस वर्ष प्राप्त किया गया	46,680,712	
26,787,102			34,233,686
230,380	ञ) अनुदानों पर ब्याज		32,279
254,099	ट) स्वत्व शुल्क पर ब्याज		369,798
155,159,908	ठ) व्यय पर आय की अधिकता		137,472,906
11,000,000	घटाया गया: अन्य एजेंसियों को दिए गए अनुदान		1,000,000
5,240,261,932			6,193,885,347

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Balance Sheet as on 31st March, 2005

Previous Year (Rs.)	Liabilities		Current Year (Rs.)
	Fund for Technology Development & Application		
4,046,945,858	a) Opening Balance	5,240,261,932	
4,983,322	Add: Amount due from Govt. Departments in 2002-03		
4,051,929,180			5,240,261,932
536,500,000	b) Grants from Central Govt.	481,000,000	
37,434,000	Less: For Establishment	39,672,982	
499,066,000			441,327,018
490,801,689	c) Repayment of Loans		269,213,093
9,645,349	d) Royalty		9,102,324
-	e) Donations		-
10,000,000	f) VCF of IDBI		-
	g) ITVUS(UTI)		36,875,000
7,887,544	h) Interest on short term deposits actuals	28,895,188	-
499,319	Less : Interest accrued upto 31.03.2004 realized this year	2,897,877	-
7,388,225			25,997,311
58,616,342	i) Interest received on loans	80,914,398	
31,829,240	Less : Interest accrued upto 31.03.2004 realized this year	46,680,712	
26,787,102			34,233,686
230,380	j) Interest on Grants		32,279
254,099	k) Interest on Royalty		369,798
155,159,908	l) Excess of income over expenditure		137,472,906
11,000,000	Less : Grants released to other Agencies		1,000,000
5,240,261,932			6,193,885,347

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

पिछला वर्ष (रुपए)	देनदारियां		चालू वर्ष (रुपए)
	आईडीबीआई के बीसीएफ		
278,400,000	आईडीबीआई द्वारा भारत सरकार से प्राप्त अंशदान निवेश से आय	278,400,000	
134,396,824	क. ब्याज	130,353,021	
44,784,722	ख. स्वत्व शुल्क	55,165,270	
4,442,654	ग. लाभांश	5,016,994	
713,824,760	घ. प्रोद्भूत आय	990,523,171	
897,448,960		1,181,058,456	
212,500,000	घटाया गया: टीडीबी को भुगतान की गई राशि	212,500,000	
684,948,960		968,558,456	
12,480,814	घटाया: बट्टे खाते में डाले गए ऋण	12,480,814	
2,450,250	घटाया: निवेश की बिक्री पर नुकसान	2,450,250	
670,017,896		953,627,392	
52,780,000	घटाया: प्रबंधन शुल्क	52,780,000	
663,649	घटाया: लेखा परीक्षा शुल्क एवं अन्य व्यय	711,133	
616,574,247		900,136,259	
894,974,247			1,178,536,259
	वर्तमान देनदारियां		
187,089	(1) प्रतिनियुक्ति पर आए स्टाफ के लिए पेंशन अंशदान		114,360
171,115	(2) लेखा परीक्षा शुल्क		30,000
-	(3) उपस्करों के लिए देय भुगतान		166,532
2,000	जमा की गई बयाना राशि		2,000
6,135,596,383	कुल		7,372,734,498

टिप्पणी अनुसूची क, ख और ग लेखों का हिस्सा है ।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एंड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी.एस. राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Balance Sheet as on 31st March, 2005

Previous Year (Rs.)	Liabilities		Current Year (Rs.)
	VCF of IDBI		
278,400,000	Contribution received by IDBI from Government of India	278,400,000	
	Income from Investment		
134,396,824	a. Interest	130,353,021	
44,784,722	b. Royalty	55,165,270	
4,442,654	c. Dividend	5,016,994	
713,824,760	d. Accrued Income	990,523,171	
897,448,960		1,181,058,456	
212,500,000	Less : Amount paid to TDB	212,500,000	
684,948,960		968,558,456	
12,480,814	Less : Loans written off	12,480,814	
2,450,250	Less : Loss on sale of Investment	2,450,250	
670,017,896		953,627,392	
52,780,000	Less : Management Fees	52,780,000	
663,649	Less: Audit Fees & Other Expenses	711,133	
616,574,247		900,136,259	
894,974,247			1,178,536,259
	Current Liabilities		
187,089	(i) Pension Contribution for deputationists		114,360
171,115	(ii) Audit fee		30,000
-	(iii) Payment due for equipments		166,532
2,000	Earnest money deposit		2,000
6,135,596,383	**TOTAL**		7,372,734,498

Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.

(ANAND S. KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

पिछला वर्ष (रुपए)	परिसंपत्तियां		चालू वर्ष (रुपए)
	स्थिर परिसंपत्तियाँ (अनुसूचि-क)		
1,965,325	क) उपकरण/उपकरण/मशीनरी	2,985,621	
1,294,982	जोड़ेः परिवर्धन	1,702,453	
3,260,307		4,688,074	
186,637	घटाया गयाः मूल्यह्रास	297,602	
188,049	बट्टे खाते -	9,600	
100,000	घटाएः वसूली -	-	
88,049		-	
2,985,621			4,380,872
189,842	ख) फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	275,839	
104,982	जोड़ेः परिवर्धन	289,690	
294,824		565,529	
18,985	घटाया गयाः मूल्यह्रास	27,584	
275,839			537,945
181,844	ग) वाहन	163,660	
-	जोड़ेः परिवर्धन	370,890	
181,844		534,550	
18,184	घटाया गयाः मूल्यह्रास	-	
-	बट्टे खाते	163,660	
163,660			370,890
	मौजूदा परिसंपत्तियाँ		
2,897,877	क) (1) लघु अवधि जमा/बचत खातों पर प्रोद्भूत ब्याज		5,011,961
268,005,607	(2) 31.3.2004 तक औद्योगिक इकाइयों को दिए गए ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज	378,727,344	
1,809,738	घटाया गयाः माफ किया गया ब्याज	689,714	
31,829,240	घटाया गयाः 31.3.2004 तक प्रोद्भूत ब्याज, जो इस वर्ष प्राप्त हुआ	46,680,712	

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Balance Sheet as on 31st March, 2005

Previous Year (Rs.)	Assets		Current Year (Rs.)
	Fixed Assets (Schedule-A)		
1,965,325	a) Equipment/Apparatus/Machinery	2,985,621	
1,294,982	Add : Additions	1,702,453	
3,260,307		4,688,074	
186,637	Less : Depreciation	297,602	
188,049	Write off	9,600	
100,000	Less : Recovery	-	
88,049		-	
2,985,621			4,380,872
189,842	b) Furniture & Fixtures	275,839	
104,982	Add : Additions	289,690	
294,824		565,529	
18,985	Less : Depreciation	27,584	
275,839			537,945
181,844	c) Vehicle	163,660	
-	Add : Additions	370,890	
181,844		534,550	
18,184	Less : Depreciation	-	
-	Write off	163,660	
163,660			370,890
	Current Assets		
2,897,877	a) (i) Interest accrued on short term deposits/S.B. A/c.		5,011,961
268,005,607	(ii) Interest accrued on loans to industrial concerns upto 31.03.2004	378,727,344	
1,809,738	Less : Interest accrued waived off	689,714	
31,829,240	Less : Interest accrued upto 31.03.04 realized this year	46,680,712	

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

पिछला वर्ष (रुपए)	परिसंपत्तियां			चालू वर्ष (रुपए)
234,366,629			331,356,918	
144,360,715	जोड़ें: परिवर्धन		133,580,634	
378,727,344				464,937,552
	ख) ऋण संवितरण			
3,323,950,000	31.03.2004 तक		3,666,950,000	
527,600,000	2004-2005 के दौरान		428,070,000	
184,600,000	घटाया गया: ऋण का इक्विटी में रूपांतरण		-	
-	घटाएं: बट्टे खाते ऋण		-	
3,666,950,000				4,095,020,000
59,000,000	ग) 31.03.2004 तक साम्य पूंजी अभिदान		243,600,000	
	2004-05 के दौरान		-	
184,600,000	जोड़ें: ऋण का इक्विटी पूंजी में रूपांतरण		-	
243,600,000				243,600,000
212,500,000	घ) आईटीवीयूएस (यूटीआई)			212,500,000
-	ङ) एसेंट इंडिया फंड (यूटीआई वीएफएम)			150,000,000
469,000	च) प्रतिभूति जमा			593,000
	छ) वसूल की जाने वाली राशि			
	(1) सरकारी विभागों से देय धनराशि			
4,983,322	2002-03 में	4,983,322		
3,708,862	2003-04 में	3,708,862		
-	2004-05 में	5,125,103		
8,692,184			13,817,287	
393,414	(2) विभागीय अधिकारियों को अग्रिम राशि		9,035	
9,085,598				13,826,322
	ज) अंत शेष			
300,000,000	बैंकों में लघु अवधि जमा (अनुसूची-ख)			700,000,000

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Balance Sheet as on 31st March, 2005

Previous Year (Rs.)	Assets			Current Year (Rs.)
234,366,629			331,356,918	
144,360,715	Add : Additions		133,580,634	
378,727,344				464,937,552
	b) Loan Disbursements			
3,323,950,000	Upto 31.03.2004		3,666,950,000	
527,600,000	During 2004-2005		428,070,000	
184,600,000	Less : Conversion of Loan into Equity		-	
-	Less: Loan written off		-	
3,666,950,000				4,095,020,000
59,000,000	c) Equity subscription upto 31.03.2004		243,600,000	
	During 2004-05		-	
184,600,000	Add : Conversion of Loan into Equity		-	
243,600,000				243,600,000
212,500,000	d) ITVUS (UTI)			212,500,000
-	e) Ascent India Fund (UTI VFM)			150,000,000
469,000	f) Security Deposit			593,000
	g) Payments to be recovered :			
	(i) Amount due from Govt. Depts.			
4,983,322	in 2002-03	4,983,322		
3,708,862	in 2003-04	3,708,862		
-	in 2004-05	5,125,103		
8,692,184			13,817,287	
393,414	(ii) Advance to Staff members		9,035	
9,085,598				13,826,322
	h) Closing Balance :			
300,000,000	Short Term Deposits in banks(Schedule-B)			700,000,000

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

पिछला वर्ष (रुपए)	परिसंपत्तियां			चालू वर्ष (रुपए)
23,585	नकद हाथ में			4,416
422,943,612	नकद बैंक में			303,415,281
	आईडीबीआई के यीसीएफ			
	निवेश			
149,924,271	1) ऋण	149,969,845		
22,425,000	(2) साम्य पूंजी	22,425,000		
172,349,271			172,394,845	
	प्राप्य राशि			
231,460,051	(1) ब्याज	287,930,766		
482,364,709	(2) अन्य	713,842,405		
713,824,760			1,001,773,171	
8,800,216	आईडीबीआई के पास नकद		4,368,243	
894,974,247				1,178,536,259
6,135,596,383	कुल			7,372,734,498

टिप्पणी अनुसूची क, ख तथा ग लेखाओं के अंग है ।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एंड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी.एस. राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Balance Sheet as on 31st March, 2005

Previous Year (Rs.)	Assets			Current Year (Rs.)
23,585	Cash in hand			4,416
422,943,612	Cash in bank			303,415,281
	VCF of IDBI			
	Investment			
149,924,271	(i) Loan	149,969,845		
22,425,000	(ii) Equity	22,425,000		
172,349,271			172,394,845	
	Receivables			
231,460,051	(i) Interest	287,930,766		
482,364,709	(ii) Others	713,842,405		
713,824,760			1,001,773,171	
8,800,216	Cash with IDBI		4,368,243	
894,974,247				1,178,536,259
6,135,596,383	**TOTAL**			7,372,734,498

Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.

(ANAND S. KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष में प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

पिछला वर्ष (रुपए)	प्राप्तियां	चालू वर्ष (रुपए)
	प्रारंभिक शेष	
-	लघु अवधि में जमाओं में निवेश	300,000,000
3,103	हाथ में मौजूद नकद	23,585
180,192,818	बैंक में जमा नकद	422,943,612
	प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि	
536,500,000	i) टीडी निधि	481,000,000
7,887,544	ii) लघु अवधि की जमाओं पर ब्याज	28,895,188
58,616,342	iii) ऋण पर ब्याज	80,914,398
254,099	iv) स्वत्व पर ब्याज	369,798
230,380	v) अनुदानों पर ब्याज	32,279
490,801,689	vi) ऋणों की अदायगी	269,213,093
9,645,349	vii) स्वत्व शुल्क	9,102,324
-	viii) दान	-
10,000,000	ix) आईडीबीआई के वीसीएफ से अंतरण	-
304,000	x) विविध प्राप्तियाँ	68,471
-	xi) प्रतिभूति की वापसी	6,000
1,113,703	xii) आयकर की वसूली	1,663,683
-	xiii) आईटीवीयूएस (यूटीआई)	36,875,000
1,295,549,027	**कुल**	1,631,107,431

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एंड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी.एस. राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Receipt and Payments Account for the Year Ending 31st March, 2005

Previous Year (Rs.)	Receipts	Current Year (Rs.)
	Opening Balance :	
-	Investment in short term deposits	300,000,000
3,103	Cash in hand	23,585
180,192,818	Cash at bank	422,943,612
	Fund for Technology Development & Application	
536,500,000	i) TD Fund	481,000,000
7,887,544	ii) Interest on short term deposits	28,895,188
58,616,342	iii) Interest on loans	80,914,398
254,099	iv) Interest on royalty	369,798
230,380	v) Interest on grants	32,279
490,801,689	vi) Repayment of loans	269,213,093
9,645,349	vii) Royalty	9,102,324
-	viii) Donations	-
10,000,000	ix) Transfer from VCF of IDBI	-
304,000	x) Miscellaneous receipt	68,471
-	xi) Refund of Security	6,000
1,113,703	xii) Recoveries towards Income Tax	1,663,683
-	xiii) ITVUS (UTI)	36,875,000
1,295,549,027	**TOTAL**	1,631,107,431

(ANAND S. KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष में प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

पिछला वर्ष (रुपए)	व्यय		चालू वर्ष (रुपए)
	संस्थापन व्यय		
2,175,430	i)	वेतन	4,052,927
-	ii)	मजदूरी	1,661
2,178,467	iii)	यात्रा व्यय (घरेलू)	2,729,374
606,027	iv)	यात्रा व्यय (विदेश)	718,611
210,600	v)	मानदेय	304,000
33,883	vi)	समयोपरि भत्ता	35,436
41,220	vii)	चिकित्सा व्यय	30,535
-	viii)	प्रतिनियुक्तों के लिए पेंशन अंशदान	416,771
	कार्यालय व्यय		
208,556	i)	टैलीफोन/टेलेक्स	403,977
126,396	ii)	डाक टिकट	106,812
154,039	iii)	पेट्रोल, तैल, स्नेहक	129,506
162,573	iv)	मरम्मत एवं अनुरक्षण	162,706
678,556	v)	उपभोज्य भंडार एवं मुद्रण	2,319,887
21,268	vi)	समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं	22,497
44,592	vii)	मनोरंजन एवं आतिथ्य	321,075
6,815	viii)	परिवहन	13,702
13,710,409	ix)	विज्ञापन एवं प्रचार	13,341,336
3,826,645	x)	किराया (कार्यालय)	3,224,424
1,641,017	xi)	विविध व्यय	1,117,428
9,000	xii)	प्रतिभूति राशि	130,000
1,000,000	xiii)	राष्ट्रीय पुरस्कार	1,400,000
-	xiv)	पुस्तकालय की पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	-
-	xv)	बयाना जमा की वापसी	-
2,102,685	xvi)	विधिक एवं प्रबंध शुल्क	11,114,230
-	xvii)	कोर्ट फीस	543,330

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Receipt and Payments Account for the Year Ending 31st March, 2005

Previous Year (Rs.)	Payments		Current Year (Rs.)
	Establishment Expenses		
2,175,430	i)	Salaries	4,052,927
-	ii)	Wages	1,661
2,178,467	iii)	Travel Expenses (Domestic)	2,729,374
606,027	iv)	Travel Expenses (Abroad)	718,611
210,600	v)	Honorarium	304,000
33,883	vi)	Over Time Allowance	35,436
41,220	vii)	Medical Expenses	30,535
-	viii)	Pension Contribution for Deputationists	416,771
	Office Expenses		
208,556	i)	Telephone / Telex	403,977
126,396	ii)	Postage stamps	106,812
154,039	iii)	Petrol, Oil, Lubricants	129,506
162,573	iv)	Repairs & Maintenance	162,706
678,556	v)	Consumable Stores & Printing	2,319,887
21,268	vi)	Newspapers & Magazines	22,497
44,592	vii)	Entertainment & Hospitality	321,075
6,815	viii)	Conveyance	13,702
13,710,409	ix)	Advertisement & Publicity	13,341,336
3,826,645	x)	Rent (Office)	3,224,424
1,641,017	xi)	Miscellaneous Expenses	1,117,428
9,000	xii)	Security Deposits	130,000
1,000,000	xiii)	National Award	1,400,000
-	xiv	Library Books & Journals	-
-	xv)	Refund of earnest money Deposit	-
2,102,685	xvi)	Legal & Management Charges	11,114,230
-	xvii)	Court Fee	543,330

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष में प्राप्तियों एवं भुगतान का लेखा

पिछला वर्ष (रुपए)	व्यय	चालू वर्ष (रुपए)
120	xviii) वर्दी एवं परिधान	-
-	xix) लेखा परीक्षण शुल्क	171,115
-	xx) कर्मचारियों को अग्रिम	9,035
	बोर्ड के व्यय	
190,254	i) सदस्यों को दैनिक/यात्रा भत्ता	151,916
634,000	ii) व्यावसायिक शुल्क/मानदेय	355,000
90,304	iii) बैठक के लिए व्यय	67,926
1,615,307	iv) विशेषज्ञों को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता	1,362,333
	पूंजी व्यय	
1,294,982	i) उपस्कर/उपकरण/मशीनरी	1,535,921
104,982	ii) फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	289,690
-	iii) वाहन	370,890
1,113,703	आयकर वसूली का संवितरण	1,663,683
527,600,000	i) ऋण	428,070,000
11,000,000	ii) अनुदान	1,000,000
-	iii) साम्य पूंजी	-
-	iv) आईटीवीयूएस (यूटीआई)	-
-	v) एसेंट इंडिया फंड (यूटीआई थीएफएम)	150,000,000
	अन्तशेष	
300,000,000	i) लघु अवधि जमा में निवेश	700,000,000
23,585	ii) हाथ में मौजूद नकद	4,416
422,943,612	iii) बैंक में जमा नकद	303,415,281
1,295,549,027	कुल	1,631,107,431

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एंड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी.एस. राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Receipt and Payments Account for the Year Ending 31st March, 2005

Previous Year (Rs.)	Payments	Current Year (Rs.)
120	xviii) Liveries & Uniform	-
-	xix) Audit Fee	171,115
-	xx) Advance to staff members	9,035
	Board Expenses	
190,254	i) TA / DA to Members	151,916
634,000	ii) Professional Fee / Honorarium	355,000
90,304	iii) Meeting Expenses	67,926
1,615,307	iv) TA / DA to Experts	1,362,333
	Capital Expenditure	
1,294,982	i) Equipment / Apparatus / Machinery	1,535,921
104,982	ii) Furniture & Fixtures	289,690
-	iii) Vehicle	370,890
1,113,703	**Remittance of recoveries to Income Tax**	1,663,683
	Disbursements from TDF	
527,600,000	i) Loans	428,070,000
11,000,000	ii) Grants	1,000,000
-	iii) Equity	-
-	iv) ITVUS (UTI)	-
-	v) Ascent India Fund(UTI VFM)	150,000,000
	Closing Balance	
300,000,000	i) Investment in short term deposits	700,000,000
23,585	ii) Cash in hand	4,416
422,943,612	iii) Cash at bank	303,415,281
1,295,549,027	**TOTAL**	1,631,107,431

(ANAND S. KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का लेखा

पिछला वर्ष (रुपए)	आय	चालू वर्ष (रुपए)
37,434,000	i) संस्थापन हेतु अनुदान	39,672,982
2,897,877	ii) लघु अवधि जमा बचत खातों पर प्रोद्भूत ब्याज	5,011,961
144,360,715	iii) ऋणों पर प्रोद्भूत ब्याज	133,580,634
304,000	iv) विविध प्राप्तियाँ	22,685
184,996,592	**कुल**	178,288,262

टिप्पणी अनुसूची क, ख तथा ग लेखाओं के अंग है ।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एंड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी.एस. राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Income and Expenditure Account for the Year Ending 31st March 2005

Previous Year (Rs.)	Income	Current Year (Rs.)
37,434,000	i) Grant for Establishment	39,672,982
2,897,877	ii) Interest accrued on short term deposits / SB A/c.	5,011,961
144,360,715	iii) Interest accrued on loans	133,580,634
304,000	iv) Miscellaneous receipt	22,685
184,996,592	**TOTAL**	178,288,262

Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.

(ANAND S. KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का लेखा

पिछला वर्ष (रुपए)	व्यय		चालू वर्ष (रुपए)
	संस्थापन व्यय		
2,175,430	i) वेतन		4,052,927
-	ii) मजदूरी		1,661
2,178,467	iii) यात्रा व्यय (घरेलू)		2,729,374
212,613	iv) यात्रा व्यय (विदेश)		1,112,025
210,600	v) मानदेय		304,000
33,883	vi) समयोपरि भत्ता		35,436
41,220	vii) चिकित्सा व्यय		30,535
187,089	viii) प्रतिनियुक्तों के लिए पेंशन अंशदान		344,042
	कार्यालय व्यय		
208,556	i) टेलीफोन/टेलेक्स		403,977
126,396	ii) डाक टिकट		106,812
154,039	iii) पेट्रोल, तेल, स्नेहक		129,506
162,573	iv) मरम्मत एवं अनुरक्षण		162,706
678,556	v) उपभोज्य भंडार एवं मुद्रण		2,319,887
21,268	vi) समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं		22,497
44,592	vii) मनोरंजन एवं आतिथ्य		321,075
6,815	viii) परिवहन		13,702
10,001,547	ix) विज्ञापन एवं प्रचार		8,216,233
3,826,645	x) किराया (कार्यालय)		3,224,424
1,641,017	xi) विविध व्यय		1,117,428
188,049	xii) बट्टे खाते	173,260	
100,000	घटाएं: वसूली	45,786	
88,049			127,474

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Income and Expenditure Account for the Year Ending 31st March 2005

Previous Year (Rs.)	Expenditure		Current Year (Rs.)
	Establishment Expenses		
2,175,430	i) Salaries		4,052,927
-	ii) Wages		1,661
2,178,467	iii) Travel Expenses (Domestic)		2,729,374
212,613	iv) Travel Expenses (Abroad)		1,112,025
210,600	v) Honorarium		304,000
33,883	vi) Over Time Allowance		35,436
41,220	vii) Medical Reimbursement		30,535
187,089	viii) Pension Contribution for deputationists		344,042
	Office Expenses		
208,556	i) Telephone / Telex		403,977
126,396	ii) Postage stamps		106,812
154,039	iii) Petrol, Oil, Lubricants		129,506
162,573	iv) Repairs & Maintenance		162,706
678,556	v) Consumable Stores & Printing		2,319,887
21,268	vi) Newspapers & Magazines		22,497
44,592	vii) Entertainment & Hospitality		321,075
6,815	viii) Conveyance		13,702
10,001,547	ix) Advertisement & Publicity		8,216,233
3,826,645	x) Rent (Office)		3,224,424
1,641,017	xi) Miscellaneous Expenses		1,117,428
188,049	xii) Write off	173,260	
100,000	Less : Recovery	45,786	
88,049			127,474

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का लेखा

पिछला वर्ष (रुपए)	व्यय		चालू वर्ष (रुपए)
1,000,000	xiii) राष्ट्रीय पुरस्कार		1,400,000
-	xiv) पुस्तकालय की पुस्तकें एवं पत्रिकाएं		-
2,102,685	xv) विधिक एवं प्रबन्ध शुल्क		11,114,230
-	xvi) कोर्ट फीस		543,330
120	xvii) वर्दी एवं परिधान		-
171,115	xviii) लेखा परीक्षण शुल्क		30,000
	xix) मूल्यह्रासः		
186,637	उपकरण	297,602	-
18,985	फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	27,584	
18,184	वाहन	-	325,186
1,809,738	xx) ब्याज माफ किया गया		689,714
	बोर्ड के व्यय		
190,254	i) सदस्यों को दैनिक/यात्रा भत्ता		151,916
634,000	ii) व्यावसायिक शुल्क/मानदेय		355,000
90,304	iii) बैठक के लिए व्यय		67,926
1,615,307	iv) विशेषज्ञों को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता		1,362,333
155,159,908	व्यय पर आय की अधिकता		137,472,906
184,996,592	**कुल**		178,288,262

टिप्पणी अनुसूची क, ख और ग लेखों का भाग हैं ।

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एंड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी.एस. राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Income and Expenditure Account for the Year Ending 31st March 2005

Previous Year (Rs.)	Expenditure		Current Year (Rs.)
1,000,000	xiii) National Award		1,400,000
-	xiv) Library Books & Journals		-
2,102,685	xv) Legal & Management Charges		11,114,230
-	xvi) Court Fee		543,330
120	xvii) Liveries & Uniform		-
171,115	xviii) Audit Fee		30,000
	xix) Depreciation :		
186,637	Equipment	297,602	-
18,985	Furniture & Fixtures	27,584	
18,184	Vehicle	-	325,186
1,809,738	xx) Interest waived off		689,714
	Board Expenses		
190,254	i) TA / DA to Members		151,916
634,000	ii) Professional Fee / Honorarium		355,000
90,304	iii) Meeting Expenses		67,926
1,615,307	iv) TA / DA to Experts		1,362,333
155,159,908	**Excess of Income over Expenditure**		137,472,906
184,996,592	**TOTAL**		178,288,262

Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.

(ANAND S. KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

अनुसूचि - क

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

अचल परिसंपत्तियों का विवरण

(रुपये)

	उपकरण/उपकरण मशीनरी	फर्नीचर/ फिक्सचर्स	वाहन
31.03.2004 तक सकल ब्लॉक	4,109,861	355,772	307,955
2004-2005 के दौरान अभिवृद्धि	1,702,453	289,690	370,890
2004-2005 में बट्टे खाते	9,600	-	163,660
31.03.2005 तक सकल ब्लॉक	5,802,714	645,462	515,185
31.03.2004 तक मूल्यह्रास	1,124,240	79,933	144,295
2004-2005 के दौरान मूल्यह्रास	297,602	27,584	-
वापस लिखा गया	-	-	144,295
31.03.2005 तक मूल्यह्रास	1,421,842	107,517	-
31.03.2005 के अनुसार निवल ब्लॉक	4,380,872	537,945	370,890
31.03.2004 के अनुसार निवल ब्लॉक	2,985,621	275,839	163,660

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एंड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी.एस. राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Schedule-A

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Statement of Fixed Assets

(in Rupees)

	Equipment / Apparatus / Machinery	Furniture / Fixtures	Vehicle
Gross Block as at 31.03.04	4,109,861	355,772	307,955
Additions during 2004-05	1,702,453	289,690	370,890
Written off during 2004-05	9,600	-	163,660
Gross Block as at 31.03.05	5,802,714	645,462	515,185
Depreciation upto 31.03.04	1,124,240	79,933	144,295
Depreciation during 2004-05	297,602	27,584	-
Written back	-	-	144,295
Depreciation upto 31.03.05	1,421,842	107,517	-
Net Block as at 31.03.05	4,380,872	537,945	370,890
Net Block as at 31.03.04	2,985,621	275,839	163,660

(ANAND S. KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

अनुसूचि - ख

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2005 तक प्रौद्योगिकी विकास एवं उपयोग के लिए निधि से प्राप्त लघु अवधि जमाओं का विवरण

बैंक का नाम	एफडीआर संख्या	एफडीआर तिथि	परिपक्वता तिथि	राशि (करोड़ रुपए)
यूनियन बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली	731101	26.02.2005	11.04.2005	5.00
- तदैव -	731102	26.02.2005	11.04.2005	5.00
- तदैव -	731103	26.02.2005	11.04.2005	3.00
- तदैव -	731104	26.02.2005	11.04.2005	2.00
- तदैव -	731110	07.03.2005	22.04.2005	5.00
- तदैव -	731111	07.03.2005	22.04.2005	5.00
केनरा बैंक, जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली	एफ0डी0/01/00487	05.01.2005	06.04.2005	5.00
- तदैव -	एफ0डी0/01/00488	05.01.2005	06.04.2005	3.00
- तदैव -	एफ0डी0/01/00489	05.01.2005	06.04.2005	2.00
- तदैव -	एफ0डी0/01/00490	05.01.2005	06.04.2005	5.00
- तदैव -	एफ0डी0/01/00521	31.01.2005	01.05.2005	5.00
- तदैव -	एफ0डी0/01/00522	31.01.2005	01.05.2005	5.00
- तदैव -	एफ0डी0/01/00523	31.01.2005	01.05.2005	5.00
- तदैव -	एफ0डी0/01/00533	31.01.2005	01.05.2005	5.00
- तदैव -	एफ0डी0/01/00534	31.01.2005	01.05.2005	5.00
- तदैव -	एफ0डी0/01/00535	31.01.2005	01.05.2005	5.00
कुल				70.00

(आनन्द एस. खाती)
निदेशक (एफ एंड ए)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(वी.एस. राममूर्ति)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Schedule-B

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

"Details of Short Term Deposits from Fund for Technology Development and Application as on 31st March, 2005"

Name of the Bank	FDR No.	FDR Date	Date of Maturity	Amount (Rupees in Crore)
Union Bank of India, New Delhi	731101	26.02.2005	11.04.2005	5.00
- do -	731102	26.02.2005	11.04.2005	5.00
- do -	731103	26.02.2005	11.04.2005	3.00
- do -	731104	26.02.2005	11.04.2005	2.00
- do -	731110	07.03.2005	22.04.2005	5.00
- do -	731111	07.03.2005	22.04.2005	5.00
Canara Bank, Jit Singh Marg, New Delhi	FD/01/00487	05.01.2005	06.04.2005	5.00
- do -	FD/01/00488	05.01.2005	06.04.2005	3.00
- do -	FD/01/00489	05.01.2005	06.04.2005	2.00
- do -	FD/01/00490	05.01.2005	06.04.2005	5.00
- do -	FD/01/00521	31.01.2005	01.05.2005	5.00
- do -	FD/01/00522	31.01.2005	01.05.2005	5.00
- do -	FD/01/00523	31.01.2005	01.05.2005	5.00
- do -	FD/01/00533	31.01.2005	01.05.2005	5.00
- do -	FD/01/00534	31.01.2005	01.05.2005	5.00
- do -	FD/01/00535	31.01.2005	01.05.2005	5.00
TOTAL				70.00

(ANAND S. KHATI)
DIRECTOR (F&A)
Technology Development Board

(V.S. RAMAMURTHY)
CHAIRPERSON
Technology Development Board

अनुसूचि - ग

Schedule - C

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
लेखा 2004-05 पर महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ एवं टिप्पणियाँ

Technology Development Board
Significant Accounting Policies and Notes on Accounts 2004-05

क) महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. प्राप्ति एवं भुगतान लेखा नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत नकद लेनदेन का संक्षिप्त विवरण है । यह पूंजी और राजस्व दोनों प्रकार की प्राप्तियों एवं भुगतानों का अभिलेख रखता है ।

2. आय एवं व्यय का लेखा वर्ष की आय एवं व्यय का सारांश है। इसे नकद एवं प्रोद्भवन दोनों आधार पर तैयार किया जाता है । यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का अभिलेख रखता है । वितरित किए गए ऋण की राशि पर अर्जित प्रोद्भूत ब्याज को उस वर्ष में गिना जाता है जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की गई; तथापि, ब्याज वास्तव में सम्बधित ऋण अनुबंधों के अनुबन्धन एवं शर्तों के अनुसार परियोजनाओं के पूरा हो जाने के पश्चात ही प्राप्त होता है ।

3. जारी किए गए अनुदान संवितरण के आधार पर दर्शाए गए हैं।

A. Significant Accounting Policies

1. Receipts and Payments Account is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.

2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan instalment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements.

3. Grants released have been shown on the basis of disbursements made.

4. मूल्यह्रास की मात्रा का निर्धारण घटती शेष पद्धति पर वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में निर्धारित परिसंपत्तियों के प्रारंभिक शेष पर 10% की दर से किया जाता है । वित्तीय वर्ष के दौरान अधिग्रहीत/ बेची गई/हस्तांतरित/छोड़ी गई अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं दिया जाता ।

5. स्वत्व शुल्क भुगतान को पावती आधार पर प्राप्ति एवं भुगतान लेखे एवं तुलनपत्र में लिखा गया है ।

6. सरकारी अनुदानों को प्राप्ति आधार पर मान्यता दी जाती है । व्यय न की गई राशि भारत सरकार को वापस कभी नहीं होती, क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग के लिए निधि में जमा कर लिया जाता है । ऐसा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9(1)(क) के अनुसार किया गया है और इस प्रकार ऐसी वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए भारत सरकार को वापस लौटाने हेतु कोई राशि शेष नहीं है ।

7. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9(1) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग के लिए निधि से अनुदानित राशि की वसूली, ऋण पर ब्याज की प्राप्ति, स्वत्व शुल्क, अनुदान तथा किसी अन्य स्रोत से प्राप्त राशियों को फंड में जमा किया जाता है । इस प्रावधान को ध्यान में रखते हुए तुलन-पत्र तैयार किया गया है ।

8. निधि बकाया को लघु अवधि जमा के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत बैंकों में रखा जाता है । लघु अवधि जमा पर ब्याज को प्राप्ति एवं भुगतान लेखे तथा तुलन-पत्र में दर्शाया गया है।

9. कंपनियों में निवेशों को लागत मूल्य पर दर्शाया जाता है ।

10. स्टॉक का सत्यापन वार्षिक आधार पर किया जाता है ।

11. आंकड़ों को निकटतम रुपए में दिखाया जाता है ।

4. Depreciation is quantified at the rate of 10 per cent on the opening balance of Fixed Assets as on the beginning of the financial year on diminishing balance method. No depreciation is provided on the fixed Assets acquired/sold/transferred/ discarded during the financial year. Fixed Assets are taken at the cost of acquisition

5. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

6. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.

7. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared. .

8. Fund balances are kept in short term deposits in nationalized banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

9. The investments in companies are stated at cost price.

10. Stock verification is done on annual basis.

11. Figures are rounded off to the nearest rupee.

ख) लेखों पर टिप्पणियाँ

1. तुलन-पत्र में देनदारी पक्ष के अंतर्गत स्थापना व्ययों के लिए 396.73 लाख रुपए की धनराशि दिखाई गई है और केन्द्र सरकार के अनुदानों से उसे घटाया गया है । परिसंपत्तियों को बट्टे खाते डालने, 11.34 लाख रुपए के माफ किए गए ब्याज और मूल्यह्रास को छोड़कर, यह आय-व्यय खाते में 396.73 लाख रुपए के व्यय के बराबर है ।

2. 31 मार्च, 2005 तक प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का 5878.08 लाख रुपए धनराशि का बकाया ऋण (प्राप्य पुनः वसूली जो प्राप्त नहीं हुई) था । इसके अलावा, 2043.78 लाख का साधारण ब्याज, 1239.24 लाख रुपए का मूल ऋण पर अतिरिक्त ब्याज और 324.83 लाख के साधारण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज देय था। इस प्रकार कुल 9485.93 लाख रुपए, जो लाभार्थीयों से प्राप्त होने थे, 31 मार्च, 2005 तक प्राप्त नहीं हुए । मेसर्स मनुकृति बायोजेम (प्रा0) लि0, बंगलौर के साथ एकबारगी निपटान के कारण माफ किए गए ब्याज और अतिरिक्त ब्याज के 6.90 लाख रुपए इसमें शामिल हैं ।

3. टीडीबी, यूटीआई वेंचर फंड्स मैनेजमेंट कंपनी लि0 (यूटीआईवीएफ) बंगलौर द्वारा प्रशासित भारत प्रौद्योगिकी उद्यम यूनिट स्कीम में 25 करोड़ रुपए तक की भागीदारी के लिए जुलाई, 2000 में सहमत हुआ था । टीडीबी की भागीदारी प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यिकरण के उद्देश्य को आगे बढ़ाएगी और प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमों को बढ़ाना देने के लिए अपनी निधियां देने हेतु दूसरों को प्रोत्साहित करेगी । इस स्कीम को टीडीबी, आयात निर्यात बैंक, एलआईसी, यूटीआई और कुछ अग्रणी सरकारी क्षेत्र के बैंकों से 115 करोड़ रुपए की कुल वचनबद्धता प्राप्त हुई है जिससे यूटीआईवीएफ द्वारा लगभग 20 पोर्टफोलियो कंपनियों में निवेश हो सकेगा । 31 मार्च, 2005 तक टीडीबी की भागीदारी 21.25 करोड़ रुपए की

B. Notes on Accounts

1. In the Balance Sheet, on the Liabilities side, a sum of Rs. 396.73 lakhs for Establishment expenses is shown and is reduced from Grants from Central Government. This corresponds to the expenditure of Rs. 396.73 lakhs under Establishment expenses, excluding Writing off of assets, Depreciation and Interest waived off totaling Rs. 11.34 lakhs, in the Income and Expenditure Account.

2. As on 31st March 2005, the Technology Development Board has an outstanding loan (repayment due but not received) amounting to Rs. 5878.08 lakhs. In addition, simple interest of Rs. 2043.78 lakhs, additional interest on loan amounting to Rs. 1239.24 lakhs and Rs. 324.83 lakhs as additional interest on simple interest, were also due. Thus, a sum of Rs. 9485.93 lakhs were due from the beneficiaries but have not been received as on 31st March 2005. This takes into account Rs. 6.90 lakhs as interest and additional interest waived off due to One Time Settlement with M/s. Manukriti Biogems (P) Ltd., Bangalore.

3. TDB had agreed in July 2000 to participate up to Rs. 25 crores in the India Technology Venture Unit Scheme administered by the UTI Venture Funds Management Company Limited, (UTIVF) Bangalore. TDB's participation would further the objective of technology development and commercialization and would leverage others to commit their funds for promoting technology based ventures. The Scheme has received a total commitment of Rs. 115 crores from TDB, EXIM Bank, LIC, UTI, and a few leading PSU banks, thereby enabling investment in around 20 portfolio companies by UTIVF. The participation

रही है । इसे स्टाक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं किया गया है । टीडीबी ने अगस्त, 2004 में यूटीआईवीएफ से 3.69 करोड़ रुपए प्राप्त किए जो निधि पूंजी के 14.75% का पहला वितरण है । 31 मार्च, 2005 को निधि का लेखा परीक्षित एनएवी 141.77 करोड़ रुपए का था ।

4. टीडीबी मार्च, 2005 में यूटीआईवीएफ, बंगलौर द्वारा प्रशासित एसेंट इंडिया फंड में 75 करोड़ रुपए तक की भागीदारी के लिए सहमत हुआ है । टीडीबी की भागीदारी से उद्यमियों, नई प्रौद्योगिकियों, तेजी से बढ़ रही कंपनियों और यूटीआईवीएफ के नेटवर्क तक टीडीबी की पहुंच अवसर, प्रदान करने के अलावा ज्ञान आधारित उद्योगों की अनेक पोर्टफोलियो कंपनियों में सार्थक निवेश होगा । एसेंट इंडिया फंड प्रारंभिक स्तर के प्रौद्योगिकी अभिमुखी उद्यमों को इक्विटी प्रदान करेगा । यह बढ़ोत्तरी प्रौद्योगिकी एवं प्रौद्योगिकी संबंधित क्षेत्रों में टीडीबी के निधि पोषण का कम से कम तीन गुना है क्योंकि निधि का आकार 300 करोड़ रुपए का होगा । टीडीबी ने 31 मार्च, 2005 को एसेंट इंडिया फंड के लिए 15 करोड़ रुपए रिलीज किए और इसे लागत पर लिया गया है । इसे स्टाक एकसचेंज में सूचीबद्ध नहीं किया गया है ।

5. भारत सरकार द्वारा जारी अनुदान से संबंधित वैंचर कैपिटल फंड (वीसीएफ ट्रान्जेक्शन्स के संबंध में इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक आफ इंडिया (आईडीबीआई) के खातों में बकाया पैसे की प्राप्तियों तथा देयताओं का हस्तांतरण प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 10 के अनुसार 1 सितम्बर, 1996 को बोर्ड को हस्तांतरित करने की आवश्यकता है । 31 मार्च, 2005 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए बोर्ड में लगे आईडीबीआई के वैंचर कैपिटल फंड की लेखा परीक्षित बैलेंस शीट को इस वर्ष की बैलेंस शीट में जोड़ा गया है । बैलेंस शीट आईडीबीआई के वीसीएफ से संबंधित पिछले वर्ष के आंकड़े भी बताती है ।

by TDB has been to the extent of Rs. 21.25 crores till 31st March 2005 and is stated at cost. This is not listed in the Stock Exchange, TDB has received Rs.3.69 crores in August 2004 from UTIVF being the maiden distribution of 14.75 percent of the fund's capital. The audited NAV of the fund was Rs. 141.77 as on 31st March 2005.

4. TDB has agreed in March 2005 to participate up to Rs. 75 crores in the Ascent India Fund administered by the UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore. TDB's participation would result in meaningful investments in adequate number of portfolio companies in the Knowledge industries besides giving TDB an opportunity to access to entrepreneurs, new technologies, fast growing companies and the networks of UTI Venture Funds. Ascent India Fund would provide equity to early stage technology oriented ventures. The leverage is at least 3 times the TDB's funding in technology and technology related sectors as the size of the fund would be Rs. 300 crores. TDB released Rs. 15 crore to Ascent India Fund on 31st March 2005 and is stated at cost. This is not listed in the Stock Exchange.

5. The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2005 has been incorporated in this year's Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year's figures relating to VCF of IDBI.

6.(1) टीडीबी ने मैं ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी बैटरी लि0 के 590 लाख रुपए के बराबर धनराशि में प्रत्येक 1000 रुपए के 59000 इक्विटी शेयरों में अंशदान किया है। कंपनी के शेयर स्टाक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं है। निवेश लागत पर हैं।

(2) मैं निक्को कार्पोरेशन लि0 को 1846 लाख रुपए के टीडीबी के ऋण को सम मूल्य पर प्रत्येक 100 रुपए के 18,46,000 संचयी मोचनीय तरजीही शेयरों में परिवर्तित करने की अनुमति दी गई। यह तरजीही शेयर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं है। निवेश लागत पर हैं।

6 i) TDB had subscribed in 59000 equity shares of Rs. 1000/-each at par amounting to Rs. 590 lakhs of M/s Twenty First Century Battery Limited. The shares of the company are not listed in the Stock Exchange. The investments are stated at cost.

(ii) M/s Nicco Corporation Limited was allowed conversion of TDB's loan amounting to Rs. 1846 lakhs into 18,46,000 Cumulative Redeemable Preference Shares of Rs. 100 each at par. The Cumulative Redeemable Preference Shares are not listed in the Stock Exchange. The investments are stated at cost

(आनन्द एस. खाती)
(ANAND S. KHATI)
निदेशक (एफ एंड ए)
DIRECTOR (F&A)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
Technology Development Board

(वी.एस. राममूर्ति)
(V. S. RAMAMURTHY)
अध्यक्ष
CHAIRPERSON
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
Technology Development Board

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के वर्ष 2004-05 के लेखों पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

प्रस्तावना

भारत सरकार ने देशीय प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यकरण एवं आयातित प्रौद्योगिकी के विस्तृत घरेलू उपयोग हेतु प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी.डी.बी.) की सितम्बर 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के अन्तर्गत स्थापना की गई।

टी.डी.बी. औद्योगिक तथा अन्य एजेन्सियों को छः प्रतिशत प्रतिवर्ष की साधारण ब्याज की दर से ऋण सहायता प्रदान करती है। 13 मई 2002 से ब्याज की दर छः प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत हो गई थी। विकल्पतः टी.डी.बी. को भी औद्योगिक संगठनों के लिए समतुल्य पूंजी का अंशदान करना चाहिए।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के वार्षिक लेखों की लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक की (कर्तव्यों, शक्तियों और सेवा शर्तों) अधिनियम 1971 की धारा 19(2) तथा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 की धारा 13(3) के अन्तर्गत सौंपी गई।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का वित्तपोषण मुख्यतः केन्द्रीय सरकार के अनुदानों से होता है और वर्ष 2004-05 में इसे रुपये 48.10 करोड का अनुदान प्राप्त हुआ। इस वर्ष प्राप्त अनुदान में से संगठन ने रुपये 48.10 करोड़ (योजितः रुपये शून्य और गैर योजित रुपये 48.10 करोड़) उपयोग किये गए तथा 31 मार्च 2005 को अनुपयोगी अनुदान शून्य था।

लेखों पर टिप्पणी

शून्य

स्थानः नई दिल्ली
दिनाकः 03-03-06

आर. पी. सिंह
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (वैज्ञानिक विभाग)

Audit Report on the accounts of the Technology Development Board (TDB) New Delhi for year 2004-05

Introduction

The Government of India constituted the Technology Development Board(TDB) in September 1996 under Technology Development Board Act, 1995, for the development and commercialization of indigenous technology or adopting imported technology for wider domestic application.

TDB provides loan assistance at a simple rate of interest of six percent per annum to industrial concerns and other agencies. From 13th May, 2002, the interest rate was reduced from six to five percent per annum. Alternatively, TDB may also subscribe by way of equity capital to industrial concern.

The audit of annual accounts of TDB has been conducted under section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 13(3) of Technology Development Board Act, 1995.

TDB is mainly financed by grant from Central Government and during the year 2004-05, it received a grant of Rs. 48.10 crore. Out of the grant received during the year, the organization could utilize a sum of Rs. 48.10 crore (Plan : Rs. Nil and Non-Plan : Rs. 48.10 crore) leaving a nil balance as unutilized grant as on 31st March 2005.

Comments on Accounts

-Nil-

Sd/-
Pr. Director of Audit
(Scientific Departments)

Place : New Delhi
Dated 03.03.2006

लेखापरीक्षा प्रमाण-पत्र

मैंने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के 31 मार्च 2005 को समाप्त वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान लेखे तथा आय एवं व्यय लेखे और 31 मार्च 2005 के तुलनपत्र की जांच कर ली है। मैने सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो मुझे चाहिए थे तथा संलग्नित लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में दी गई टिप्पणियों के तहत मैं प्रमाणित करता हूँ कि लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप मेरे विचार में यह लेखे तथा तुलनपत्र सही तरीके से बनाए गए हैं तथा मुझे दी गई सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के कार्यों का सही और स्पष्ट चित्रण प्रस्तुत करते हैं।

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 03-03-06

आर. पी. सिंह
प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (वैज्ञानिक विभाग)

Audit Certificate

I have examined the Receipts and Payments Account and the Income and Expenditure Account for the year ended 31 March, 2005 and the Balance Sheet as on 31 March, 2005 of the Technology Development Board, New Delhi. I have obtained all the information and explanations that I have required and subject to the observations in the appended Audit Report, I certify, as a result of my audit that in my opinion these accounts and Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the Technology Development Board, New Delhi according to the best of information and explanations given to me and as shown by the books of the organization.

Place : New Delhi
Dated: 03.03.2006

Sd/-
Pr. Director of Audit
Scientific Departments